02 जनवरी 2025
गुरुवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

डीएम हुजूर... मुझे न्याय दीजिए, आपके ही आदेश को सदर एडीएम ने दो दिन में पलटा

3

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

कुंभ को देखते हुए प्रयागराज के अन्य अस्पतालों का भी कायाकल्प

- शहर के स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय में केंद्रीय डायग्नोसिस सेंटर विकसित किया गया
- आग लगने की घटना के समय लोगों के पीड़ित होने की स्थिति से निबटने के लिए बर्न वार्ड में 20 अतिरिक्त बेड लगाए गए

एजेंसी/प्रयागराज

प्रयागराज में आयोजित होने जा रहे महाकुंभ 2025 के लिए कुंभ मेला क्षेत्र में ही सर्वोत्तम स्तर की स्वास्थ्य सेवाओं को तैनात किया गया है। लेकिन यूपी प्रशासन केवल इतनी तैयारी से ही संतुष्ट नहीं है। इसके अलावा प्रयागराज के सभी अस्पतालों को भी मेकओवर कर उन्हें बेहतर बना दिया गया है जिससे किसी आपातकालीन स्थिति में सबकी सहायता की जा सके। शहर के स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय में केंद्रीय डायग्नोसिस सेंटर विकसित किया गया है। ओपीडी और प्रतीक्षालय को बेहतर बनाया गया है। अस्पताल में मॉड्यूलर किचन बनाकर भी अस्पताल को बेहतर बनाने का प्रयास किया गया है। इसी तरह मनोहर दास नेत्र चिकित्सालय में भी सेवाओं का विस्तार किया गया है। अस्पताल में प्रतीक्षा हॉल, मुख्यद्वार और सुरक्षा केबिन को बेहतर बनाया गया है।

इस अस्पताल में आने वाले मरीजों को बेहतर भोजन सुविधा देने के लिए भी प्रयास किया गया है। अस्पतालों में मरीजों के साथ आने वाले तीमारदारों और उनके अतिथियों को रुकने के लिए भी पर्याप्त व्यवस्था की जा रही है। इसके लिए स्वरूपरानी अस्पताल में आवास सुविधाओं को अत्याधुनिक बनाया गया है। आग लगने की घटना के समय लोगों के पीड़ित होने की स्थिति से निबटने के लिए बर्न वार्ड में 20 अतिरिक्त बेड लगाए गए हैं। जिन विभागों में चिकित्सकीय उपकरणों की मांग की जा रही थी, और अब तक किन्हीं कारणों से यह पूरा नहीं हो पाया था, अब कुंभ मेला के दौरान उन सबको उपलब्ध करा दिया गया है। इससे भी अस्पतालों की कार्य सेवा क्षमता बेहतर हुई है। यूपी सरकार के स्वास्थ्य मंत्री सुब्रत पाठक ने बताया कि

अस्पताल में मॉड्यूलर किचन बनाकर भी अस्पताल को बेहतर बनाने का प्रयास

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रयागराज के अस्पतालों में ये बदलाव हमेशा के लिए होंगे और कुंभ बीतने के बाद भी इस जिले और पूरे पूर्वांचल से प्रयागराज आकर इलाज कराने वाले लोगों को इन सुविधाओं का लाभ मिलेगा। मंत्री ने बताया कि यूपी सरकार की कोशिश है कि स्वास्थ्य सेवाओं को इतना बेहतर बना दिया जाए कि इलाज के लिए किसी को बाहर न जाना पड़े। शहर के स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय में केंद्रीय डायग्नोसिस सेंटर विकसित किया गया है। ओपीडी और प्रतीक्षालय को बेहतर बनाया गया है। अस्पताल में मॉड्यूलर किचन बनाकर भी अस्पताल को बेहतर बनाने का प्रयास किया गया है। यह प्रयास किया जा रहा है कि जो भी श्रद्धालु आए उन्हें बेहतर से बेहतर सुविधा दी जाए।

अस्पताल में इलाज पर जितना ध्यान दिया जा रहा है, उतना ही ध्यान अस्पतालों में साफ-सफाई और सौंदर्यीकरण पर भी है। अस्पताल के लिए आने वाली सड़कों को साफ-सुथरा बना दिया गया है। अस्पतालों में पार्क भी विकसित किए गए हैं जहां बीमार और उनके तीमारदार दोनों ही स्वास्थ्य लाभ ले सकेंगे। किसी को परेशानी नहीं हो।

आज शीतलहर के आगे बेबस रहेगा गुनगुनी धूप, पहाड़ों पर जारी बर्फबारी

एजेंसी/नई दिल्ली

साल के पहले दिन दिल्ली-एनसीआर में शीतलहर का जोरदार असर देखने को मिला। गुनगुनी धूप भी शीतलहर के सामने बेबल नजर आई। ठंड से बचने के लिए लोगों ने अलाव का सहारा लिया। मौसम विभाग के अनुसार, पहाड़ों पर बर्फबारी के चलते दिल्ली एनसीआर समेत पूरे उत्तर भारत में शीतलहर चल रही है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार 2 और 3 जनवरी को हल्का कोहरा रहेगा। अधिकतम तापमान 18 डिग्री और न्यूनतम तापमान 9 डिग्री तक रह सकता है। 4 और 5 जनवरी को एक बार फिर ठंड काफी अधिक बढ़ सकती है। अधिकतम तापमान गिरकर 15 और 16 डिग्री के आसपास रहेगा। न्यूनतम तापमान 11 से 12 डिग्री तक रह सकता है। वहीं 5 जनवरी को हवाओं की गति 20 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे तक रह सकती है। इसके बाद 6 जनवरी को अधिकतम तापमान 17 डिग्री और न्यूनतम तापमान 11 डिग्री तक रह सकता है। बीते कुछ दिनों से ठंडी और शुष्क उत्तर पश्चिमी हवाएं पहाड़ों से होकर उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में बह रही थीं। इसकी वजह से राजधानी में ज्यादा सर्दी पड़ रही थी। अब एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस पहाड़ों पर पहुंच चुका है। अगले दो दिनों में मौसम की गतिविधियों का दायरा बढ़ेगा। 4 से 6 जनवरी के बीच एक और वेस्टर्न डिस्टरबेंस की संभावना है। इन दोनों सिस्टम की वजह से न्यूनतम तापमान बढ़ने के आसार हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट ने किसानों को लेकर लिए अहम फैसले

डीएपी खाद पर सब्सिडी व फसल बीमा योजना को लेकर किसानों मिली सौगात

एजेंसी/नई दिल्ली

नए साल के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट ने किसानों को लेकर अहम फैसले लिए हैं। कैबिनेट ने डीएपी खाद पर सब्सिडी और फसल बीमा योजना को लेकर किसानों को सौगात दी है। इन मामलों पर अब पीएम मोदी की ओर से प्रतिक्रिया आई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को 'फसल बीमा योजना' के लिए आवंटन बढ़ाने सहित केंद्रीय मंत्रिमंडल के कुछ अन्य फैसलों का उल्लेख करते हुए कहा कि नये साल में सरकार का पहला फैसला किसानों को समर्पित है। पीएम मोदी ने कहा कि उनके नेतृत्व वाली केंद्र सरकार किसानों के कल्याण को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस फैसले का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, नए वर्ष का पहला निर्णय हमारे देश के करोड़ों किसान भाई-बहनों को समर्पित है। हमने फसल बीमा के लिए आवंटन बढ़ाने को मंजूरी दी है। इससे जहां अन्नदाताओं की फसलों को और ज्यादा सुरक्षा मिलेगी, वहीं नुकसान की चिंता भी कम होगी।

एफडी कराने वालों की बल्ले-बल्ले

किसान आंदोलन पर बोले कृषि मंत्री शिवराज चौहानकेंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को कहा कि सरकार पंजाब-हरियाणा सीमा पर जारी किसानों के विरोध को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का पालन करेगी और इसके अनुसार ही उचित कदम उठाएगी। मंत्री से जब पूछा गया कि क्या सरकार किसानों से बातचीत करेगी, ताकि गतिरोध खत्म हो सके, तो उन्होंने कहा, सुप्रीम कोर्ट जैसा निर्णय दे रहा है, उसी के हिसाब कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि किसानों ने केंद्र से बातचीत की मांग की है, लेकिन अभी सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर विचार कर रहा है।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार किसानों के कल्याण को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हमें अपने सभी किसान बहनों और भाइयों पर गर्व है जो हमारे राष्ट्र का पेट भरने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। 2025 का पहला, मंत्रिमंडल का फैसला हमारे किसानों की समृद्धि बढ़ाने के लिए समर्पित है। मुझे खुशी है कि इस संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। कृषि मंत्री ने यह भी कहा कि वह हर मंगलवार को विभिन्न किसान संगठनों से मुलाकात कर रहे हैं और उनकी समस्याओं पर चर्चा करते हैं। केंद्रीय मंत्री का यह बयान उस समय आया है, जब सुप्रीम कोर्ट ने उस मामले की सुनवाई कल तय की है, जिसमें कोर्ट के आदेशों का पालन न करने के लिए पंजाब सरकार के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की मांग की गई है। यह मामला किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल को अस्पताल में भर्ती न किए जाने को लेकर है, जो एक महीने से ज्यादा समय से अनिश्चितकालीन उपवास पर हैं। डल्लेवाल पंजाब-हरियाणा की खनौरी सीमा पर 26 नवंबर से उपवास पर हैं, ताकि केंद्र किसानों की कृषि उत्पादों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी की मांग को पूरी करे। संयुक्त किसान मोर्चा और किसान मजदूर मोर्चा के बैनर तले किसानों ने 13 फरवरी को दिल्ली की ओर कूच किया। लेकिन सुरक्षा बलों ने उन्हें रोक लिया। तब से वे पंजाब-हरिया की शंभू और खनौरी सीमा पर डेरा डाले हुए हैं। केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा किसानों को सस्ती दर पर डीएपी उर्वरक की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए एकमुश्त विशेष पैकेज को 3,850 करोड़ रुपये तक बढ़ाने के फैसले का जिक्र करते हुए कहा कि इससे किसानों को सस्ती कीमतों पर डीएपी की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। मंत्रिमंडल के इस फैसले से किसानों को डाय-अमोनियम फॉस्फेट की 50 किलो वजन की एक बोरी 1,350 रुपये में मिल सकेगी।

इसरो से शुरूआती 6 महीनों में 6 लॉन्च

नई दिल्ली। नए साल से ठीक पहले इसरो ने इतिहास रचते हुए स्पैडेक्स मिशन को सफलतापूर्वक लॉन्च कर दिया। यही नहीं भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के लिए साल 2025 भी काफी व्यस्त रहने वाला है। स्पेस मिनिस्टर जितेंद्र सिंह ने बताया कि नए साल के पहले छह महीनों में छह बड़े मिशन लॉन्च होंगे। इनमें एक महिला रोबोट को अंतरिक्ष में भेजना और भारत-अमेरिका का संयुक्त उपग्रह सैटेलाइट भी शामिल है। केंद्रीय मंत्री ने ये जानकारी एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। इस दौरान उन्होंने 2024 की उपलब्धियों और आगामी योजनाओं के बारे में भी बताया। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि जनवरी में सबसे पहले एडवांस्ड नेविगेशन सैटेलाइट ठश्र-02 लॉन्च होगा। यह जीएसएलवी लॉन्च इसरो का 100वां मिशन होगा। इसके बाद, गगनयान मानव मिशन की तैयारी के तहत इसरो की ओर से तैयार महिला ह्यूमनॉइड व्योमित्र को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। यह मिशन फाइनल मानव मिशन जैसा ही होगा, बस इसमें इंसान नहीं होंगे।केंद्रीय मंत्री ने कहा कि व्योमित्र मिशन के सफल होने पर अंतरिक्ष यात्रियों को स्पेस में भेजा जाएगा। मार्च के आसपास सैटेलाइट लॉन्च किया जाएगा।

कांग्रेस का जय-बापू एवं जय-भीम का अभियान तीन जनवरी से शुरू

- देशभर में निकाली जाएंगी रैलियां
- 26 जनवरी को अंबेडकर की जन्मस्थली में समापन होगा
- महात्मा गांधी की विरासत और संविधान को बचाने के लिए हर ब्लॉक, जिले और राज्य में रैलियां की जाएंगी

एजेंसी/नई दिल्ली

कांग्रेस 3 जनवरी से देश भर में जय बापू, जय भीम, जय संविधान अभियान शुरू करेगी। अभियान का समापन 26 जनवरी को डॉ. भीमराव अंबेडकर की जन्मस्थली मध्य प्रदेश के महू में होगा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि महात्मा गांधी की विरासत और संविधान को बचाने के लिए हर ब्लॉक, जिले और राज्य में रैलियां की जाएंगी। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ी तो अभियान 26 जनवरी के बाद भी जारी रहेगा। अप्रैल 2025 में गुजरात में ऑल इंडिया कांग्रेस अधिवेशन के सेशन आयोजित किया जाएगा।

अभियान 27 दिसंबर को शुरू होना था: कर्नाटक के बेलगावी में 26 दिसंबर को हुए कांग्रेस के अधिवेशन में अभियान को 27 दिसंबर से शुरू करने का फैसला लिया गया था। लेकिन 26 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का निधन हो गया, जिसके बाद 7 दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा कर दी गई थी। इसलिए अभियान को आगे बढ़ा दिया गया था। ताकि इसमें अधिक लोग भाग लें।

बेलगावी अधिवेशन में अभियान की रूपरेखा तैयार हुई: कांग्रेस के 39वें अधिवेशन के 100 साल पूरे होने पर दो दिवसीय अधिवेशन (26 और 27 दिसंबर) होना था। हालांकि, पूर्व पीएम सिंह के निधन के बाद अधिवेशन रद्द कर दिया था। पहले दिन 26 जनवरी से एक साल तक चलने वाली संविधान बचाओ राष्ट्रीय पद यात्रा शुरू करने का फैसला लिया गया था। कार्यक्रम की रूपरेखा बनाई गई थी। बैठक के पहले दिन मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ने स्पीच दी थी। सोनिया गांधी अधिवेशन में शामिल नहीं हुईं, लेकिन उन्होंने पत्र के जरिए कार्यकताओं को संबोधित किया था। अधिवेशन में 300 से ज्यादा नेता मंथन के लिए पहुंचे। बैठक के बाद पार्टी नेता जयराम रमेश ने बताया कि हमारा मानना है कि भारत जोड़ो यात्रा ने कांग्रेस को संजीवनी दी थी। इससे कांग्रेस की राजनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ आया था। हमने भारत जोड़ो न्याय यात्रा भी निकाली। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार के बाद राहुल गांधी के वियतनाम दौरे पर भाजपा ने 31 दिसंबर को तंज कसा। पार्टी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने मंगलवार को कहा- देश शोक में है और राहुल पार्टी करने विदेश गए हैं। कांग्रेस तीन जनवरी को अपने 'जय बापू, जय भीम, जय संविधान' अभियान को शुरू करेगी। ब्लॉक, जिला और राज्य स्तर नेता इस अभियान में भाग लेंगे। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के कारण अभियान को स्थगित कर दिया गया था। लेकिन, अब इस अभियान को युद्ध स्तर पर शुरू कर दिया गया है। इसे सफल बनाया जाएगा।

चीन में प्रस्तावित बांध असम में ब्रह्मपुत्र के पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचाएगा : सीएम

एजेंसी/गुवाहाटी

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि तिब्बत में ब्रह्मपुत्र पर चीन द्वारा प्रस्तावित विश्व के सबसे बड़े बांध के निर्माण से असम में नदी के पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचेगा। शर्मा ने यहां पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि केंद्र ने नदी के निचले इलाकों में बांध से उत्पन्न खतरों के बारे में चीन को सूचित कर दिया है। उन्होंने कहा कि बांध हमारे लिए बड़ी समस्या बन जाएगा क्योंकि नदी का तल सूख जाएगा और पूरी नदी प्रणाली कमजोर हो जाएगी। हम पहले ही

केंद्र के समक्ष यह मामला उठा चुके हैं। सीएम शर्मा ने बताया कि अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने भी इस मामले पर केंद्र को पत्र लिखा है। चीन ने भारतीय सीमा के निकट तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर विश्व के सबसे बड़े बांध के निर्माण को पिछले हफ्ते मंजूरी दे दी, जिससे भारत और बांग्लादेश में चिंताएं बढ़ गईं। यह जलविद्युत परियोजना यारलुंग जांग्बो नदी के निचले क्षेत्र में बनाई जाएगी। आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि यह बांध हिमालय की एक विशाल घाटी में बनाया जाएगा जहां ब्रह्मपुत्र नदी एक विशाल यू-टर्न' लेकर अरुणाचल प्रदेश और फिर बांग्लादेश में बहती है। उन्होंने कहा कि बांध हमारे लिए बड़ी समस्या पैदा करेगा क्योंकि नदी का तल सूख जाएगा और पूरी नदी प्रणाली कमजोर हो जाएगी। हमने पहले ही केंद्र के समक्ष इस मामले को उठाया है।

एयर इंडिया ने अपनी फ्लाइट में शुरू की वाई-फाई सर्विस

नई दिल्ली। एयर इंडिया ने नए साल पर से अपने कुछ एयरक्राफ्ट में वाई-फाई सिस्टम शुरू कर दिया है। फिलहाल यह सर्विस अभी चुनिंदा डोमेस्टिक और इंटरनेशनल फ्लाइट में फ्री में दी जा रही है। एयर इंडिया के चीफ कस्टमर एक्सपीरियंस ऑफिसर राजेश डोगरा ने बताया कि सर्विस का फायदा प्लेन के जमीन से 10 हजार फीट की ऊंचाई पर पहुंचने के बाद से ही मिलना शुरू होगा। फ्लाइट जब टेक ऑफ और लैंड कर रही होगी, तब वाई-फाई कनेक्ट नहीं होगा। इसी के साथ ही तमाम भारतीय एयरलाइंस में एयर इंडिया पहली एयरलाइंस बन गई है।

समस्या के वक्त याद और वोट देते समय मनसे को भूल जाते हैं लोग

एजेंसी/मुंबई

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे ने कहा कि जब लोग किसी समस्या का समाधान चाहते हैं तो वे उनकी पार्टी के बारे में सोचते हैं, लेकिन चुनाव के दिन इसे अनदेखा कर देते हैं। नए साल पर राज ठाकरे ने पार्टी कार्यकताओं से चुनाव परिणामों को भूलकर आगे बढ़ने की अपील की, उन्होंने कहा कि वे जल्द ही उनसे बात करेंगे और भविष्य की कार्रवाई के बारे में व्यापक दिशा-निर्देश देंगे।राज ठाकरे ने कहा कि कुछ चीजें नहीं बदली हैं, लोग हर समस्या के समाधान के लिए महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना को याद करते हैं, लेकिन मतदान के समय इसे अनदेखा कर देते हैं। राज ठाकरे ने यह भी दावा किया कि चुनाव परिणामों के कुछ ही हफ्तों बाद राज्य में मराठी भाषियों के खिलाफ 'उत्पीड़न' शुरू हो गया। उन्होंने कहा कि लोगों को उम्मीद थी कि मनसे इन मामलों में कार्रवाई करेगी और उसने ऐसा किया। मनसे प्रमुख ने कहा कि यह स्पष्ट हो गया है कि 'मराठी मानुष' का इस्तेमाल केवल वोट के लिए किया जा रहा है।मनसे ने 20 नवंबर को हुए महाराष्ट्र चुनाव में 288 विधानसभा सीटों में से 125 पर चुनाव लड़ा था, लेकिन एक भी सीट नहीं जीत पाई।

माओवादियों के प्रभाव को खत्म करके गढ़चिरौली को पहला जिला बनाने की प्रक्रिया शुरू

बोले फडणवीस... महाराष्ट्र में खत्म होने के करीब है नक्सलवाद

एजेंसी/मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों की संख्या में वृद्धि और नये लोगों के नक्सली संगठनों में शामिल नहीं होने के चलते राज्य जल्द ही नक्सलवाद से मुक्त हो जाएगा। गढ़चिरौली जिले के दूरदराज इलाकों में नक्सलियों का प्रभाव कम हो रहा है। मुख्यमंत्री ने एक सवाल के जवाब में कहा कि नक्सलवाद अब समाप्ति के करीब है। उन्होंने कहा कि सरकार ने माओवादियों के प्रभाव को खत्म करके गढ़चिरौली को पहला जिला बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। गढ़चिरौली को अक्सर महाराष्ट्र का अंतिम जिला कहा जाता है क्योंकि

यह राज्य की पूर्वी सीमा पर स्थित है। फडणवीस ने विदर्भ क्षेत्र में स्थित जिले में 32 किलोमीटर लंबे गट्टा-गरदेवाडा-वांगेतुरी मार्ग और वांगेतुरी-गरदेवाडा-गट्टा-अहेरी मार्ग पर महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम की बस सेवाओं का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि गढ़चिरौली सरकार के लिए अंतिम नहीं, बल्कि पहला जिला है। जिस सड़क संपर्क का उद्घाटन किया गया है, उन्होंने कहा कि इसके अलावा, क्षेत्र नक्सलियों के प्रभाव से मुक्त हो रहा है और लोगों को आजादी के 75 साल बाद एमएसआरटीसी बस सेवाएं मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री के नेतृत्व और गढ़चिरौली पुलिस और स्थानीय प्रशासन के संयुक्त प्रयासों की बदौलत पिछले चार वर्षों में नक्सली गढ़चिरौली में एक भी व्यक्ति को अपने साथ नहीं जोड़ पाए हैं।

सीएम ने गट्टा-गरदेवाडा-तोडगट्टा-वांगेतुरी सड़क का किया हवाई सर्वेक्षण

फडणवीस ने नक्सलवाद के खिलाफ गढ़चिरौली पुलिस के काम की सराहना की और कहा कि लोग अब नक्सलियों का समर्थन नहीं करते और ना ही कोई व्यक्ति प्रतिबंधित नक्सली संगठन में शामिल होना चाहता है। उन्होंने कहा कि यह बहुत महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने गट्टा-गरदेवाडा-तोडगट्टा-वांगेतुरी सड़क और ताडगुडा पुल का हवाई निरीक्षण किया। कोंसारी में लॉयड्स मेटल्स एंड एनर्जी लिमिटेड के विभिन्न विभागों का उद्घाटन करने के बाद फडणवीस ने एक सभा में कहा कि राज्य सरकार पिछले दस वर्षों से गढ़चिरौली को परिवर्तित करने की कोशिश कर रही है, ताकि आम आदमी को मुख्यधारा में लाया जा सके और इस जिले से नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ फेंका जा सके।

सरकार ने पूर्व पीएम मनमोहन सिंह स्मारक के लिए जमीन तलाशने की प्रक्रिया शुरू की

एजेंसी/नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत डॉ मनमोहन सिंह के स्मारक के लिए जगह तलाशने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अंतिम चयन के लिए पूर्व पीएम के परिवार से भी बातचीत जारी है। सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने राष्ट्रीय स्मृति स्थल में संजय गांधी स्मारक के आसपास के स्थलों का दौरा किया और कुछ स्थानों की पहचान की जहां एक स्मारक बनाया जा सकता है। सूत्रों ने बताया कि दिवंगत मनमोहन सिंह के परिवार के साथ सरकार ने तीन चार जगहों को लेकर विचार विमर्श भी किया है। किसी भी जगह पर अंतिम फैसला सिंह के परिवार से परामर्श के बाद लिया जाएगा। स्मारक के लिए चयनित भूमि आवंटित करने से पहले केंद्र एक ट्रस्ट का गठन करेगा। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि कांग्रेस को इस पर राजनीति नहीं करनी चाहिए थी, सरकार ने कहा था कि ट्रस्ट बनाया जाएगा। सरकार ने कब इस पर असहमति जताई। कांग्रेस हर चीज में विवाद पैदा करना चाहती है, विवाद पैदा करने के लिए उनकी तरफ से चुना गया यह सही मौका नहीं है। पूर्व पीएम के स्मारक स्थल को लेकर कुछ जगहों के नाम सामने आए हैं। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पूर्व पीएम का स्मारक राष्ट्रीय स्मृति स्थल और पूर्व पीएम चौधरी चरण सिंह के स्मारक किसान घाट के पास बन सकता है। दोनों ही जगह यमुना नदी के किनारे बनी हैं। इसके अलावा चर्चा यह भी है कि पूर्व पीएम का स्मारक संजय गांधी के समाधि स्थल और पूर्व पीएम नरसिम्हाराव की समाधि एकता स्थल के पास भी बनाया जा सकता है।

तेजस्वी की चिट्ठी में बिहार के 'खेला' का मिला साफ संकेत !

केटी न्यूज/पटना

बिहार में राजनीतिक चचाओं का बाजार गर्म है। लगातार कयासबाजी का दौर चल रहा है। जानकारों के मुताबिक नीतीश कुमार बीजेपी से दूरी बनाए हुए हैं। नीतीश कुमार अमित शाह के उस बयान से काफी नाराज हैं, जिसमें उनके मुख्यमंत्री वाले सवाल पर अमित शाह ने गोल मोल जवाब दे दिया। इधर, ललन सिंह और संजय झा केंद्र सरकार में मंत्री बनने के बाद लगातार बीजेपी के नजदीक होते जा रहे हैं। नीतीश कुमार को आरसीपी सिंह वाली घटना याद है। कहा जा रहा है कि दिल्ली गए नीतीश ने मनमोहन सिंह के परिजनों से मुलाकात की, लेकिन एनडीए की बैठक से दूरी बना ली। इधर, तेजस्वी यादव ने राज्यपाल से मुलाकात की है। तेजस्वी यादव के चेहरे की मुस्कान बता रही है कि उन्हें कहीं से कुछ इशारा मिला है। बुधवार को तेजस्वी यादव ने नव वर्ष के मौके पर एक पत्र लिखा। उन्होंने लिखा कि मेरा आपसे वादा है कि भविष्य में जब-जब भी बिहार की विकास गाथा का इतिहास पढ़ा जाएगा, साल 2025 का नाम एक ऐसे वर्ष के रूप में अवश्य याद किया जाएगा, जिसने बदलाव एवं नए बिहार के नवनिर्माण की नींव रखी। यह बिहार के सुनहरे सपनों को सच

करने वाला साल है। उन्होंने आगे लिखा कि बिहार का हर वर्ग, हर धर्म, हर जाति, हर युवा, महिला, बुजुर्ग, मजदूर, किसान, व्यापारी, कर्मचारी नववर्ष के साथ शपथ ले चुके हैं कि बीस साल से चली आ रही राजनीतिक अस्थिरता, आर्थिक बदहाली, अनियंत्रित भ्रष्टाचार, प्रशासनिक अराजकता, राजकीय सुस्ती और व्यवस्था में लगे जंग को अब मिटाना है और बिहार को तरक्की के एक नए रास्ते पर ले जाना है। जानकार मानते हैं कि जिस आत्मविश्वास से बिहार की राजनीतिक अस्थिरता को ठीक करने की बात कह रहे हैं, इसके पीछे बहुत कुछ छुपा हुआ है।

सरकार पर हमले से बचे: उन्होंने लिखा कि थकी-हारी रूढ़िवादी नीतीश सरकार के पास अपना कोई नया विजन, विकास का ब्लूप्रिंट अथवा रोड मैप नहीं है। यह सरकार सब हमारे इनोवेटिव आइडियाज फॉर डेवलपमेंट, कल्याणकारी योजनाओं और कैपेन को चुरा उसकी कॉपी करती है। यह दशार्ता है कि रचनात्मक एवं वैचारिक रूप से यह सरकार कितनी दिवालिया हो चुकी है। बिहार में परिवर्तन की जो लहर उठी है, वो अब थमने का नाम नहीं ले रही है।

बिहार को दिलाएंगे सफलता: उन्होंने खुद को प्रदेश के लोगों का बेटा, भाई, दोस्त बताते हुए विश्वास दिलाया कि बिहार को उस मुकाम पर ले जाकर खड़ा किया जाएगा, जहां से तरक्की का सूरज और उन्नति का आसमान करीब नजर आएगा। उन्होंने सरकार बनने पर 200 यूनिट फ्री बिजली देने, बेरोजगारी दूर करने, कृषि आधारित उद्योग, फूड प्रोसेसिंग यूनिट, इंडस्ट्रियल क्लस्टर एवं नए उद्योग-धंधे स्थापित कर पलायन रोकने का वादा किया।

200 यूनिट बिजली फ्री: उन्होंने आगे लिखा कि माई-बहिन मान योजना के रूप में हर महीने 2,500 रुपए माताओं-बहनों को उनके बैंक खाते में तेजस्वी सीधा पहुंचाएगा। दिव्यांगों, विधवा माताओं-बहनों और बुजुर्गों को पेंशन के रूप में मिलने वाले 400 की जगह 1,500 रुपए दिए जाएंगे। थाना-ब्लॉक तथा सरकारी कार्यालयों में व्याप्त भ्रष्टाचार को जड़ से मिटाया जाएगा। आरक्षण के जरिए हर इंसान को बराबरी का हक, सम्मान और स्वाभिमान के साथ दिया जाएगा तथा आर्थिक न्याय के जरिए समाज के हर वर्ग के जरूरतमंद की मदद की जाएगी।

इच्छा शक्ति पर की बात: तेजस्वी यादव ने आगे लिखा कि चलो उम्मीदों, इच्छा शक्ति, साहस, सद्भाव, संकल्प, शौर्य, सहृदय, संस्कार, सन्मति, स्वस्थ संवाद और तर्कसंगत सुझावों के साथ इस ऐतिहासिक साल में मिलकर कदम बढ़ाएं। राग-द्वेष को भूलकर बदलाव की नींव रखें, भाईचारे की ईंट रखें और खड़ी करें विकास की इमारत, लिखे मिलकर तरक्की की इबारत।

इस साल नीतीश चाचा की विदाई तय है: नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को नए साल की शुभकामना देते हुए उनपर तंज भी हमला भी किया है। तेजस्वी यादव ने कहा कि इस साल नीतीश चाचा की विदाई तय है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार प्रगति यात्रा नहीं बल्कि विदाई यात्रा कर रहे हैं। पता नहीं नीतीश कुमार कहां घूम रहे हैं, किससे बात कर रहे हैं।

तेज रफ्तार कार ने 5 लोगों को रौंदा, 5 साल के बच्चे की मौत

मधुबनी। मधुबनी में अपने दादा के साथ चाय की दुकान पर जा रहे बच्चे सहित पांच लोगों को तेज रफ्तार कार ने रौंद दिया। इस दौरान एक पांच वर्षीय बच्चे की मौत, जबकि बच्चे के दादा सहित चार अन्य लोग घायल हो गए। घटना मधुबनी नगर थाना क्षेत्र के बलुआ मोहल्ले की है। मधुबनी नगर थाना क्षेत्र के बलुआ टोला में सुबह नौ बजे के आसपास एक बेलेनो कार अनियंत्रित होकर सूरी स्कूल से किशोरीलाल चौक जाने वाली मोर पर बलुआ टोल के पास नाले में जा पलटी। इस दौरान एक पांच वर्षीय बच्चे समेत चार अन्य लोग उसकी चपेट में आ गए। वहीं, कार से कुचल जाने के कारण घटना स्थल पर ही बलुआ टोले के मोहम्मद दिलशाद के पुत्र पांच वर्षीय कोनेन की मौत हो गई और चार लोग बुरी तरह से घायल हो गए।

बैकफूट पर आए किशनगंज डीईओ, निजी स्कूलों ने नहीं होगी उर्दू की पढ़ाई

केटी न्यूज/मुजफ्फरपुर

किशनगंज के जिला शिक्षा पदाधिकारी नासिर हुसैन ने सीबीएसई से मान्यता प्राप्त सभी विद्यालयों में ऊर्दू की पढ़ाई को लेकर एक आदेश जारी किया था। आदेश के जारी होते ही जिले भर में सभी निजी विद्यालय के संचालक और नेताओं में आक्रोश व्याप्त था। इसके बाद जिला शिक्षा पदाधिकारी ने दिए गए अपने आदेश को वापस ले लिया है। गौरतलब हो कि जिला शिक्षा पदाधिकारी नासिर हुसैन ने बीते 30 दिसंबर को जिले के सभी निजी विद्यालय जो की सीबीएसई से मान्यता प्राप्त है (पत्रांक 1649) में उर्दू की पढाई को लेकर निर्देश दिया था। जिसके बाद राजनैतिक दल के नेताओ और विद्यालय प्रबंधन के द्वारा इस आदेश को लेकर तीखी आलोचना की गई थी। साथ ही भाजपा के नेताओं ने इसपर जमकर तंज कसा था। मालूम हो कि जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में किशनगंज के कांग्रेस विधायक इजहारुल हुसैन और कांग्रेस के सांसद डॉ जावेद आजाद द्वारा यह मुद्दा उठाया गया था कि जिले में संचालित निजी विद्यालयों में उर्दू की पढ़ाई नहीं हो रही है जबकि यह जिला अल्पसंख्यक बहुल है। जिसे लेकर जिला शिक्षा पदाधिकारी ने लेटर निर्गत किया था। वही बुधवार संध्या को जिला शिक्षा पदाधिकारी नासिर हुसैन ने निर्गत आदेश को वापस ले लिया है। पत्र जारी करते हुए उन्होंने कहा कि प्रासंगिक पत्र को रद्द करते हुए अनुरोध है कि अनापत्ति प्रमाण पत्र की शर्तों एवं सीबीएसई बोर्ड द्वारा निर्धारित मापदंडों के अनुरूप ही विद्यालय का संचालन करना सुनिश्चित किया जाए। वहीं दूसरी ओर जिला शिक्षा पदाधिकारी के इस निर्णय से स्कूल संचालकों ने राहत की सांस ली।

शराबियों पर नकेल कसने सड़क पर उतरी विभागीय टीम

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर जिले में मध निषेध और उत्पाद विभाग शराबबंदी कानून को लेकर सख्त है। नए साल में भी शराबियों और धंधेबाज पर नकेल कसने के लिए उत्पाद की टीम विशेष अभियान चलाकर सड़क पर डटी रही और वहीं पर बुधवार शाम शहर में प्रवेश करने वाले नौ एंट्री पोस्ट पर वाहनों की जांच की गई इस दौरान छोटे बड़े सभी वाहनों को रोककर उनके डिक्की के साथ ही अन्य सामानों की जांच की गई। बाइक सवार के कमर, बैग और डिक्की की जांच किया गया है। इसके अलावा चार पहिया वाहनों की भी जांच की गई।

नये साल के पहले दिन छह आईएएस अधिकारियों को मिला प्रमोशन का लाभ

केटी न्यूज/पटना

नये साल के पहले दिन छह आईएएस अधिकारियों का प्रोन्नत किया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने इसकी अधिसूचना जारी की है। उन आईएएस अधिकारियों में जितेंद्र श्रीवास्तव, अमित कुमार, राजेश मीणा, साकेत कुमार, रमण कुमार और आईएएस अधिकारी रामचंद्रडु शामिल हैं। 2000 बैच के आईएएस अधिकारी जितेंद्र श्रीवास्तव को प्रधान सचिव बनाया गया है। वह अभी पेयजल और स्वच्छता विभाग भारत सरकार में संयुक्त सचिव के पद पर पदस्थापित थे। 2012 बैच के आईएएस अधिकारी अमित कुमार को विशेष सचिव के पद पर प्रोन्नत किया गया है। वर्तमान में वह भारत सरकार के पत्तन, पोत परिवहन और जल मार्ग मंत्रालय भारत सरकार के केंद्रीय मंत्री सवार्नंद सोनोवाल चीनी की सचिव के पद पर पदस्थापित थे। 2012 बैच के आईएएस अधिकारी राजेश मीणा को विशेष सचिव में प्रोन्नत किया गया है।

वर्तमान में वह लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी मसूरी में उपनिदेशक (उपसचिव स्तर) के पद पर पदस्थापित थे। 2009 बैच के आईएएस अधिकारी साकेत कुमार को सचिव बनाया गया है। वर्तमान में वह गृह मंत्रालय में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के निजी सचिव थे। 2009 बैच के आईपीएस अधिकारी रमण कुमार को प्रोन्नत किया गया है। वर्तमान में वह वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार के केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के निजी सचिव थे। 2009 बैच के आईएएस अधिकारी रामचंद्रडु को प्रोन्नत किया गया है। वर्तमान में वह भारत सरकार के जनगणना कार्य सा नागरिक निबंध में निदेशक के पद पर पदस्थापित थे। यह सभी आदेश सामान्य प्रशासन की ओर से जारी किया गया है।

रोहतास में बर्थडे पार्टी से लौट रहे तीन युवकों का भीषण सड़क हादसे में मौत

केटी न्यूज/बाढ़

रोहतास में भीषण सड़क हादसा हुआ है। इसमें तीन युवकों की मौत हो गई है। तीनों बर्थडे पार्टी से लौट रहे थे, इसी दौरान पुल के रेलिंग से उनकी बाइक टकरा गई। हादसा इतना भीषण था कि तीनों की मौत मौके पर ही हो गई। घटना सूर्यपुर थानाक्षेत्र के लडुई लख पर नहर में हुई है। बुधवार सुबह बिहार पुलिस की तैयारी कर रहे युवक जब दौड़ने निकले तो तीनों की लाश देख दंग रह गए। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। मृतकों की पहचान दिनारा थानाक्षेत्र के गुनसेज गांव निवासी मुद्रिका सिंह के 25 वर्षीय पुत्र प्रियांशु कुमार, संजय सिंह के 22 वर्षीय पुत्र अंकित कुमार एवं रामेश्वर सिंह के 23 वर्षीय पुत्र शशिरंजन उर्फ मनु कुमार शामिल हैं। पुलिस ने तीनों शवों पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। तीनों एक परिवार के बताये जा रहे हैं। लोगों का कहना है कि तीनों छोटकी

नटवार से बहन के घर जन्मदिन की पार्टी में शामिल होकर अपने घर लौट रहे थे। मृतक शशि रंजन उर्फ मनु की बहन का शादी छोटकी नटवार गांव में हुआ है जहां पर बीते रात जन्मदिन का एक पार्टी रखा गया था उसी पार्टी में तीनों युवक बाइक से पहुंचे थे जहां जन्मदिन में शामिल होकर घर लौट रहे थे तभी यह हादसा हुआ। इधर, घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। उनका कहना है कि नये साल की खुशियां मातम में बदल गई। रात में कोहरा होने के कारण पुल की रेलिंग बाइक चालक को नहीं दिखी जिस कारण यह हादसा हुआ।

बिहार के सरकारी कर्मचारियों को 2025 में मिलेंगी 56 छुट्टियां

पटना। बिहार में सरकारी कर्मचारियों को साल 2025 में कुल 56 छुट्टियां मिलेंगी। इसमें एनआईए एक्ट 1881 के मुताबिक 17 छुट्टियां भी शामिल हैं। जिसके तहत राज्य सरकार के सभी कार्यालय समेत बैंक और सेंट्रल ऑफिस में छुट्टी होगी। इसमें तीन छुट्टियां रविवार के दिन है। 2025 के लिए बिहार सरकार की ओर जारी छुट्टियों के कैलेंडर के मुताबिक इस साल 72 दिन स्कूल बंद रहेंगे। महापुरुषों की जयंती पर स्कूलों में छुट्टी रहेगी। गर्मी की छुट्टी के साथ ठंड की भी छुट्टी दी गई है। 25 दिसंबर से 31 दिसंबर तक ठंड की छुट्टी यानी स्कूल बंद रहेंगे। वहीं, गर्मी की छुट्टी 2 से 21 जून तक होगी। रक्षाबंधन पर भी स्कूल बंद रहेंगे।

सभी शिक्षा पदाधिकारी को 1 से 7 जनवरी तक योगदान करवाने का निर्देश

सक्षमता परीक्षा पास शिक्षकों का स्कूलों में योगदान से शुरू, मास्टर साहब की इस गलती से लगा प्रतिबंध

केटी न्यूज/पटना

बिहार सरकार के शिक्षा विभाग के जरिए बिहार विद्यालय विशिष्ट शिक्षक नियमावली 2023 के तहत जो नियोजित शिक्षक प्रथम चरण के सक्षमता परीक्षा पास कर गए हैं. उन्हें विशिष्ट शिक्षक के पद पर योगदान देने के लिए आज 1 जनवरी से 7 जनवरी तक की अवधि दी गई है। इस दौरान प्रथम चरण के सक्षमता परीक्षा पास शिक्षक अपने विद्यालय में विशिष्ट शिक्षक के पद पर कार्यरत हो जाएंगे। और इसके बाद से उन शिक्षकों को विशिष्ट शिक्षक का वेतनमान मिलेगा। लेकिन कुछ वैसे भी शिक्षक हैं, जिन्हें योगदान देने से वंचित रखा गया है। बिहार सरकार के शिक्षा विभाग में प्राथमिक शिक्षा

निदेशालय से प्राथमिक शिक्षा के निदेशक पंकज कुमार पाल ने पत्र जारी करके सभी शिक्षा पदाधिकारी को 1 जनवरी से 7 जनवरी तक के विशिष्ट शिक्षको को योगदान करवाने का निर्देश दिया है, जिसमें यह भी बताया गया है कि कौन शिक्षक किस स्थिति में योगदान नहीं दे सकते हैं। उसमें सबसे महत्वपूर्ण यह है कि जो पहले से नियोजित शिक्षक वर्ग 1 से 5 क्लास यानी प्राथमिक के पद पर है और वह साक्षमता परीक्षा पास करके वर्ग 6 से 8 में उत्तीर्ण हुए हैं, वह विशिष्ट शिक्षक के रूप में पहले की तरह कक्षा 1से 5 के पद पर योगदान कर सकते हैं या नहीं। अब उस पर शिक्षा विभाग में निराकरण करते हुए बताया है कि इसमें यह देखना जरूरी है कि किस परिस्थिति में जिला कार्यक्रम पदाधिकारी ने उनका आवेदन स्वीकार किया था, अगर स्वीकृत की गई तो काउंसलिंग में डाउटफुल करना चाहिए था, ऐसे शिक्षकों को योगदान तत्काल स्थगित रखा जाएगा और इसके लिए अलग से निर्णय लिया जाएगा। एक दूसरी बड़ी समस्या यह उत्पन्न हो रही है कि जो पहले से नियोजित शिक्षक पर प्राइमरी स्कूल में क्लास 1 से 5 में उर्दू विषय के लिए शिक्षक है और साक्षमता परीक्षा में समान्य विषय में उत्तीर्ण हुए है वह विशिष्ट शिक्षक के रूप में उर्दू विषय के पद पर या समान्य विषय के पद पर रहेंगे। इस पर भी शिक्षा विभाग ने निराकरण में लिखा है कि आवेदन लेते समय जिला कार्यक्रम पदाधिकारी किस परिस्थिति में स्वीकृत किया है।

डीएम हुजूर... मुझे न्याय दीजिए, आपके ही आदेश को सदर एडीएम ने दो दिन में पलटा

- पीड़ित ने लोक शिकायत में दायर किया परिवाद दायर, सीओ की गड़बड़ी आयी सामने
- 21 मार्च 2023 को जमाबंदी सुधार के लिए डीएम ने अपर समार्हता के पास भेजा
- 25 सितंबर 2024 एडीएम ने पुनः जमाबंदी पीड़ित के पक्ष में करने का दिया आदेश

केटी न्यूज/बक्सर

30 दिसंबर को सदर एसडीओ ने की डीएम व एडीएम के आदेश की नाफरमानी, सुनाया अपना फरमान

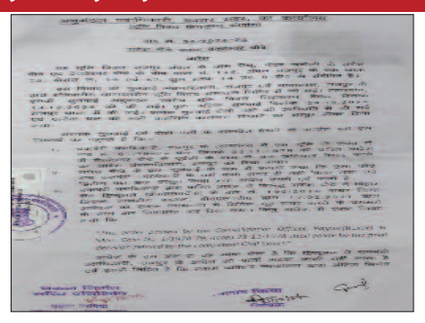

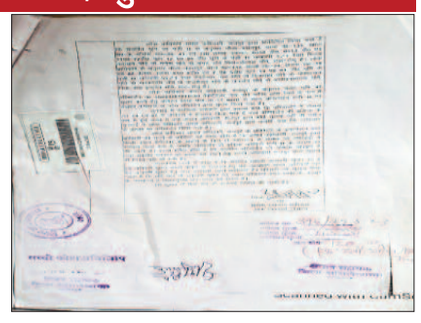

डीएम साहेब हुजूर मुझे न्याय दीजिए। आपके आदेश पर लगा कि मुझे मेरी पुस्तैनी जमीन मिल जाएगी। जमाबंदी मेरे नाम पर भी हो गई। पर डीएम साहब, एडीएम कुमारी अनुपम के आदेश को एसडीओ धीरेंद्र मिश्रा ने एक झटके में बदल दिया। यह कहना है कि राजपुर प्रखंड के सैंथू गांव निवासी गणेश चौबे का।उन्होंने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए बताया कि वह अपनी पुस्तैनी भूमि पर नियमानुसार लगान जमा कर रहे थे। इसी बीच वर्ष 2022 में उन्हें यह जानकारी प्राप्त हुई कि करीब 14 एकड़ भूमि दूसरे के नाम पर जमाबंदी कर दी गई है। इसमें राजपुर अंचलाधिकारी सहित अन्य कर्मियों की मिली भगत है। उन्होंने वरीय अधिकारियों को आवेदन दिया। इसके बाद लोक शिकायत में परिवाददायर किया।

वहीं, प्रथम अपील की सुनवाई के दौरान तत्कालीन डीएम अमन समीर ने मामले की विधिवत जांच करायी। जिसमें सामने आया कि तत्कालीन सीओ ने गड़बड़ी की थी। नियमों की अनदेखी की थी। 21 मार्च 2023 को जमाबंदी सुधार के लिए डीएम ने अपर समार्हता के पास भेज दिया। नियमानुसार वहां पर विपक्षी पार्टी को भी बुलाया गया। सभी दस्तावेजों की जांचोपरांत अपर समार्हता कुमारी अनुपम ने 25 सितंबर 2024 को गणेश चौबे के पक्ष में जमाबंदी करने का आदेश दिया। सीओ ने हल्का कर्मचारी से रिपोर्ट लेने व डीसीएलआर से अनुमोदन प्राप्त करने के बाद 25 नवंबर को राजपुर अंचल में गणेश चौबे के नाम पर जमाबंदी पुनः कायम कर दिया। साथ ही विपक्षी के नाम से जमाबंदी रद्द कर दिया गया। इसी बीच 14 व 28 दिसंबर 2024 को अनुमंडल स्तरीय भूमि विवाद निराकण बैठक में यह मामला आया। सदर एसडीओ ने चकबंदी के एक पुराने मामले को देखते हुए विपक्षी के पक्ष में भूमि के स्वामित्व का विवादस्पद आदेश दे दिया। पीड़ित गणेश चौबे का कहना है कि जिस चकबंदी वाद का हवाला दिया जा रहा है। वहां से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार उस कार्यालय में इस तरह का कोई वाद ही नहीं चला है। सदर एसडीओ धीरेंद्र मिश्रा कोई भी दस्तावेज देखने को तैयार नहीं थे। वह न तो डीएम जांच प्रतिवेदन को देखे और न एडीएम के कोर्ट के आदेश को। उन्होंने अपना अलग की आदेश जारी कर दिया। ऐसे में डीएम साहब बतायी कि मैं न्याय पाने के लिए कहा जाऊं।

अधिकारियों के बोल...

शनिवारीय बैठक में सदर एसडीएम धीरेंद्र मिश्रा ने दोनों को पक्षों को थाने में बुलाया। दोनों मामलों को सुनने के बाद उन्होंने दोनों पक्षों द्वारा पेश किए गए कागजातों का अवलोकन किया। जिसमें उन्होंने वेंकेटेश्वर चौबे को जमीन का मालिकाना हक पाया। जिसके बाद एसडीएम के आदेश के बाद आगे की कार्रवाई शुरू की गई है। वहीं, न्यायालय में चल रहे टाइटल सूट पर सुनवाई होने के बाद जो भी फैसला आएगा, उसके आधार पर ही अंतरिम कार्रवाई की जाएगी। **- संतोष कुमार, थानाध्यक्ष, राजपुर**

मामला मेरे संज्ञान में है, लेकिन उक्त जमीन का विवाद सदर एसडीएम के पास है। एसडीएम कोर्ट में इसकी सुनवाई चल रही है। फिलवक्त इस मामले की पूरी जानकारी मेरे पास नहीं हैं। **- शोभा कुमारी, सीओ, राजपुर**

खबरें फटाफट

चाकूबाजी में दो घायल, इलाज के दौरान बक्सर में हुई मौत

बक्सर। बुधवार की शाम धारदार हथियार से दो युवकों को जख्मी हो गये। जिसके बाद परिजनों के द्वारा उन्हें बक्सर स्थित विश्वामित्र अस्पातल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। जहां दोनों की इलाज के दौराम मौत हो गई। घटना जिले के पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के कोटवा नारायणपुर में विदेशी शराब के ठेके के समीप की है। प्रत्यक्ष दर्शियों ने बताया कि कोटवा नारायाणपुर स्थित शराब के ठेके के पास बुधवार की शाम सोहांव पंचायत के मुखिया भौरिक प्रसाद गुप्ता के लड़के और घुरहु मियां के गुट के बीच झड़प हुई। जिसमें दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो रही थी। इसी बीच लक्ष्मण गुप्ता का बेटा प्रशांत गुप्ता और कनैहया सेठ का बेटा गोलू वर्मा अपने दोस्तों के साथ ठेके के पास ही शराब पार्टी कर रहे थे। इसी बीच एक पक्ष के लोगों वहां पहुंचे और उनसे मोबाइल मांगी। लेकिन, उन्होंने अपना मोबाइल देने से मना कर दिया। जिसके कुछ ही देर बाद उन्होंने देखा कि दोनों मृतक जमीन पर गिरे पड़े है। उन्होंने सोचा की दोनों शराब के नशे में धुत होकर जमीन पर गिरे पड़े हैं, लेकिन जब उन्होंने दोनों युवकों को उठाने का प्रयास किया तो दोनों खून से लथपथ थे। जिसके बाद दोनों को बक्सर मुख्यालय स्थित विश्वामित्र अस्पताल लाया गया। जहां इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई।

उम्मीद: नये साल में जिले में कई परियोजनाओं की मिलेगी सौगात

अमृत भारत योजना के तहत होगा डुमरांव चौसा व रघुनाथपुर स्टेशन का जीर्णोंधार

- सिमरी के केशोपुर में जलशोध संयत्र व चौसा में 1320 मेगावॉट थर्मल पॉवर प्लांट का कार्य भी होगा पूर्ण
- नावानगर के एथेनाल व कोका कोला प्लांट की योजना भी होगी पूरी

केटी न्यूज/बक्सर

नए वर्ष में जिले के विभिन्न क्षेत्रों में विकास की चल रही बड़ी योजनाओं के पूर्ण होने की उम्मीद है। जहा एक तरफ शाहाबाद जिले की बड़ी परियोजना बक्सर विद्युत संयंत्र परियोजना का निर्माण कार्य अब अंतिम दौर में है तो वही, सिमरी के केशोपुर में वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट, तो नावानगर में कोको-कोला का प्लांट शामिल है। तो वही, दूसरी तरफ रेल विभाग द्वारा घोषित की गई अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रघुनाथपुर, डुमराव व चौसा स्टेशन को पुनर्विकास योजना का इस वर्ष पूर्ण होने की उम्मीद है।

डुमरांव, रघुनाथपुर व चौसा स्टेशन का अमृत भारत स्टेशन योजना से हो रहा काया कल्प : लगभग डेढ़ वर्ष पहले वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहले फेज के तहत डुमरांव व रघुनाथपुर स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन योजना से जोड़ने की शुरूआत की गई। छह माह बाद दूसरे फेज में चौसा स्टेशन को अमृत भारत योजना से जोड़ा गया। जिसका विकास कार्य गति-शक्ति के माध्यम से प्रारम्भ है। हालांकि, योजना के तहत अभी हाल के दिनों में कार्यों में तेजी लाई गई है। जिससे यह उम्मीद जताई जा रही है इस नए वर्ष में तीनों स्टेशनों का अलग लुक होगा। बता दे कि इस योजना के माध्यम से जहा स्टेशनों के भवनों को मॉडल स्टेशन बनाया जाना है। स्टेशन की अलग लुक की भवन, अत्याधुनिक यात्री सुविधा, पेयजल आदि कई तकनीकी संसाधन से लैस की जानी है। वही बक्सर स्टेशन को विश्वस्तरीय स्टेशन बनाने की घोषणा है तथा डीडीयू-पटना रेलखंड पर तीसरी रेल लाइन बिछाने की योजना है। हलाकि, बक्सर स्टेशन व तीसरी रेल लाइन बिछाने की योजना पर अभी आयाम नहीं दिया गया है। डुमरांव में इस योजना के तहत तीसरे प्लेटफार्म का निर्माण कार्य शुरू भी हो गया है। इस स्टेशन पर 38 करोड़ 86 लाख की लागत से निर्माण कार्य कराया जा रहा है, जिसके नये साल में पूरा होने की पूरी संभावना है।

सिमरी के केशोपुर में बन रहा वाटर ट्रीटमेंट प्लांट : सिमरी में गंगा के तटीय क्षेत्रों में असैर्निक जल से निजात दिलाने हेतु केशोपुर में बनाये गए वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के इस वर्ष पूरी तरह संचालित होने की उम्मीद है। हालांकि, इस प्लांट से आज भी पानी आपूर्ति शुरू है मगर, अभी तक जिस हिसाब से पेयजल आपूर्ति की जानी है वह अभी भी बाकी है। मगर इस नए वर्ष में इसको पूरी तरह आपूर्ति शुरू होने की उम्मीद है। बता दे कि असैर्निक से छुटकारा दिलाने हेतु वर्ष 2009 में वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण कार्य प्रारम्भ किया गया। जिससे जहा सिमरी प्रखंड व सदर प्रखंड के पांच पंचायतों में शुद्ध जल आपूर्ति की जानी है। मगर, अभी भी पूरी तरह इसका संचालन नही हो पाया है। बताया जाता है की इसी माह में जिले में प्रगति यात्रा के तहत मुख्यमंत्री का जिले में कार्यक्रम आयोजित की जानी है। जिसमें सबसे ज्यादा इसी प्रखंड में मुख्यमंत्री के आगमन की चर्चा है। जहा मुख्यमंत्री इस परियोजना का उद्घाटन भी करेंगे। जिसको लेकर जोर-शोर से छूटे कार्यो को पूरा किया जा रहा है।

नावानगर में बन रहा कोका कोला व एथेनाल प्लांट : वही, नावानगर में भी एथेनाल प्लांट का निर्माण कार्य पूरा हो गया है जबकि कोका कोला प्लांट का निर्माण कार्य भी प्रगति पर है। जल्दी ही दोनों योजनाएं पूरी हो जाएगी। नये साल में जिले में विकास की कई बड़ी परियोजनाओं के पूरी होने से रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे तथा लोगों की सुविधाएं भी मिलेगी। जिससे वर्ष 2025 से लोगों को काफी उम्मीदें है।

एक नजर

मानवबलों का अल्टीमेटम 25 जून तक मांगे पूरी नहीं हुई तो 26 से होगा अनिश्चितकाली हड़ताल

डुमरांव। बिहार प्रोग्रेसिव वर्कर्स यूनियन के बैनर तले बुधवार चौगाईं प्रशाखा के मानवबलों की एक बैठक मुरार पॉवर सब स्टेशन परिसर में संपन्न हुई। इस बैठक में मानवबलों ने दो टूक विद्युत कंपनी व सरकार से कहा कि यदि 25 जून तक उनकी मांगे पूरी नहीं हुई तो 26 जून से पूरे राज्य के मानवबल अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे। इस दौरान मानवबलों ने अपनी मांगों को बुलंद करते हुए कहा कि उन्हें कंपनी में समायोजित करने की मांग पूरी नहीं हुई तो सभी मानवबल यूनियन के आह्वान पर अनिश्चिकालीन धरने पर चले जाएंगे। बैठक में मानबलों ने संघर्ष को तेज करने के लिए आपसी एकजुटता तथा संगठन की मजबूती पर बल दिया और कहा कि एकजुट हो ही हम सरकार को झुका सकते है। इस दौरान मानवबलों ने संकल्प लिया कि जबतक उनकी मागि पूरी नहीं होती है, तबतक वे चुप नहीं बैठेंगे। बैठक की अध्यक्षता भरत लाल सिंह ने की। मौके पर बिरेन्द्र प्रसाद, लालबाबू केशरी, शिवजी यादव, विक्की कुमार, ज्योति प्रकाश, मुलायम यादव, नागेन्द्र कुमार सिंह, अभय कुमार सिंह, संजय कुमार सिंह, सुरेन्द्र कुमार सिंह, रोहित कुमार, प्रेमचंद चौधरी, कृष्णदेव चौधरी, रवि कुमार, सोनू कुमार पांडेय, ओम प्रकाश शर्मा, रोहित राय व विनोद कुमार यादव आदि मानवबल मौजूद थे।

केसठ में नव वर्ष के अवसर पर बच्चों के बीच किया गया पाठ्य सामग्री का वितरण

केसठ। नव वर्ष के अवसर पर प्रखंड के कुलमनपुर गांव में डी फॉर ऑल क्लासेज के तत्वावधान में बच्चों के बीच कलम कॉपी का वितरण किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में लोजपा (रामविलास) के जिला युवा महासचिव ऋषि कांत दुबे उर्फ गोल्डी दुबे उपस्थित रहे। इस मौके पर कोचिंग के संस्थापक रोहित दुबे ने कहा कि नव वर्ष में बच्चों को शिक्षा से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।लोजपा(रामविलास) जिला युवा महासचिव ने कहा की बच्चों को शिक्षा से जोड़ना अति आवश्यक है। नव वर्ष के अवसर पर बच्चे विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम करते हैं लेकिन नव वर्ष के अवसर पर बच्चों को कॉपी कलम से सम्मानित करने से बच्चे में शिक्षा के प्रति जागृति जागेगी। वही इस मौके पर गुरुदयाल, आलोक सहित अन्य लोगों का सराहनीय योगदान रहा।

बाप-बेटे समेत तीन तस्कर गिरफ्तार 60 लीटर देशी चुलाई शराब बरामद

केटी न्यूज/डुमरांव

कोरानसराय पुलिस ने थाना क्षेत्र के करूअज गांव से देशी चुलाई शराब के साथ पिता पुत्र समेत तीन तस्करों को पकड़ा है। उनके पास से पुलिस ने 60 लीटर देशी शराब बरामद किया है। मंगलवार की देर शाम गुप्त सूचना मिली थी कि करूअज गांव का परीक्षित सिंह अपने घर में देशी शराब बनाकर बेचता है तथा वह अपने घर में शराब की बड़ी खेप बनाकर रखा है, जिसे बेचने की फिराक में है। इस सूचना पर कोरानसराय थानाध्यक्ष अमित कुमार ने एक टीम गठित कर तत्काल उसके घर छापेमारी करने भेजा।

कोरानसराय थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि जैसे ही पुलिस टीम उसके घर के करीब पहुंची कि एक बाइक पर बैठे दो लोग पुलिस को देख बाइक घुमा तेजी से भागने का प्रयास किया। जब पुलिस ने शक के आधार पर उन्हें पकड़ तलाशी ली तो उन्होंने 10 लीटर देशी शराब बरामद करते हुए करूअज का परीक्षित सिंह पिता राम प्रवेश सिंह व रजडीहा गांव का भुवाली यादव पिता स्व. बनीलाल यादव शामिल है। वही, परीक्षित के स्वीकारोक्ति के बाद पुलिस टीम जब उसके घर छापेमारी उसके बेटे रोहित कुमार को गिरफ्तार करते हुए उसके घर से 50 लीटर देशी शराब बरामद किया।

नए साल का जश्न मना लौट रहे युवकों की सड़क दुर्घटना में मौत, पसरा मातम

केटी न्यूज/डुमरांव

नव वर्ष पर मध्य रात्रि एक भीषण हादसे में दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गई है। यह हादसा नया भोजपुर ओपी अंतर्गत प्रताप सागर के समीप एनएच 922 की है। वही, इस दुर्घटना में एक अन्य युवक भी जख्मी हुआ है, जिसकी पहचान नहीं हो पाई है।

मृतकों की शिनाख्त स्वप्निल प्रवाल (19 वर्ष) पिता प्रवीन प्रवाल मसीह और अमृत कुमार (29 वर्ष) माता राधा देवी के रूप में की गई है। दोनों प्रताप सागर मेथोडिस्ट अस्पताल में ही रहते थे। घटना के बाद से अस्पताल परिसर में मातम पसरा है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है। जबकि अस्पताल के डॉक्टरों समेत अन्य कर्मियों में मायूशी छाई है। अस्पताल कर्मियों ने बताया कि दोनों युवक काफी मेधावी व मिलनसार प्रवृति के

थे। घटना के बाद से अस्पताल में नववर्ष के मौके पर होने वाला जलसा भी फीका पड़ गया है। वही, पुलिस ने एक शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बक्सर भेजा है। जबकि तीसरे जख्मी के संबंध में जानकारी नहीं मिल सकी है।

बताया जाता है कि तीनों युवक नववर्ष की पार्टी करने नवडेरा के समीप किसी होटल में गए थे। होटल में खाना खा पीकर दोनों एनएच के उतरी लेन से लौट रहे थे, इसी दौरान प्रतापसागर के समीप अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दिया, जिससे मौके पर ही दो की मौत हो गई। घटना मध्य रात्रि एक से दो बजे के बीच की है। जैसे ही इसकी जानकारी अस्पतालकर्मियों व उनके परिजनों को मिला वे दौड़े भागे घटना स्थल पहुंचे तथा तीनों को उठाकर अस्पताल लाए। जहां, दो को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं, घटना की जानकारी मिलते ही नया भोजपुर ओपी पुलिस भी मौके पर पहुंच मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। ओपी प्रभारी मनीष कुमार ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि दुर्घटना को अंजाम देने वाले वाहन की पहचान का प्रयास किया जा रहा है। वही, घटना के बाद से एनएच 922 पर बेलगाम परिचालन के प्रति लोगों में आक्रोश गहरा गया है।

जिला मत्स्य पदाधिकारी ने 21 मछली विक्रेताओं को दिया मछली बेचने का किट, बोले...

जिले के लोगों को अब मिलेगी ताजी व स्वच्छ मछलियां

- मत्स्य विपणन किट की कुल लागत 25 हजार रुपए, जिसमें आधी राशि 17 हजार 500 रुपए अनुदानित है

केटी न्यूज/बक्सर

जिला मत्स्य पदाधिकारी ने बुधवार को 21 मछली विक्रेताओं को मत्स्य व्यापार के लिए किट मुहैया कराया। यह वितरण नगर परिषद कार्यालय के समीप मछली मंडी में किया गया। इस मत्स्य विपणन किट का कुल लागत 25 हजार रुपए है। जिसमें अनुदान राशि 17 हजार 500 रुपए है।

जिला मत्स्य पदाधिकारी ने इस योजना के उद्देश्य को बताते हुए कहा कि जिले के मत्स्य बाजार को आवश्यक आधारभूत संरचना के साथ संगठित एवं स्वच्छ रूप देना तथा छोटे एवं संगठित मत्स्य व्यवसायों को हाइजेनिक किट की सहायता से उपभोक्ता तक स्वच्छता के साथ-साथ मछली की उपलब्धता की पहल करना, इस योजना का मुख्य उदेश्य है। जिससे रोजगार के नए अवसर के साथ-साथ मत्स्य कृषकों, मछुआरो तथा मत्स्य व्यवसाय से जुड़े लोगों की वार्षिक आमदनी में वृद्धि हो सकें। इससे जिला में संगठित एवं स्वच्छ खुदरा मत्स्य बाजार उपलब्ध होगी एवं मत्स्य उपभोक्ताओं को ताजी एवं स्वच्छ मछली उपलब्ध होगी। मत्स्य विपणन किट की उपलब्धता से मत्स्य विक्रेता अपने मत्स्य उत्पादन को अधिक समय तक ताजा एवं स्वच्छ रख सकेंगे। इससे न केवल उनके आय में वृद्धि होगी बल्कि उपभोक्ताओं को ताजी एवं स्वच्छ मछली भी खाने को मिलेगी।

जिला मत्स्य पदाधिकारी ने बताया कि इससे मात्स्यिकी के संबंधित आजीविका एवं ग्रामीण स्तर पर स्वरोजगार के नए अवसरों का सृजन होगा एवं मत्स्य पालकों व मत्स्य कृषकों के वार्षिक आय में वृद्धि के साथ-साथ उनका सामाजिक एवं आर्थिक विकास भी होगा। योजना अंतर्गत शहरी क्षेत्र के मत्स्य विक्रेताओं को मछली बेचने के लिए छतरी (6 फीट) व्यास, स्टेनलेस स्टील स्क्रबर, स्टेनलेस स्टील कटर, तराजू एवं बटखारा, छह फीट लंबा व चार फीट चौड़ा तारपोलिन शीट, प्लास्टिक बाल्टी, मग, 4 फीट व्यास 1.5 फीट गहरा प्लास्टिक या फाइबर शीट टब, इंसुलेटेड बॉक्स (120 किलोग्राम), डीसीएलईडी बल्ब युक्त लैंप 12 वॉट, प्लास्टिक केट, प्लास्टिक वेस्ट बीन, एप्रॉन, ग्लव्स व मास्क, कैप, मनी बैग आदि के रूप में मत्स्य विपणन किट का पैकेज वितरण किया गया। इस किट को पाने वाले मछली विक्रेताओं के चेहरे पर मुस्कान दिख रही थी। विक्रेताओं ने बताया कि इस किट के मिलने से उनका रोजगार बढ़ेगा तथा लोगों को भी अब हर समय ताजी मछली खाने को मिलेगा।

आरा में अचानक तबियत बिगड़ने से गर्भवती महिला की मौत

♦ मृतका के परिजन ने ससुराल वालों पर इलाज में लापरवाही बरतने के कारण मौत होने का लगाया आरोप

केटी न्यूज/आरा

शहर के नवादा थाना क्षेत्र के रामनगर मोहल्ला गली नंबर दो में बुधवार को एक गर्भवती महिला की मौत हो गई। इलाज के दौरान सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में उसने दम तोड़ दिया। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी का आलम रहा। वहीं मृतका के परिजन द्वारा ससुराल वालों पर इलाज में लापरवाही बरतने के कारण उसकी मौत होने का आरोप लगाया जा रहा है। जानकारी के अनुसार मृतका शाहपुर थाना क्षेत्र के ओझा के सेमरिया गांव निवासी विकाश ओझा की 27 वर्षीया पत्नी कंचन कुमारी है।

वह वर्तमान में नवादा थाना क्षेत्र के रामनगर मोहल्ला गली नंबर दो में करीब सात वर्षों से किराए के मकान में रहती थी। इधर बक्सर जिला के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सोंधिला गांव निवासी व मृतका का बड़ा भाई दुर्गेश पाठक ने बताया कि उनकी बहन गर्भवती थी। बुधवार की सुबह करीब आठ बजे जब उन्होंने उसे फोन किया तो फोन पर बातचीत के दौरान उसने कहा कि मुझे उठने-बैठने में बहुत दिक्कत हो रही है और अब हम नहीं जी पाएंगे। वहीं उसने बताया की तबीयत खराब के दौरान उसके ससुराल वालों द्वारा कहीं ले जाकर उसे सुई दिलवाया गया था। इसके बाद उन्होंने कहा कि ठीक है मैं थोड़ी देर में फोन करता हूं और उन्होंने फोन काट दिया। इसके बाद उसके ससुराल वालों द्वारा कुछ ही देर बाद फोन कर उन्हें सूचना दी गई कि उसकी मौत हो गई है। सूचना पाकर परिजन आरस सदर अस्पताल पहुंचे। जिसके बाद स्थानीय थाना भी सदर अस्पताल पहुंची। इसके पश्चात पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाया। वहीं दूसरी तरफ मृतका के भाई दुर्गेश पाठक ने उसके ससुराल वालों पर किसी भी चीजों की मांग करने व उसे किसी भी प्रकार का प्रताड़ित करने का कोई आशंका या आरोप नहीं लगाया है।

हालांकि, उसने उसके ससुराल वालों पर उसे इलाज के लिए देर से ले जाने और इलाज में लापरवाही बरतने के कारण अपनी बहन के मौत होने का आरोप लगाया है। जबकि मृतका के ससुर बागेश्वर ओझा ने बताया कि वह जमादार है और नालंदा जिला के अस्थमा थाना में जमादार के पद पर कार्यरत है। उनकी बहू पांच माह की गर्भवती थी। इसी बीच उसकी तबीयत बिगड़ गई और उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल ले गया था। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इसके बाद उन्हें फोन कर सूचना दी गई की उनकी बहू की मौत हो गई है। सूचना पाकर वह भी आरा सदर अस्पताल पहुंचे। वहीं पुलिस द्वारा बनाए गए मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार मृत गर्भवती महिला की मौत इलाज के क्रम में मृत्यु होना प्रतीत होता है। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगा।

विद्युत प्रवाहित तार की चपेट में आने से बिजली मिस्त्री की मौत

आरा। जिले के पीरो थाना क्षेत्र के पीरो बाजार स्थित मॉल के पास बुधवार की सुबह हाई टेंशन विद्युत प्रवाहित तार की चपेट में आने से एक बिजली मिस्त्री की मौत हो गई। इलाज के लिए पीरो पीएचसी ले जाने के दौरान उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। घटना को लेकर लोगों के बीच काफी देर तक अफरा-तफरी मची रही। जानकारी के अनुसार मृतक हसन बाजार थाना क्षेत्र के अरैयडीह गांव निवासी कामेश्वर सिंह का 28 वर्षीय पुत्र राकेश कुमार है। वह पेशे से बिजली मिस्त्री था एवं वर्तमान में पीरो बिजली विभाग कार्यालय में संविदा पर बिजली मिस्त्री के पद पर कार्यरत था। इधर मृतक के चचेरे भाई अखिलेश कुमार ने बताया कि वह पीरो बिजली विभाग कार्यालय में संविदा पर मिस्त्री के रूप में कार्यरत था। बुधवार की सुबह पीरो बाजार स्थित एक मॉल के संचालक द्वारा फोन कर कहा गया कि लाइन खराब हो गई है। सूचना पाकर वह बुधवार की सुबह वहां पहुंचा और पॉल पर चढ़कर लाइन बना रहा था। उसी दौरान वह हाई टेंशन विद्युत प्रवाहित तार की चपेट में आ गया और बिजली के पॉल से सीधा नीचे गिर पड़ा। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद उनके साथ रहे अन्य कर्मचारियों द्वारा उसे इलाज के लिए पीरो पीएचसी ले जाया गया। जहां चिकित्सक ने देख उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद उक्त कर्मचारियों ने इसकी सूचना उसके परिजनों को दी। सूचना पाकर परिजन फौरन वहां पहुंचे और उन्होंने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी। सूचना पाकर स्थानीय थाना मौके पर पहुंच शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। बताया जाता है कि मृतक अपने तीन भाई व एक बहन में तीसरे स्थान पर था। उसके परिवार में मां लक्ष्मीना देवी,पत्नी आरती देवी व दो पुत्र रतन कुमार एवं विशु कुमार है। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया है। इस घटना के बाद मृतक की मां लक्ष्मीना देवी,पत्नी आरती देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

खबरें फटाफट

बखोरापुर मंदीर में आचार्य किशोर कुणाल को दी गई श्रद्धांजलि

आरा। जय मां काली बखोरापुर वाली प्रांगण में नए साल के मौके पर मंदिर ट्रस्ट कमेटी की तरफ से भव्य तरीके से सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन थल सेना के पूर्व उप सेना अध्यक्ष एसके सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष बीडी सिंह ने किया। कुल 500 से अधिक गणमान्य लोगों को मुख्य संरक्षक सुनील सिंह गोपाल तथा मीडिया प्रभारी अखिलेश बाबा ने माता का चुनरी देकर सम्मानित किया। एसके सिंह ने कहा कि बचपन से ही बहुत जी करता था की जय मां काली बखोरापुर वाली दरबार में आकर दर्शन करें जो कि आज पूर्ण हुआ। जय मां काली बाखोरपूर वाली का नाम पूरे देश विदेश में सब जगह लोकप्रिय हो चुका है, यह नाम पूरे भोजपुर को गौरवशाली बनाया है। महावीर मंदिर न्यास बोर्ड के अध्यक्ष स्व. आचार्य किशोर कुणाल जी के नाम पर दो मिनट का मौन रखा गया। तत्पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया. सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अंजनी सिंह के नेतृत्व में सभी साजिंदा आए थे। भोजपुरी गायिका सोनी पांडेय, रजनी शाक्या, कोमल केसरी, देव कुमार सिंह, मोनू राजा, छोटू छलिया, अनुष्का सिंह, रानी वर्मा, जियालाल ठाकुर, खुशबू शर्मा आदि ने बारी-बारी से माता का भजन गायन किया। दिल्ली से आई सोना शुक्ला तथा स्काई स्टार रील डांसर ने अपने मनमोहक प्रस्तुति से सब को झूमने पर मजबूर कर दिया। सुबह से शाम तक दर्शकों की लंबी लाइन लगी रही। अनुमान के मुताबिक 2 लाख से ज्यादा लोगों ने माता रानी का दर्शन किया।

नगर परिषद क्षेत्र में सड़क किनारे मांस बेचने से लोगों में आक्रोश

पंचमंदिर जाने वाले मुख्य पथ के किनारे खुले में बेचा जा रहा कटा मांस व मुर्गा

♦ पूरे दिन पड़ा रहता है मांस व खून के अलावे मुर्गे की पंखुड़िया, नाक भौं सिकोड़ मंदिर आते जाते है श्रद्धालु

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव स्टेशन के करीब स्थित प्रसिद्ध पंचमंदिर को जाने वाले मुख्य मार्ग स्टेशन रोड के किनारे पिछले कुछ समय से कटे मांस व मुर्गे की बिक्री हो रही है। जिस कारण मंदिर में पूजा अर्चना करने जाने वाले श्रद्धालुओं को भारी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावे स्थानीय निवासियों को भी कटे मांस व खून के सड़ांध का सामना करना पड़ रहा है। मंदिर आने जाने वाले श्रद्धालुओं ने बताया कि जिस जगह पर खुले में मांस मछली व मुर्गा की बिक्री की जाती है, वहां एक बड़े दायरे में हर समय खून के धब्बे, मुर्गे की पंखुड़िया तथा अन्य अवशेष पड़े रहते है। जिस कारण लोगों को नाक भौं-सिकोड़ मंदिर आना जाना पड़ रहा है।

प्रतिबंध के बावजूद खुले में बेचा जा रहा है मांस

वहीं, खुले में मांस व मुर्गे की बिक्री से शहर के स्वच्छता अभियान पर भी बट्टा लग रहा है। एक तरफ नगर परिषद प्रशासन स्वच्छता सर्वेक्षण में नगर परिषद को पूरे राज्य में औव्वल स्थान पाने के लिए प्रयास कर रहा है। इस कड़ी में जल जीवन हरियाली योजना के अलावे बडे पैमाने पर सफाई अभियान चलाया जा रहा है। सड़कों के किनारे लाईट भी लगाए जा रहे है, लेकिन नगर परिषद के इस कवायद पर खुले में मांस व मुर्गे की बिक्री करने वाले बट्टा लगा रहे है। जिससे नगर परिषद के स्वच्छता मिशन अभियान पर ग्रहण लगता दिखाई पड़ रहा है।

महाराजा पेट्रोल पंप के पास हो रही है बिक्री : बता दें कि पंचमंदिर से महज 150-200 मीटर दूर महाराजा पेट्रोल पंप के पास सड़क के दोनों किनारे कटे मांस, मुर्गा व मछली की बिक्री की जा रही है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि पहले सिर्फ एक दुकान थी, लेकिन अब धीरे-धीरे चार-पांच दुकाने हो गई है। जिससे पूरे समय यह इलाका दुर्गंध से भरा रहता है। लोगों का कहना है कि यदि शासन प्रशासन द्वारा शीघ्र इसपर लगाम नहीं लगाया गया तो इससे टकराव की नौबत भी आ सकती है। कई बार स्थानीय निवासियों ने मांस व मुर्गा विक्रेताओं को यहां कटे मांस व मुर्गा की बिक्री करने से मना किया है, बावजूद उनपर कोई असर नहीं पड़ा है। जिससे आस के लोगों के साथ ही मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं का आक्रोश बढ़ते जा रहा है।

हर दिन सैकड़ों श्रद्धालु जाते है पूजा करने : स्टेशन के पास स्थित पंच मंदिर काफी प्रसिद्ध मंदिर है। मंदिर से स्थानीय स्टेशन व कमल नगर के अलावे टेक्सटाईल कॉलोनी, लालगंज कड़वी, खिरौली व चाणक्य कॉलोनी तक के निवासियों की गहरी आस्था जुड़ी है। हर दिन इस मंदिर में सुबह शाम सैकड़ों की तदात में महिला व पुरूष श्रद्धालु पूजा पाठ करने आते है। जिन्हें इस कटे मांस व मुर्गे से परेशानी का सामना करना पड़ता है।

दरवाजे के सामने की जा रही मांस मुर्गे की बिक्री

खुले में कटे मांस व मुर्गे की बिक्री के खिलाफ स्थानीय निवासियों में आक्रोश है। स्थानीय निवासी लालकेश्वर लाल ने बताया कि उनके दरवाजे के सामने मांस मुर्गे की बिक्री की जा रही है। जिससे घर में रहना दुश्वार हो गया है। संटू मित्रा ने बताया कि हर दिन सुबह व शाम मंदिर जाने के दौरान उन्हें इससे परेशानी होती है। खासकर शाम के समय मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं की अधिक संख्या रहती तथा इसी समय सबसे अधिक मांस व मुर्गे को काटा जाता है। वही, कमल नगर मोहल्ले के मंटू सिंह, बब्लू पांडेय, धीरज ठाकुर, मिल्टन दूबे समेत कई अन्य लोगों ने अनुमंडल प्रशासन व नगर परिषद प्रशासन से इस पर रोक लगाने की मांग की है।

विक्रेताओं को भेज जाएगा नोटिस

“ खुले में मांस की बिक्री प्रतिबंधित है। शहर में एक वधशाला है, दूसरा वधशाला भी बनवाया जा रहा है। मांस व मुर्गा विक्रेताओं को वधशाला से ही अपना व्यवसाय करना होगा। जल्दी ही नगर परिषद ऐसे विक्रेताओं को चिन्हित कर नोटिस जारी करेगी। खुले में मांस की बिक्री कर शहर की खुबसूरती पर बट्टा लगाने की छूट नहीं दी जाएगी।

– सुमित कुमार गुप्ता, चेयरमैन
प्रतिनिधि, नगर परिषद डुमरांव

नए साल के पहले दिन मायूस हुए बच्चे शहर के शहीद पार्क का नहीं खुला ताला

डुमरांव। वैसे तो नगर में पार्क के नाम शहर के बीचोबीच मात्र एक शहीद पार्क मौजूद है। इस पार्क में बच्चों के खेलने के लिये संसाधन के साथ चार शहीदों की मूर्ति भी लगी रहती है। नगरवासियों के घरों में जब कोई बाहर के लोग आते हैं, उन्हें शहीद पार्क घुमाने लोग जरूर लाते हैं। वहीं नये साल के पहले दिन शहीद पार्क के मुख्य गेट पर ताला दिनभर लटके रहने के कारण घुमने आए लोग मायूस होकर लौट गए। शहीद पार्क युवक-युवतियों एवं बच्चों का बहुत ही पसंदीदा पार्क माना जाता है। मालूम हो कि नगर का शहीद पार्क उन चार सपूतों के नाम पर और उसी स्थान पर बनाया गया है, जहां देश के अजादी के चार दिवानों ने तिरंगा फहराने के दौरान अंग्रेजों के गोली का शिकार हो शहीद हो गए थे। इस पार्क में उनकी मूर्ति भी लगी हुई है। हर वर्ष एक जनवरी को स्कूल के बच्चे आते हैं और घुमते हुए जानकारी भी लेते हैं। इतना ही नहीं महिलाएं भी काफी संख्या में छोटे बच्चों को लेकर पहुंचती हैं। इस साल नहीं पार्क का ताला खुला और नहीं सफाई हुई। पूरा पार्क लंबी-लंबी घासों से ढक गया है। पार्क घुमने आए लोगों के मुंह से यह कहते सुना गया की अपनी गलती छुपाने के लिए ताला नहीं खोला गया है।

राज्यपाल को विद्यालय की स्मारिका 'प्रतिबिम्ब' देकर सम्मानित किया गया

केटी न्यूज/आरा

पटना के राजभवन में सोमवार को आरा के मझौंवा स्थित संभावना आवासीय उच्च विद्यालय द्वारा सूबे के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर को सम्मानित किया गया। इस मौके पर विद्यालय की प्राचार्या डॉ. अर्चना सिंह एवं निदेशक डॉ. कुमार द्विजेंद्र ने संयुक्त रूप से सूबे के राज्यपाल को मोमेंटो और विद्यालय की स्मारिका 'प्रतिबिम्ब' देकर सम्मानित किया गया। सम्मान पाकर राज्यपाल काफी गदगद दिखे। उन्होंने मोमेंटो में आरा से जुड़े भोजपुरी पेंटिंग के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। वही विद्यालय के स्मारिका में प्रकाशित आलेख के बारे में तारीफ की। कहा कि छोटे-छोटे बच्चों ने अपनी कविता व चुटकुले लिखे हैं। वह बहुत ही सुन्दर है। इस मौके पर प्राचार्य अर्चना सिंह ने बताया की राज्यपाल स्मारिका को पढ़कर काफी खुश हुए उन्होंने आरा की आरण्य देवी मंदिर, कुंवर सिंह, भोजपुरी पेंटिंग के बारे में जानकारी प्राप्त की।

निदेशक डॉ. कुमार द्विजेंद्र ने कहा कि यह विद्यालय परिवार के लिए अविस्मरणीय पल था। इससे विद्यालय का मान-सम्मान बढ़ा है। बता दें की गत 26-27 दिसम्बर को शहर के शुभ नारायण नगर मझौंवा स्थित संभावना आवासीय उच्च विद्यालय के 25 वर्ष पूरे होने पर रजत जयंती समारोह का आयोजन किया गया था। इस मौके पर अतिथियों द्वारा स्मारिका 'प्रतिबिंब' का लोकार्पण किया गया था। जिसमें राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर, बिहार विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह समेत कई गणमान्य लोगों का शुभकामना संदेश प्रकाशित हुआ था।

शांति व्यवस्था के लिए तैनात रही पुलिस, रही कड़ी निगरानी

नये साल के अवसर पर डुमरांववासियों ने मंदिरों में झुकाया शीश व मांगा आशीष

केटी न्यूज/डुमरांव

नये साल 2025 का स्वागत बुधवार को लोगों ने जोरदार तरीके से किया। हर कोई इसकी तैयारी में था। लोगों ने मंदिरों में शीश नवाए और नये वर्ष में बेहतरीन के लिए दुआएं मांगी। पिकनिक का दौर भी चला। हालांकि ठंड का भी असर देखा गया। नववर्ष के जश्न को लेकर शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के सभी पिकनिक स्पॉट गुलजार रहे। मंदिरों में माथा टेकने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ पूरे दिन उमड़ी रही। लोगों ने मंदिरों में माथा टेक नये साल की शुरूआत की।

स्थानीय शहर के बाबा जंगलीनाथ महादेव मंदिर, मां डुमरेजनी मंदिर, मां काली मंदिर, राजगढ़ आदि मंदिरों में श्रद्धालुओं ने देर शाम तक पूजा-अर्चना की। इसके बाद श्रद्धालुओं ने गोलगप्पे, चाट, मोमोज, चाउमीन, बर्गर सहित रेस्टोरेंट पर लजीज पकवानों का जमकर लुफ्त उठाया। सुरक्षा को लेकर पुलिस अधिकारी और जवान तैनात रहे। नये साल में हुड़दंगियों व शराबियों पर पुलिस की पैनी नजर रही। शहर के जगह-जगह वाहनों की चेकिंग हुई। होटल व रेस्टोरेंट पर पुलिस की कड़ी निगाह रही। पुलिस की सतर्कता के चलते देर शाम तक शहर में व्यवस्थित तरीके से ही लोगों ने नये साल का जश्न मनाया। कई पिकनिक स्पॉटों पर लोग खानपान की सामग्री लेकर पहुंचे। इस दौरान पुलिस ने भी आने-जाने वालों पर नजर बनाकर रखी, जिससे वाहन चालक व्यवस्थित रहे। पुलिस की तैनाती के चलते शरारती तत्वों में खौफ रहा, जिसके कारण शहर में नववर्ष की पूर्व संध्या या नववर्ष पर लोगों ने हुड़दंग नहीं किया। एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी ने बताया कि सभी पिकनिक स्पॉटों पर महिला व पुरुष पुलिस के जवानों की तैनाती की गयी थी ताकि शरारती तत्वों पर कड़ी निगरानी रह सके। इसके साथ विभिन्न सड़को पर पुलिस की गश्ती वाहन दौड़ती रही। कई जगहों पर पुलिस ने शराब के खिलाफ अभियान भी चलाया। इस दौरान जंगलीनाथ महादेव मंदिर में आयोजकों द्वारा महाप्रसाद का वितरण किया गया। जिसमें आयोजन समिति के राज सिंह, डॉ सुभाष चंद्रशेखर, प्रो श्रीकांत सिंह, सुनील गुप्ता, मुन्ना लाल, संजय गुप्ता, त्रिलोकी यादव, मोहन केशरी, आशीष कुमार, प्रकाश, सुनील साह, भुअर सिंह, बब्लू जायसवाल, शिवकुमार खेमानी, पवन केशरी, सुदामा जी, अर्जुन शर्मा सहित अन्य मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

रांची में कैशियर से दिनदहाड़े 13 लाख की लूट, विरोध करने पर एक को मारी गोली

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची के पंडरा ओपी क्षेत्र में सोमवार को बदमाशों ने दिनदहाड़े एक कैशियर से 13 लाख रुपये लूट लिए। लूट की घटना का विरोध करने पर एक होटल मैनेजर को गोली मार दी। होटल मैनेजर का नाम सुमित कुमार बताया गया है। वह होटल लोटस के मैनेजर बताये जा रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, आशीर्वाद आटा के कैशियर सुमित कुमार गुप्ता आईसीआईसीआई बैंक में 13 लाख रुपये जमा करने पहुंचे थे। इसी दौरान तीन की संख्या में पहुंचे बदमाशों ने मारपीट कर और हथियार का भय दिखाकर रुपये लूट लिये। सभी बदमास मुंह पर रुमाल बांधे हुए थे। बैग में 13 लाख रुपये थे। इसी बीच होटल लोटस के मैनेजर सुमित वहां पहुंच गये और हथियारबंद बदमाशों से भिड़ गये। इसी दौरान बदमाशों ने होटल के मैनेजर सुमित को गोली मार दी। उन्हें रिम्स भेजा गया है। ओपी के सब-इंस्पेक्टर मनीष कुमार ने बताया कि आसपास के सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है। पूरे मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है। आरोपित जल्द पकड़े जायेंगे। नाकेबंदी कर छापेमारी की जा रही है।

रांची में देर रात चला एंटी क्राइम जांच अभियान

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची में नए साल को लेकर रविवार की देर रात एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया गया। कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए और डीएसपी सिल्ली के नेतृत्व में कई थानों की पुलिस ने मेन रोड से लेकर रातु रोड तक सड़क पर पैदल पेट्रोलिंग की। इस दौरान बार-रेस्टोरेंट से लेकर सड़क पर वाहनों की जांच की गई। इसके अलावा नशे में वाहन चलाने वालों की भी जांच हुई। उल्लेखनीय है कि नए साल के स्वागत को लेकर पूरे झारखंड में कई कार्यक्रमों का आयोजन होना है। वहीं, साल खत्म होने से पहले पिकनिक स्पॉट पर लोगों की भीड़ उमड़ रही है। इसे देखते हुए पुलिस मुख्यालय के राज्य के सभी जिलों में पर्यटकों की सुरक्षा को लेकर निर्देश जारी किए गए हैं।

नये साल में सामुदायिक केंद्र पर आयोजित हौजी गेम समेत अन्य कार्यक्रम रद्द

जमशेदपुर, एजेंसी। नये साल में सामुदायिक केंद्र जादूगोड़ा में आयोजित हौजी गेम समेत अन्य कार्यक्रमों को रद्द कर दिया गया है. सामुदायिक केंद्र के सचिव पुष्पराज ने नोटिस जारी कर इसकी जानकारी दी है. जारी नोटिस के अनुसार, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर झारखंड समेत में सात दिन (एक जनवरी तक) का राष्ट्रीय शोक है. ऐसे में नये साल में आयोजित होने वाले सभी कार्यक्रमों को रद्द कर दिया गया है. यूसिल कर्मियों को नये साल पर मिलने वाले उपहार की तिथि भी बढ़ा दी है. अब यूसिल कर्मियों को दो जनवरी की शाम में उपहार बाटे जायेंगे. इस बार सामुदायिक केंद्र की ओर से मेंबरों को उपहार के तौर पर स्टील टिफिन दी जायेगी.

भाकपा माले कार्यकर्ताओं ने फूंका गृहमंत्री अमित शाह का पुतला

गिरिडीह, एजेंसी। संसद में बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर के खिलाफ टिप्पणी के विरोध में भाकपा मामले कार्यकर्ताओं ने सोमवार को गावां बाजार स्थित पुराना डाकघर के पास प्रदर्शन किया और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का पुतला दहन किया. कार्यक्रम में मुख्य रूप से धनवार के पूर्व विधायक राजकुमार यादव उपस्थित थे. उन्होंने कहा कि अमित शाह ने भारत रत्न बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का अपमान किया है. संविधान में विश्वास रखने वाले न्याय प्रिय लोगों के लिए बाबा साहेब रोल मॉडल हैं. उनका अपमान बर्दास्त नहीं किया जाएगा. अमित शाह को माफी मांगनी चाहिए. कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड सचिव नागेश्वर यादव व संचालन सकलदेव यादव ने किया. मौक़े पर जिप सदस्य पवन कुमार चौधरी, पसंस अकलेश यादव, अशोक यादव, अभिमन्यु यादव, मुस्लिम अंसारी, मुखिया बिरने चंदन यादव, अयोध्या यादव, नरेश राणा, अरुण कुमार, राकेश कुमार समेत दर्जनों लोग उपस्थित थे.

झारखंड के कोंकादासा गांव में आखिर कब उगेगा विकास का सूरज

जमशेदपुर, एजेंसी। जमशेदपुर-साल 2025 का जब हम स्वागत कर रहे हों. नये साल को लेकर उम्मीदों की गठरी खुलने लगी हो. 2025 में भी 20वीं सदी जैसी मामूली सुविधाओं के लिए जूझ रहा है. गांव में बिजली नहीं है. पीने के पानी का संकट है. इलाज के लिए करीब आठ किलोमीटर का लंबा जंगली रास्ता पार करके बोड़ाम जाना होता है. इसके बावजूद गांव के लोगों को सत्ता, सत्ता के प्रतिनिधियों से कोई खास शिकायत नहीं है, लेकिन इनके चेहरों को देखकर यह मासूम का सवाल जरूर पढ़ा जा सकता है।

कोंकादासा. दलमा पहाड़ पर समुद्र तल से करीब ढाई हजार फीट ऊपर बसा बोड़ाम प्रखंड की बोंटा पंचायत का एक गांव. नये साल पर इस गांव की कहानी यह है कि यहां 26 घर है. 25 घर भूमिज (सरदार) आदिवासी और एक घर संथाल आदिवासी का है. गांव की कुल आबादी है 213. 21 वीं सदी के 25 वें साल में भी इस गांव में अब तक बिजली नहीं पहुंची है. गांव में सौर ऊर्जा से चलने वाले दो हैंडपंप हैं, जिनमें एक खराब है. एक आंगनबाड़ी केंद्र और एक प्राथमिक विद्यालय है.

टाटा से बोड़ाम जाने वाली सड़क पर चिमटी गांव से थोड़ा पहले बाई ओर दलमा पहाड़ पर जाने के लिए मुड़ रही कच्ची सड़क पर चढ़ने के बाद डेढ़ घंटे तक तकरीबन आठ किलोमीटर की चढ़ाई चढ़ने के बाद ही आप कोंकादासा गांव पहुंच सकते हैं. गांव क्या कहिए बियावान जंगल में गिनती के कुछ कच्चे मकान. नीचे से ऊपर आने के दौरान कई बार यह लगेगा कि यहां तो गांव नहीं हो सकता है. तभी दिखता है वन विभाग का वीरान पड़ा विश्रामागार. थोड़ा आगे बढ़ने पर गांव के एक मात्र संताली परिवार का घर. शंभू मुर्मू बताते हैं कि सालों पहले उनके दादा इस गांव में बस गए थे.

गांव-घर की स्थिति बताने के लिए मिलते हैं मित्तन सिंह सरदार और अजीत सरदार. अजीत गुलेल लेकर शिकार की तैयारी कर रहे हैं. हिंदी नहीं जानने के कारण बांग्ला में ही वे बोलना शुरू करते हैं. बताते हैं कि यहां आज तक न कोई सांसद आया और न ही कोई विधायक, लेकिन इस साल मई में लोकसभा और नवंबर में विधानसभा चुनाव के लिए नौ किलोमीटर पैदल चलकर वोट देने गए थे. पंचायत चुनाव के लिए भी वोट दिया. मुखिया कौन है नहीं मालूम. वार्ड सदस्य का भी नाम नहीं जानते हैं. मित्तन बताते हैं कि वे केवल कक्षा तीन तक ही पढ़ पाए. फिर नौकरी की तलाश में बहुत चक्कर लगाया. गोवा में जाकर राज मिस्त्री का काम सीखा. फिर तीन साल साल पहले गांव लौट आए. अब जमशेदपुर में रोज जाकर रोजी-रोटी कमाते हैं. इस गांव में तीन लोगों के पास मोटरसाइकिल है जो जमशेदपुर या बोड़ाम में जाकर काम करते हैं.

गांव करीब 70 बच्चे हैं, जिनमें 22 बच्चों की पढ़ाई पांचवीं के बाद छूट गयी है क्योंकि हाईस्कूल 12 किलोमीटर दूर है. कोई गंभीर बीमार हो जाए, जंगल में कोई जानवर हमले में घायल हो जाए, तो मौत निश्चित है. तीन साल पहले तक गांव में हाथियों का आतंक होता था. पता नहीं, अचानक खुद ही गांव में हाथियों का आना बंद हो गया है. मित्तन ने बताया कि भला हो चार साल पहले जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) की टीम पहुंची तो यहां सौर ऊर्जा से चलने वाले दो हैंडपंप लगे, जिसमें एक खराब हो गया है. कुएं का पानी गरमी में सूख जाता है.

गांव के बच्चे हो या पत्तों से दोना या पत्तल बना रही महिलाएं-बुर्जुग किसी के पास सरकार, सरकार के प्रतिनिधियों से कोई खास शिकायत नहीं है. इस गांव में अभी अबुआ आवास की योजना नहीं पहुंची है. मुफ्त सरकारी राशन के लिए भी हर परिवार को काफी मशक्कत करनी होती है. बच्चों और महिलाओं को देखने से ही यह लगता है कि वे कुपोषण का शिकार है लेकिन इनके लिए कोई जांच शिविर नहीं लगता है.

जरूरी सुविधाओं के लिए भी संघर्ष करते इस गांव के लोग का नजरिया बहुत ही सकारात्मक है लेकिन शहर के आने वाले हर व्यक्तियों को देखकर उनके आंखों में यह सवाल जरूर उठता है कि आखिर यहां विकास का सूरज कब उगेगा।

झारखंड में 9 आईपीएस अफसरों को मिला प्रमोशन, 6 एसपी बनाए गए डीआईजी

रांची, एजेंसी। एक जनवरी 2025 से राज्य के छह एसपी डीआइजी रैंक में प्रोन्नत हो जाएंगे। वहीं, तीन डीआइजी आइजी बन जाएंगे। इन्हें पिछले दिनों विभागीय प्रोन्नति बोर्ड की बैठक में प्रोन्नति मिली थी। केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर तैनात तीन आइपीएस अधिकारियों को भी प्रोफार्मा प्रोन्नति दी गई थी। बता दें कि पुलिस विभाग में हाल ही में एक बड़ा फेरबदल हुआ था। इसमें कई लोगों को बड़ी जिम्मेदारी मिली थी। आइजी रैंक में : डीआइजी रांची अनूप बिरथरे, डीआइजी हजारीबाग सुनील भास्कर व डीआइजी जैप मयूर पटेल कन्हैया लाल। ये तीनों 2007 बैच के आइपीएस अधिकारी हैं। डीआइजी रैंक में : एसएसपी रांची चंदन कुमार सिन्हा, एसपी देवघर अजीत पीटर डुंगडुंग, एसपी विशेष शाखा चंदन कुमार झा, एसपी झारखंड जगुआर प्रियदर्शी आलोक, एसपी सीआइडी अनुरंजन किस्पोट्टा व कमांडेंट जैप-3 अंबर लकड़ा। ये 2011 बैच के आइपीएस अधिकारी हैं।

बता दें कि झारखंड में कुछ ही दिनों पहले एक दर्जन से अधिक आईएएस अधिकारियों को प्रोन्नति मिली थी। जिन अधिकारियों का प्रमोशन हुआ, उनमें खास तौर पर अजय कुमार सिंह और डॉ. नितिन मदन कुलकर्णी का नाम था। इन्हें अपर मुख्य सचिव रैंक में प्रोन्नति मिली है।

दूसरी ओर, 13 अफसरों को विशेष सचिव बनाया गया। विशेष सचिव बनाए जाने वाले अफसरों में इन अधिकारियों में रविशंकर शुक्ला, नेहा अरोड़ा, संदीप सिंह, संजीव कुमार बेसरा, अजयनाथ झा, अक्षय कुमार सिंह, मनमोहन प्रसाद, कुमुद सहाय, रविरंजन, शशि भूषण मेहरा, प्रदीप तिग्गा, पूनम प्रभावती और मनोहर मरांडी का नाम शामिल है।

इसके अलावा अधिसूचना जारी करते हुए यह भी बताया गया था कि झारखंड में प्रशासनिक सेवा से आईएएस में प्रोन्नत हुए अधिकारियों को नए साल में नई जगह पर पदस्थापित किया जा सकता है। बता दें कि इसी महीने इन अधिकारियों को भी प्रमोशन मिला है।

टाटानगर रेलवे स्टेशन पर बड़ा हादसा, चक्रधरपुर के शिक्षक की ट्रेन से कटकर दर्दनाक मौत

चक्रधरपुर, एजेंसी। साल के अंत में चक्रधरपुर के लिए बड़ी दुखद खबर। टाटानगर स्टेशन में ट्रेन से कटकर चक्रधरपुर के शिक्षक राजकमल मिश्रा का निधन हो गया है। बताया जा रहा है कि टाटानगर स्टेशन में गीतांजलि सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन में सवार होने के दौरान शिक्षक राजकमल मिश्रा का पैर फिसल गया था और वह ट्रेन के नीचे आ गए थे।

इस हादसे में राजकमल मिश्रा के दोनों पैर कट गए थे। उन्हें आनन फानन में घायल अवस्था में टाटानगर स्टेशन से निकालकर रेलवे अस्पताल ले जाया गया था। जहां मरहम पट्टी करने के बाद उन्हें एमजीएम रेफर किया गया था। लेकिन एमजीएम पहुंचने से पहले उन्होंने अत्यधिक रक्त रिसाव के कारण दम तोड़ दिया।

राजकमल मिश्रा चक्रधरपुर में एक चर्चित शिक्षक के रूप में जाने जाते हैं और उनके निधन से पूरे चक्रधरपुर सहित शिक्षा जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। चक्रधरपुर के सुमित होता फाउंडेशन के अध्यक्ष सदानंद होता ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने राजकमल मिश्रा को याद करते हुए बताया कि राजकमल मिश्रा एक मृदु भाषी, सरल व्यक्तित्व के धनी और मिलनसार व ज्ञानी व्यक्ति थे। वह उनके स्कूली मित्र रहे हैं। लेकिन अचानक हुए इस हादसे की घटना की सुचना से उन्हें गहरा आघात पहुंचा है। चक्रधरपुर ने एक अच्छे व्यक्तित्व के धनी शिक्षक को खो दिया है। फिलहाल राजकमल मिश्रा का शव टाटानगर शवगृह में रखा गया है । कल पोस्टमार्टम के बाद शव चक्रधरपुर पहुंचेगा। परिवार वाले घटना की सुचना के बाद टाटानगर पहुँच चुके हैं। बता दें की राजकमल के पिता बी मिश्रा भी चक्रधरपुर के सरस्वती शिशु मंदिर के शिक्षक रहे हैं । वहीं उनके भाई नीलकमल मिश्रा रेलवे में टीटीई के पद पर कार्यरत हैं।

घाटशिला में 60 यात्रियों से भरी बस पलटी, एनएच-18 पर मची चीख-पुकार, पिकनिक मनाने जा रहे थे सभी

घाटशिला, एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम जिले के घाटशिला थाना क्षेत्र अंतर्गत नेशनल हाईवे 18 पर काशिदा के समीप बुधवार अहले सुबह हावड़ा से नेतरहाट पिकनिक मनाने जा रहे यात्रियों से भरी बस पलट गई। इस बस में कुल 60 यात्री सवार थे। अहले सुबह अचानक तीन बजे अनियंत्रित बस पलटी। फिर वहां चीख-पुकार मच गई।

लोग मदद के लिए आवाज लगाने लगे। आलम ऐसा था की बगल से पार हो रहे वाहनों के चालक भी सहम उठे। इधर देर रात हाईवे में पेट्रोलिंग की ड्यूटी में लगे घाटशिला थाना प्रभारी मधुसूदन डे को खबर मिलते ही वे तुरंत ही दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच गए। घटनास्थल से ही लोगों ने 108 एम्बुलेंस के लिए फोन लगवाया। लेकिन एम्बुलेंस के आने में हो रही देरी को देखते हुए घाटशिला थाना प्रभारी ने स्वयं पुलिस जवानों के संग घायलों को बड़ी मशक्कत से बस से निकालकर पुलिस वाहन से ही घाटशिला अनुमंडल अस्पताल

पहुंचाया। दुर्घटना के उस समय मानों घायलों की मदद के लिए पुलिस तुरंत ही फरिश्ता बनकर सामने आई। बता दे की पश्चिम बंगाल के हावड़ा से 60 लोग एक बस में रांची के नेतरहाट नव वर्ष का जश्न मनाने जा रहे थे। इसी क्रम में ये दुर्घटना हो गई। गनीमत रही की इतने बड़े हादसे में भी सिर्फ 4-5 लोगों को ही चोट लगी। जिनका घाटशिला अनुमंडल अस्पताल में ईलाज करवाया गया।

नए साल पर झारखंड के 5 जिलों में बारिश का अलर्ट, कई शहरों में शीत लहर का अटैक

रांची, एजेंसी। झारखंड में नए साल पर बारिश आपके पिकनिक का मजा किरकिरा कर सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक झारखंड के 5 जिलों में बारिश के आसार हैं। इन जिलों में चतरा, हजारीबाग, पलामू, कोडरमा और रामगढ़ में बारिश के आसार हैं।

इन जिलों में बढ़ा शीतलहर का प्रकोप, 10 दिन तक रहेगा प्रभाव

रांची, बोकारो और जमशेदपुर समेत कई जिलों में शीतलहर से ठंड बढ़ गई है। आसमान में बादल छाए हुए हैं। वर्षा की संभावना से इंकार नहीं कर सकते हैं। आने वाले आठ-दस दिनों तक ठंड से निजात नहीं मिल रही है। तापमान में गिरावट आई है। मंगलवार को न्यूनतम पारा 8 डिग्री सेल्सियस था।

सोमवार को भी यहां न्यूनतम तापमान इसी के आसपास था। शीतलहर का प्रकोप सोमवार से ही

है। रविवार की रात बूंदाबांदी के बाद हवा की गति तेज हो गई और ठंड का असर अप्रत्याशित रूप से बढ़ गया। मंगलवार को सुबह से लेकर दोपहर के दो बजे तक आसमान में बादल छाए रहे। दोपहर के दो बजे के बाद बादल का प्रभाव छटा, लेकिन शीतलहर की गति बरकरार रही। ठंड बढ़ने से गरीब और असहाय परिवारों के लिए रोटी की समस्या उत्पन्न हो गई है। मोटिया मजदूरों के लिए तो दोहरा मार है। ठंड के कहर के साथ-साथ उनके समक्ष रोटी की भी समस्या उत्पन्न हो गई है।

सुबह से लेकर साढे दस बजे बाजार में सन्नाटा पसरा रह रहा है। इधर कोहरे की परत भी गाढ़ी रही। कोहरा और पाला के कारण फसलों के नुकसान की संभावना जताई जा रही है।

रामगढ़ और कोडरमा में एक बच्चे को भी छात्रवृत्ति नहीं मिलने पर नाराज हुए मंत्री

अफसरों को दे दी फाइनल वार्निंग

रांची, एजेंसी। कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने रामगढ़ और कोडरमा जिले में प्री मैट्रिक छात्रवृत्ति वितरण में शून्य प्रगति पर नाराजगी प्रकट की है। मंगलवार को छात्रवृत्ति और साइकिल वितरण की समीक्षा में इन दोनों जिलों में बच्चों को छात्रवृत्ति के भुगतान नहीं होने का मामला सामने आया।

इसपर मंत्री ने जिला कल्याण पदाधिकारियों को तीन दिनों में छात्रवृत्ति का भुगतान करने के सख्त निर्देश दिए। तीन दिनों में भुगतान नहीं होन पर जिम्मेदार पदाधिकारियों और कर्मियों के जनवरी माह से रोक लगाने के निर्देश दिए।

मंत्री ने मोरहाबादी स्थित कल्याण कांप्लेस में सभी जिलों के कल्याण पदाधिकारियों, आइटीडीए के परियोजना निदेशक तथा प्रमंडलीय उप निदेशकों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से विद्यार्थियों के बीच साइकिल तथा छात्रवृत्ति वितरण के कार्य प्रगति की जिलावार समीक्षा की।

इस दौरान उन्होंने रामगढ़ तथा कोडरमा सहित सभी जिलों को तीन दिनों में छात्रवृत्ति का भुगतान करने को कहा। उन्होंने छात्रवृत्ति वितरण में कोताही बरतनेवालों के विरुद्ध कार्रवाई की चेतावनी भी दी।

मंत्री ने सभी जिलों को चार जनवरी तक प्री मैट्रिक से संबंधित सभी लंबित छात्रवृत्ति भुगतान के मामलों का निपटारा प्राथमिकता के साथ करने को कहा। कहा, कल्याण विभाग के अंतर्गत काम करनेवाले सभी पदाधिकारी और कर्मचारी यह समझें कि वे सामाजिक कार्य कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पदाधिकारी समस्या नहीं बल्कि समाधान का रास्ता निकालें। बैठक में विभागीय सचिव कृपानंद झा, आदिवासी कल्याण आयुक्त अजय नाथ झा आदि पदाधिकारी उपस्थित थे।

मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आनेवाले माह फरवरी के अंत तक पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति राशि वितरण के सभी मामलों को पूरा कर ली जाए।

उन्होंने कहा कि छात्रवृत्ति वितरण कल्याण विभाग का एक महत्वपूर्ण कार्य है। अध्ययनरत विद्यार्थियों को समय पर छात्रवृत्ति राशि मिलने से उन्हें शैक्षणिक पाठ्यक्रमों तथा परीक्षा की तैयारी में मदद मिलती है। मंत्री ने जनवरी माह के अंत तक साइकिल वितरण का कार्य पूरा करने की समय सीमा भी निर्धारित की है। उन्होंने कहा कि साइकिल वितरण योजना का उद्देश्य कक्षा आठ उत्तीर्ण करनेवाले विद्यार्थियों का ड्राप आउट रोकना है। इसे ध्यान में रखकर साइकिल का वितरण समय पर हो।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि आनेवाले दिनों में भी सत्र प्रारंभ होने के साथ ही विद्यार्थियों को साइकिल उपलब्ध कराने का कार्य योजना तैयार रखें। किसी भी हाल में साइकिल वितरण कार्य में विलंब नहीं होना चाहिए।

झारखंड में हर दिन औसतन पांच लोगों की हो रही हत्या : बाबूलाल मरांडी

रांची, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने राज्य की गिरती कानून व्यवस्था को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने सोमवार को सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट में लिखा है कि झारखंड में प्रतिदिन औसतन पांच लोगों की हत्या हो रही है। मरांडी ने राज्य अपराध अभिलेख ब्यूरो (एससीआरबी) के आंकड़ों के हवाले से लिखा है कि इस वर्ष जनवरी से अक्टूबर तक के बीच 1400 लोगों की हत्या की जा चुकी है। इस दौरान सिर्फ आमलोग ही नहीं, बल्कि पुलिस अधिकारी, अधिवक्ता और जनप्रतिनिधि भी असमय मौत के घाट उतार दिए गए हैं। झारखंड में अपराध का ग्राफ चिंताजनक रूप से ऊपर चढ़ रहा है। बाबूलाल ने लिखा है कि विधि व्यवस्था सुदृढ़ बनाये रखना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है लेकिन मुख्यमंत्री नागरिकों की सुरक्षा में पूरी तरह विफल साबित हो रहे हैं। उन्होंने कहा है कि झारखंड में बढ़ता अपराध आमलोगों के जेहन में खौफ पैदा कर रहा है। यदि तुरंत ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो राज्य की स्थिति और भयावह हो सकती है। राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन को अपराध नियंत्रण के लिए मजबूत इच्छाशक्ति के साथ ठोस कदम उठाए जाने की जरूरत है।

सुभाषितम्

आकाश में उड़ने वाले पंछी को भी अपने घर की याद आती है।

- प्रेमचंद

मणिपुर के मुख्यमंत्री ने हिंसा में सैकड़ों लोगों के मरने के बाद मांगी माफी

मणिपुर के मुख्यमंत्री वीरेन सिंह ने बीते साल 2024 के अंतिम दिन मणिपुर की जनता से माफी मांगी है। पिछले 600 दिन से अधिक जाति हिंसा में 200 से अधिक लोगों की मौत हो गई है। मणिपुर में जाति हिंसा के कारण पिछले कई महीने से मणिपुर के हजारों नागरिक महिलाएं और बच्चे शिवरों में रह रहे हैं। मुख्यमंत्री ने आई एम सॉरी कहते हुए सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है। मणिपुर में पिछले 600 दिनों से दोनों समुदायों के बीच लगातार हिंसा हो रही है। मणिपुर में महिलाओं को नंगा करके घुमाया गया। हजारों लोग अपनी जान बचाने के लिए शिवरों में जाकर रहने के लिए विवश हुए हैं। अभी भी हिंसा का दौर थमा नहीं है। केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री ने राजनीतिक हितों के संवर्धन के लिए मणिपुर राज्य को हिंसा में सुनिश्चित रूप से सोची-समझी रणनीति के तहत झोंक दिया। अनेक चर्च जला दिए गए। एक समुदाय विशेष को शक्तिशाली बनाने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा जो खेल खेला गया, उसके कारण पिछले 20 महीने से मणिपुर में लगातार हिंसा हो रही है। पुलिस में सैकड़ों मामले हिंसा के दर्ज हैं। मणिपुर में 500 बार से अधिक गोलीबारी और आपसी मुठभेड़ में सैकड़ों नागरिक मारे गए हैं। सरकारी दफ्तर खाली पड़े हुए हैं। मैतई समुदाय के इलाके में कुकी समुदाय के सरकारी कर्मचारी काम करने के लिए नहीं पहुंच रहे हैं। इसी तरह कुकी समुदाय के बीच मैतई समुदाय के सरकारी कर्मचारी काम करने नहीं जा पा रहे हैं। यही स्थिति पुलिस थानों की है। यही स्थिति अस्पतालों की है। सुंदर एवं शांत मणिपुर वर्तमान में अशांति का टापू बना हुआ है। इसका असर पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों पर भी पड़ रहा है। कहा जाता है, मणिपुर में केंद्र सरकार ने डबल इंजन की सरकार बनाने के लिए वीरेन सिंह को अपना प्यादा बनाया था। मणिपुर में संघ के अनुवांशिक संगठनों ने जाति अलगाव पैदा करने का काम शुरू किया। हिंदू और ईसाई समुदाय के बीच में जानबूझकर आरक्षण के नाम पर तनाव बढ़ाया गया। जिसके कारण बड़े पैमाने पर हिंसा हुई। राजनीतिक हल्कों में कहा जा रहा है कि मणिपुर में निर्वाचित सरकार के नाम पर जोड़-तोड़ करके डबल इंजन की सरकार बनाई गई थी। वीरेन सिंह भले मुख्यमंत्री हैं, लेकिन सही मायने में सारे निर्णय केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा मणिपुर के बारे में लिए जाते हैं। अनसुईया उईके यहां की पहले राज्यपाल थीं। वो आदिवासी समुदाय से आतीं थीं, उन्होंने शांति बनाने का बहुत प्रयास किया। उन्हें काम करने का मौका नहीं दिया गया। जिसके कारण मणिपुर आज सबसे अशांत राज्य के रूप में देश और दुनिया में पहचाना जा रहा है। बहरहाल मुख्यमंत्री वीरेन सिंह ने माफी मांग कर शांति स्थापना की दिशा में एक नई शुरूआत की है। दोनों समुदायों के बीच समन्वय बनाने के लिए, बिना किसी स्वार्थ के यदि प्रयास किए जाएंगे तो निश्चित रूप से मणिपुर में शांति स्थापित करने में मदद मिलेगी। जब तक केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह इस मामले में खुद पहल नहीं करेंगे, तब तक शांति स्थापित नहीं हो सकती है। अमित शाह को मणिपुर में हुई हिंसा के लिए माफी मांगते हुए शांति स्थापित करने का वास्तविक प्रयास करना होगा तभी जाकर मणिपुर में शांति स्थापित हो सकती है। मणिपुर में मुख्यमंत्री दोनों समुदायों के बीच में अपनी विश्वसनीयता और लोकप्रियता को खो चुके हैं। मुख्यमंत्री वीरेन सिंह की माफी से वहां सकारात्मक रुख देखने को मिलेगा। बदली हुई, मुख्यमंत्री की माफी को राजनीतिक स्थिति से जोड़कर देखा जा रहा है। मणिपुर के विधायक और दोनों समुदाय की जनता मुख्यमंत्री से नाराज है। वीरेन सिंह अपने ही मैतई समुदाय की नाराजी का सामना कर रहे हैं। मणिपुर में दोनों समुदाय के लोग विशेष रूप से महिलाएं और बच्चे काफी परेशान हैं। ऐसी स्थिति में मुख्यमंत्री वीरेन सिंह ने माफी मांगकर, बातचीत का रास्ता खोलने का प्रयास किया है, वर्तमान स्थिति में यह सही कदम है। सत्ता के सभी सूत्र केंद्रीय गृह मंत्रालय से जुड़े हुए हैं।

चिंतन-मनन

मृत्यु की चिंता और चिंतन का महत्व

एक महात्मा अपने शिष्यों के साथ जंगल में आश्रम बनाकर रहते थे और उन्हें योगाभ्यास सिखाते थे। वह सत्संग भी करते थे। एक शिष्य चंचल बुद्धि का था। बार-बार गुरु से कहता, आप कहां जंगल में पड़े हैं, चलिए एक बार नगर की सैर करके आते हैं। महात्मा ने कहा, मुझे तो अपनी साधना से अवकाश नहीं है। तुम चले जाओ। शिष्य अकेला ही नगर चला गया। नगर में बाजार की शोभा देखी। मन अति प्रसन्न हुआ। इतने में एक भवन की छत पर निगाह पड़ी। देखा कि एक परम सुंदरी छत पर कपड़े सुखा रही है। बस वह कामदेव के बाण से आहत हो गया। जब शिष्य आश्रम लौटा तो चेले का चेहरा देखकर महात्मा जान गए कि यह बच्चा काम वासना शिकार हो गया है। पूछने पर चेले ने उत्तर दिया - गुरुदेव! हृदय में असहनीय पीड़ा हो रही है। महात्मा बोले, क्या नजर का कांटा हृदय में गड़ गया? चेले ने सारा वृत्तांत कह सुनाया। चेले से गुरुजी ने उस स्त्री का पता पूछा तो पता चला कि वह नगर के एक सेठ की पत्नी है। महात्मा ने एक पत्र के जरिए सेठ को अपनी पत्नी को लेकर आश्रम में एक रात के लिए आने के लिए कहा। सेठ आया तो उसे अलग बैठाकर महात्मा स्त्री को लेकर शिष्य के पास गए और कहा, यह स्त्री रात भर तेरे पास रहेगी, पर ध्यान रखना कि सूर्य निकलते ही तेरा देहांत हो जाएगा। उस स्त्री को सारी बात बता कर आश्वासन दिया कि तुम्हारे धर्म पर कोई आंच नहीं आएगी। इधर चेला रात भर कांपता रहा। सारी वासना काफूर हो गई। सुबह गुरुजी ने पूछा, तेरी इच्छा पूरी हुई? शिष्य ने आपबीती सुना दी। स्त्री को सम्मानपूर्वक सेठ के साथ रवाना कर महाराजजी ने शिष्य से कहा, मृत्यु की चिंता और चिंतन सदा करते रहना चाहिए। यही तुझे बचाएगी।

कटघरे में नीतीश सरकार

कुमार कृष्णन

1974 के छात्र आंदोलन उपज रहे मुख्य नीतीश कुमार के निजाम में छात्रों को साथ बर्बरतापूर्ण व्यवहार उनके लिए भारी पड़ सकता है। सिर्फ दिसम्बर में उन पर बर्बरतापूर्ण लाठी चार्ज किए गए। ठंड से ठिठुरन होने के बावजूद उन पर पानी की बौछार करवाने की जरूरत नीतीश कुमार को क्यों पड़ी? अब तक मुख्य मंत्री नीतीश कुमार का कोई वयान नहीं आया है। बीपीएससी छात्रों पर लाठीचार्ज की घटना के बाद बिहार की सियासत में उबाल आ गया है। छात्रों पर लाठीचार्ज के बाद अब राजनीतिक दलों के नेता राजनीति करने लगे हैं। पूरे विपक्ष ने नीतीश सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। बिहार में बीपीएससी परीक्षा में धांधली का लेकर छात्रों का आंदोलन उठ खड़ा हुआ है। छात्रों की मांग है कि सभी 912 केन्द्रों में बीपीएससी प्रारम्भिक परीक्षाएं दोबारा हों। इस मांग पर पखवाड़े भर से जारी आंदोलन को कुचलने के लिये बिहार सरकार अब बर्बरता पर उतर आई है। रविवार की रात को पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान के पास एकत्रित हजारों परीक्षार्थियों पर पुलिस ने भीषण लाठी चार्ज किया और कड़कड़ाती ठंड में पानी की बौछारें की। उनका जमावड़ा सुबह से होने लगा था जिन्हें पुलिस बार-बार चेतावनी दे रही थी कि उन्हें प्रदर्शन की इजाजत नहीं है। इसे अनसुना करते हुए बड़ी संख्या में एकत्र हुए परीक्षार्थी पुलिस के बल प्रयोग से घायल हुए हैं तथा अनेक लोगों के खिलाफ पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट दर्ज हुई है।

नौजवानों के इस जुटान का फायदा लेने के लिये जनसुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर भी पहुंचे और मुख्य सचिव से मिल आये। लौटकर उन्होंने इस बात का श्रेय लेने की कोशिश की कि वे 5 प्रतिनिधियों के मिलने की अनुमति लाने में सफल हुए हैं। यदि इसके बाद भी परीक्षार्थी संतुष्ट न हुए तो उससे ऊपर बात की जायेगी। हालांकि रविवार को जब लाठी चार्ज हो रहा था, तो वे मौके से गायब ही हो गये थे। बहरहाल, यह मुद्दा अब लगातार गर्मा रहा है और लोगों में रोष है। अगले साल बिहार विधानसभा चुनाव होने हैं जिसके लिये मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्य भर में प्रगति यात्रा निकाल रहे हैं। युवाओं के साथ यह जुल्म और उनकी अनसुनी नीतीश व उनकी गठबन्धन सरकार को महंगी पड़ सकती है। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की 70 वीं प्रारंभिक परीक्षा को रद्द करने और पुनर्परीक्षा कराने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों पर वाटर कैनन का इस्तेमाल और लाठी चार्ज के मामले को लेकर सोमवार को पूर्णिया के निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव राजभवन पहुंचे और राज्यपाल से

मुलाकात की। राजभवन से निकलने के बाद सांसद पप्पू यादव ने कहा कि राज्यपाल ने उनकी बातों को सुना। उन्होंने बताया, राज्यपाल ने उनके सामने ही बीपीएससी चेयरमैन से बात की और जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को बुलाने की बात कही है। उन्होंने मुख्यमंत्री से बात करने का भी भरोसा दिया है। बच्चों पर हुए लाठीचार्ज की जांच की बात भी की है।पप्पू यादव ने जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर का बिना नाम लेते हुए कहा कि फ्रॉड किशोर ने बच्चों को गालियां दीं। वे बच्चों की ताकत नहीं जानते हैं। निर्दलीय सांसद ने राज्यपाल को एक ज्ञापन भी सौंपा है। इसमें परीक्षा को पूर्ण रूप से रद्द करने और पुनर्परीक्षा कराने तथा लाठीचार्ज के दौरान महिला परीक्षार्थियों के साथ दुर्व्यवहार की निष्पक्ष जांच तथा प्रदर्शनकारी छात्रों पर दर्ज मुकदमा वापस लेने की मांग की है।इससे पहले पप्पू यादव ने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट करते प्रशांत किशोर पर अभ्यर्थियों को धमकाने का आरोप लगाते हुए लिखा, प्रशांत किशोर खुद नया नेता बने हैं, और छात्रों को धमका रहे हैं, अपनी औकात का धौंस दिखा रहे हैं। आज जब धेले भर की चुनावी औकात नहीं है तो अहंकार टपक रहा है, छात्रों के सामने बड़ी-बड़ी बातें कर रहे हैं। छात्र पुलिस से पिट रहे थे आप पीठ दिखाकर भाग गए, सवाल पूछने पर गाली? दूसरी ओर बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की 70वीं प्रारंभिक परीक्षा (पीटी) को रद्द करने की मांग को लेकर आंदोलनरत अभ्यर्थियों का एक प्रतिनिधिमंडल बिहार के मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा से मिला। हालांकि, इस बातचीत का फिलहाल कोई नतीजा नहीं निकला है। इस बीच छात्रों ने धरना जारी रखने का निर्णय लिया है। प्रतिनिधिमंडल में शामिल अनु कुमारी ने कहा, उन्होंने हमारी सारी बातों को सुना, ऐसा लगता है कि निर्णय होगा। उन्होंने कहा कि ब्यूरोक्रेसी में एक पैमाना होता है, निर्णय लेने का। जांच करने के बाद निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने मुख्यमंत्री के पटना आने के बाद मुलाकात करवाने का भी आश्वासन दिया।1राम कश्यप ने कहा, उनका कहना था कि एक केंद्र पर 18 हजार बच्चे हैं। ऐसा पहले भी हुआ है कि एक परीक्षा केंद्र की परीक्षा रद्द की गई है। इसके बाद मैंने 28 केंद्रों की सूची सौंपी, जिसमें अनियमितता बरती गई। प्रतिनिधिमंडल में शामिल सुभाष का कहना है कि जब तक निर्णय नहीं होता है तब तक धरना जारी रहेगा। मुख्य सचिव को कुछ सबूत भी दिए गए हैं। हम लोगों ने 4 जनवरी की बापू परिसर में पुनर्परीक्षा को स्थागित करने की बात भी कही है तथा छात्रों पर हुए मुकदमा को वापस करने की मांग रखी गई है।

70वीं संयुक्त (प्रारम्भिक) परीक्षा को लेकर 18 दिसम्बर से प्रदर्शन जारी है। रविवार को परीक्षार्थियों ने प्रदर्शन का ऐलान कर रखा था। पुलिस ने पहले ही मैदान के सारे गेट बन्द कर दिये। परीक्षार्थी फिर भी मुख्यमंत्री निवास की ओर बढ़ने लगे। उन्हें पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रोक दिया। जब वे इसके बावजूद नहीं रुके तो उन के खिलाफ बल प्रयोग किया गया। उल्लेखनीय है कि इस परीक्षा के लिये सितम्बर में विज्ञापन जारी हुआ था। इसमें शामिल होने के लिये लगभग 5 लाख लोगों ने आवेदन किया था। 3.25 लाख ने 13 दिसम्बर को परीक्षा दी परन्तु इसके पर्चे लीक होने, कई कोचिंग संस्थानों द्वारा दिये गये प्रश्नपत्रों से सवाल मिलने तथा अन्य अनियमितताओं के कारण इस परीक्षा को रद्द करने की मांग होने लगी, लेकिन बीपीएससी के परीक्षा नियंत्रक राजेश कुमार सिंह ने स्पष्ट कर दिया है कि परीक्षा रद्द होने का सवाल ही नहीं है। बेहतर है कि परीक्षार्थी मुख्य परीक्षा की तैयारियों में जुट जायें।

यह मुद्दा कहां तक जाता है और सरकार परीक्षार्थियों की मांगें पूरी करती है या नहीं, यह तो आने वाला वक़्त ही बतायेगा; परन्तु रविवार के प्रदर्शन में हुई पुलिस कार्रवाई का खामियाजा नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) एवं सहयोगी भारतीय जनता पार्टी के गठबन्धन को भुगतना पड़ सकता है जिन्हें फिर से जनता का सामना करना है। प्रदर्शनकारियों का तो साफ कहना था कि उनकी परीक्षा के बाद 2025 में नीतीश कुमार सरकार की परीक्षा होगी। इशारा साफ है कि दोनों पार्टियों का मताधार खिसक सकता है।

दिल्ली चुनावों पर रेवड़ी कल्चर का खतरनाक साया

ललित गर्ग

दिल्ली विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहे हैं, राजनीतिक सरगर्मी उग्र से उग्रत्तर होती जा रही है। आम आदमी पार्टी मतदाताओं को लुभाने की कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है। चुनाव से पहले अब आम आदमी पार्टी ने एक ऐसी लुभावनी, मतदाताओं को आकर्षित करने की योजना की घोषणा की है जिसके अन्तर्गत मंदिरों के पुजारियों और गुरुद्वारा साहिब के ग्रंथियों को 18 हजार रुपए महीने दिए जाएंगे। इस योजना का नाम पुजारी-ग्रंथी योजना है। मुस्लिम धर्म एवं उनके अनुयायियों को रिझाते-रिझाते एकदम से केजरीवाल को हिन्दू धर्म के पुजारी एवं सिख धर्म के ग्रंथी क्यों याद आ गये? विडम्बना है कि विभिन्न राजनीतिक दल मतदाताओं को लुभाने के लिए मुफ्त उपहार बांटने, तोहफों, लुभावनी घोषणाएं एवं योजनाओं की बरसात करने का माध्यम बनते जा रहे हैं। बजट में भी रेवड़ी कल्चर का स्पष्ट प्रचलन लगातार बढ़ रहा है, खासकर तब जब उन राज्यों में चुनाव नजदीक हों। फ्रीबीज या मुफ्त उपहार न केवल भारत में बल्कि पूरी दुनिया में वोट बटोरने का हथियार हैं। यह एक राजनीतिक विसंगति एवं विडम्बना है जिसे कल्याणकारी योजना का नाम देकर राजनीतिक पार्टियां राजनीतिक लाभ की रोटियां सेंकती है। अरविन्द केजरीवाल ने तो दिल्ली में अपनी हार की संभावनाओं को देखते हुए सारी हदें पार कर दी है। बात केवल आम आदमी पार्टी, कांग्रेय या भाजपा की ही नहीं है, बल्कि हर राजनीतिक दल सरकारी खजानों का उपयोग आम मतदाता को अपने पक्ष में करने के लिये करता है।

मुफ्त की सौगात राजनीतिक फायदे के लिए जनता को दाना डालकर फंसाने वाली पहल है, एक तरह से दाना डालकर मछली पकड़ने जैसा है। ऐसी सौगातें सिर्फ गरीबों के लिए नहीं बल्कि सभी के लिए होती है, जिसके पीछे आम आदमी पार्टी के संयोजक जैसे राजनेताओं का एकमात्र उद्देश्य देश में अपनी और अपनी पार्टी का प्रभुत्व स्थापित करना है। केजरीवाल के द्वारा चुनावों में मुफ्त की घोषणाएं करना कोई नया चलन नहीं है। अपने देश में रेवड़ियां बांटने का वादा और फिर उन पर जैसे-तैसे और अक्सर आधे-अधूरे ढंग से अमल का दौर चलता ही रहता है। लोकलुभावन वादों को पूरा करने की लागत अंततः मतदाताओं को खासकर करदाताओं को ही वहन करनी पड़ती है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने भी मुफ्त रेवड़ियां बांटने के चलन पर गंभीर चिंता जताई थी। नीति आयोग के साथ रिजर्व बैंक भी मुफ्त की रेवड़ियों पर आपत्ति जता चुका है, लेकिन राजनीतिक दलों पर कोई असर नहीं। कई बार तो वे अपात्र लोगों को भी मुफ्त सुविधाएं देने के वादे कर देते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी कुछ समय पहले उन दलों को आड़े हाथों लिया था, जो वोट लेने के लिए मुफ्त की रेवड़ियां देने के वादे करते हैं। उनका कहना था कि रेवड़ी बांटने वाले कभी विकास के कार्यों जैसे रोड, रेल नेटवर्क आदि का निर्माण नहीं करा सकते। वे अस्पताल, स्कूल और गरीबों के घर भी नहीं बनवा सकते। यदि कोई नेता या राजनीतिक दल गरीबों को कोई सुविधा मुफ्त देने का वादा कर रहा है तो उसे यह भी बताना चाहिए कि वह उसके लिए धन कहां से लाएगा? अनेक अर्थशास्त्री मुफ्त उपहार बांटकर लोगों के वोट खरीदने की खतरनाक प्रवृत्ति के प्रति आगाह कर चुके हैं, लेकिन उनकी चिंताओं से नेता बेपरवाह हैं। वे यह देखने को तैयार ही नहीं कि अनाप-शनाप चुनावी वादों को पूरा करने की कीमत क्या होती है और उनसे आर्थिक सेहत पर कितना बुरा असर पड़ता है। रेवड़ी संस्कृति अर्थव्यवस्था को कमजोर करने के साथ ही आने वाली पीढ़ियों के लिए घातक भी साबित होती है। इससे मुफ्तखोरी की संस्कृति जन्म लेती है। मुफ्त की सुविधाएं पाने वाले तमाम लोग अपनी आय बढ़ाने के जतन करना छोड़ देते हैं। दिल्ली में महिलाओं एवं किन्नरों को भी डीटीसी बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा की घोषणाएं की गयी है, जिन्हें इस तरह की सुविधा की जरूरत नहीं। आधी आबादी को मुफ्त यात्रा की सुविधा देने से दिल्ली में डीटीसी को हर साल करोड़ों रुपये तक का नुकसान हुआ है। इस राशि का उपयोग दिल्ली के इन्फ्रास्ट्रक्कर पर किया जा सकता है। लेकिन केजरीवाल ने ऐसी विकृत राजनीति को जन्म दिया है, जिसमें विकास पीछे छूट गया है। राजनीतिक दलों में ऐसी मुफ्त की संस्कृति की प्रतिस्पर्धा का परिणाम अनुसंधान एवं विकास व्यय, स्वास्थ्य व शिक्षा व्यय और रक्षा व्यय में कमी के रूप में देखने को मिले तो कोई आश्चर्य नहीं है। पिछले दस वर्षों में दिल्ली का विकास ठप्प है। हम दक्षिण कोरिया के रास्ते पर चलकर भविष्य में एक विकसित अर्थव्यवस्था बनेंगे या हमेशा एक विकासशील राष्ट्र बने रहेंगे, यह हमारे द्वारा अभी चुने गए विकल्पों से निर्धारित होगा। ऐसी मुफ्त की सुविधा, सम्मान एवं लोकलुभावन की घोषणाओं से कहीं हम पाकिस्तान एवं बांग्लादेश की तरह अपनी अर्थ-व्यवस्था को रसातल में न ले जाये?

आप सुप्रीमो ने केवल आप सरकारों बल्कि विपक्षी दलों को अपने राज्यों में पुजारियों-ग्रंथियों को सम्मान राशि देने जैसे परियोजनाएं शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा है कि वे नई योजना में बाधा न डालें, ऐसा करके वे भगवान को क्रोधित करेंगे। भला राजनीतिक स्वार्थ की रोटियों के बीच भगवान कहां से आ गये? शिक्षा एवं चिकित्सा जैसी मूलभूत योजनाएं तो ठीक से चला नहीं पाते, अच्छे-भले सम्पन्न एवं निष्कंटक जीवन का निर्वाह करने वाले लोगों के लिये मुक्त की सुविधाएं कैसे कल्याणकारी हो सकती है? पंजाब विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी ने महिलाओं को नगद राशि देने की घोषणा की थी, क्या हुआ उस योजना का दिल्ली में 250 से अधिक इमामों को 17 महीने से अधिक समय से वेतन नहीं मिला है। मुफ्त बिजली एवं पानी देने की घोषणाएं भी ठण्डे बस्ते में चली गयी। ऐसी अनेक घोषणाएं हैं जो चुनावी मुद्दा तो बनती है, मतदाताओं को लुभाती है, लेकिन चुनाव जीतने के बाद धरती पर उतरती कभी नहीं। सभी राजनीतिक दलों की बड़ी लुभावनी घोषणाएं होती हैं, घोषणा पत्र होते हैं-जनता को पांच वर्षों में अमीर बना देंगे, हर हाथ को काम मिलेगा, सभी के लिए मकान होंगे, सड़कें, स्कूल-अस्पताल होंगे, बिजली और पानी, हर गांव तक बिजली पहुंचाई जायेगी, शिक्षा-चिकित्सा निःशुल्क होगी।

प्रबिस नगर कीजे सब काजा, हृदय राखि कौशलपुर राजा

राकेश अचल

नए साल का आगाज आप चाहे प्रबिस नगर कीजे सब काजा, हृदय राखि कौशलपुर राजा का सुरन कर कीजिये या कहिये या बिस्मिल्लाह-हिर्रहमा-निर्रहीम कहकर। दोनों का अर्थ, निहितार्थ यानि मतलब एक ही है। यानि जो कीजिये सर्वशक्तिमान को स्मरण कर कीजिये ताकि वर्ष 2025 में कुछ तो ऐसा हो जो 2024 से अलग हो, सुकून देने वाला हो। ये दोनों जुमले हमने बचपन में अपने पुरखों से सुने थे। आज की पीढ़ी के लिए ये जुमले शायद अनजान से हों किन्तु हिंदुस्तान के जनमानस में ये दोनों जुमले रचे-बसे हुए हैं। नया साल लगने से पहले एक काम तो ये हुआ कि जो काम देश के प्रधानमंत्री जी को करना था वो काम मणिपुर के नाकाम,मुख्यमंत्री वीरेन कुमार ने कर दिया ,यानि मणिपुर की हिंसा के लिए माफी मांग ली ,लेकिन ये नाकाफी है, उन्हें अपनी नाकामी के लिए माफी मांगने के बजाय अपने पद से त्यागपत्र देना चाहिए था। लेकिन शायद इसकी इजाजत उनकी पार्टी के आला कमान ने उन्हें नहीं दी होगी। वैसे देश से ,मणिपुर से संसद में माफी मांगी जाना चाहिए थी वो भी प्रधानमंत्री जी की और से तो लगता कि सरकार को डेढ़ साल से जल रहे मणिपुर में अपनी नाकामियों का अहसास है और वो अपनी गलती पर शर्मिंदा है। हम लोग भी दुनिया के दुसरे मुल्कों की तरह सनातनी हैं ,आशावादी हैं ,इसलिए उम्मीदें पालकर आगे चलते हैं। उम्मीदों के सहारे ही दुनिया आगे बढ़ती आयी है। हमें उम्मीद है कि हमारे प्रधानमंत्री अपना राजहठ छोड़कर नए साल में रूस, यूक्रेन, नाइजीरिया जाने के बजाय एक-दो बार मणिपुर जरूर जायेंगे। वहां की जनता से बात करेंगे, वहां शांति स्थापना के लिए उपवास, व्रत ,ध्यान करेंगे। ये और बात है कि वे ऐसा करेंगे नहीं ,क्योंकि यदि उन्हें मणिपुर की आग को शांत करने के लिए गांधीवादी तरीका इस्तेमाल करना होता तो वे पहले ही ऐसा कर चुके होते। बहरहाल उम्मीदों पर हमारा भी यानि देश की जनता का आस्मां टिका है ,टिका रहेगा। नए साल में दुनिया में शांति स्थापित हो ये हमारा ही नहीं पूरी दुनिया का सपना है। शांति से ही प्रगति का रास्ता खुलता है ,यदि हम खोलना चाहें तो। यदि हम भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण महकमे की तरह मोहन जोदाड़ो की नई संस्कृति और सभ्यता का पता लगाने के लिए पूरे देश में उत्खनन करना चाहते हैं तो बात और है।हमें अपनी ताकत, अपने स्रोत विज्ञान के अन्वेषण पर खर्च करना चाहिए,क्योंकि हम दुनिया से अन्वेषण के मामले में लगातार पिछड़ रहे हैं। नए साल में यदि हम चीनी माल से अपनी निर्भरता से मुक्ति का अभियान चला पाएं तो मुमकिन है कि साल 2025 ,पिछले साल 2024 के मुकाबले यादगार बन जाये। भारत की बात करें तो हम भारत के लोग न कांग्रेस मुक्त भारत चाहते हैं और न भाजपायुक्त भारत। हमें एक ऐसा भारत चाहिए जिसमें सभी तत्व मौजूद हों। सब मिलजुल कर सचमुच सबका विकास कर सकें वो भी सबको साथ लेकर। अभी हम केवल और केवल हिन्दुओं को साथ लेकर हिन्दुओं का विकास और बाकियों का सत्यानाश करने का काम कर रहे हैं। ये हकीकत है ,कोई माने तो ठीक और न माने तो भी ठीक।

आज का राशिफल

मेष आज नया वर्ष के प्रथम दिन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य प्राप्त होने से करियर के लिए हौसला मिलेगा।

तुला आज आपके चारों ओर सुखद वातावरण रहेगा। बाहर जाते समय सर्तकता बरते।

वृषभ आज राजनीति के क्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी। सरकार और सत्ता का साथ मिलेगा।

वृश्चिक दिन आपके बिजनेस के नाम रहेगा। परिवार के साथ सामाजिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे।

मिथुन आज व्यग्रता के कारण किसी मूल्यवान वस्तु के खोने या चोरी होने का भय बन रहेगा।

धनु आपकी प्रशंसा करेंगे। शासन सत्ता पक्ष से निकटता व गठजोड़ का लाभ भी मिलेगा।

कर्क आज नए साल आरंभ पर कोई उत्तम संपत्ति का संकेत कर रहा है। करियर के क्षेत्र में प्रगति होगी।

मकर आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। करियर के क्षेत्र में चल रहे नए प्रयास होंगे।

सिंह सौम्यता आपको सम्मान दिलाएगी। नए साल पर किसी मनोरंजक स्थान पर जाने का मौका मिलेगा।

कुंभ आपको आंशिक सफलता ही मिल पाएगी। राशि का स्वामी शनि अब मार्गी चल रहा है।

कन्या आज बुध सुख की वृद्धि कर रहा हैं। नए साल में परिवार के साथ मौज मस्ती करेंगे।

मीन कुछ चिताएं होंगी। बिजनेस के मामले में कई दिन से चला आ रहा गतिरोध समाप्त हो जाएगा।

विशेष

सीएम का माफी मांगने के आशय

मणिपुर में लगातार हो रही जातिगत हिंसा को देखते हुए अब सीएम का मन बदला है। यही कारण है कि मुख्यमंत्री वीरेन सिंह ने गुजरे साल 2024 के अंतिम दिन मणिपुर की जनता से माफी भी मांग ली है। गौरतलब है कि मणिपुर में काफी लंबे टाइम से जारी हिंसा में करीब 200 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। इस जातिगत हिंसा के चलते पिछले कई महीनों से मणिपुर के हजारों नागरिक जिनमें महिलाएं और बच्चे शामिल हैं राहत शिवरों में रहने को मजबूर हैं। बहरहाल मुख्यमंत्री वीरेन सिंह ने अब आई एम सॉरी कहते हुए सार्वजनिक रूप से माफी मांग कर संदेश दे दिया है कि अब बहुत हुआ, अब शांति की ओर चलें। इस पर सियासी गलियारे में सवाल गूंज रहा है कि बिना केंद्र के दखल के क्या मणिपुर शांत हो सकता है, इसके लिए मोदी नेतृत्व वाली सरकार खासकर शाह को आगे आना ही होगा, वर्ना जो हो रहा है वह बहुत बुरा हो रहा है। यही कहा जा सकता है।

एक देश-एक परीक्षा, युवाओं के साथ धोखा

केंद्र की वर्तमान सरकार एक देश एक चुनाव की बात कर रही है। देश में एक साथ जो सरकार परीक्षा नहीं करा सकती है। वह एक साथ लोकसभा और विधानसभा के चुनाव सभी राज्यों में कराने की बात करती है। सरकार ने एक साथ परीक्षा के लिए नेशनल टेस्ट एजेंसी का गठन किया था। उसने भी अपने हाथ- पेर उठा दिए हैं। इस एजेंसी ने प्रतियोगी परीक्षाओं को कराने से इनकार कर दिया है। नेशनल टेस्ट एजेंसी आउटसोर्स कंपनियों से परीक्षाएं आयोजित करा रही थी। वह भी सही तरीके से नहीं करा पाई। इसकी हर परीक्षा के पेपर लीक हुए।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1492 स्पेन ने मूरो से ग्रेनाड छीन लिया. 1757 नवाब सिराजुद्दौला से राबर्ट क्लाइव ने कलकत्ता छीन लिया. 1799 नेपोलियन बोनापार्ट अपनी सेना के साथ सीरिया पहुंचा. 1899 रामकृष्ण मिशन के भिक्लुओं ने वैलूर मठ में रहना शुरू किया. 1900 अमरीका ने चीन के लिए खुली नीति की घोषणा की. 1905 रूस ने मंचूरियाई हरपोर्ट आर्थर जापानियों के हवाले कर दिया. 1943 यूनान ने चियोस द्वीप स्थित तुर्की के शस्त्रगार पर कब्जा किया. 1932 मंचूरिया में मंचूकओ गणराज्य की स्थापना हुई थी. 1937 स्पेन की स्वतंत्रता की रक्षा हेतु इंग्लैंड और इटली में समझौता. 1942 द्वितीय विश्व युद्ध में जापानियों ने फिलीपीस की राजधानी मनीला पर कब्जा किया था. 1965 अयूब खान पाकिस्तान में राष्ट्रपति चुनाव में विजयी हुए. 1973 जनरल एसएचएफजे मानेका फील्ड मार्शल बनाए गए.1988 मोजाम्बिक की पश्चिमी सीमा पर ट्रेन पर छापामारों ने हमला किया जिससे 22 यात्री मारे गए और 7। अन्य घायल हो गए.

दैनिक पंचांग

2 जनवरी 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	धनु में	मकर	07.35 बजे से
चंद्र	मकर में	कुंभ	09.21 बजे से
मंगल	कर्क में	मीन	10.54 बजे से
बुध	वृश्चिक में	मेष	12.25 बजे से
गुरु	वृष में	वृष	14.05 बजे से
शुक्र	कुंभ में	मिथुन	16.03 बजे से
शनि	कुंभ में	कर्क	18.16 बजे से
राहु	मीन में	सिंह	20.33 बजे से
केतु	कन्या में	कन्या	22.44 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		तुला	00.55 बजे से
		वृश्चिक	03.10 ब.से
		धनु	05.26 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का दूसरा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास पौष **पक्ष** शुक्ल
तिथि तृतीया 01.09 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र श्रवण 23.11 बजे को समाप्त।
योग हर्षण 14.58 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 13.49 बजे तदनन्तर गर 01.09 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 02.1 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 22° 55'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872212
जूलियन दिन 2460677.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रज्जब
तारीख 01

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

कुकिंग एंड बेकरी शेफ बनकर करें कॅरियर को रोशन

जायकेदार खाना बनाने की कला से आप एक छोटे लोकल पब से लेकर फाइव स्टार या फिर इंटरनेशनल होटल में अपनी जगह बना सकते हैं। बस दिखाना है अपनी उंगलियों का कमाल, बनाना है ऐसा खाना की सामने वाला सिर्फ खाना ही नहीं बल्कि उंगलियां भी चाटता रह जाए। अगर आपका इंटरेस्ट कुकिंग, बेकिंग और लजीज खाना बनाने में है, अगर आप डिफरेंट डिशेज के साथ एक्सपेरिमेंट करना पसंद करते हैं तो एक नया करियर ऑपशन आपके इंतजार में हैं। होटल मैनेजमेंट में इन दिनों करियर बनाने के कई ऑपशन मौजूद हैं और उनमें से एक है कुकिंग एंड बेकरी।

कार्य प्रकृति

कुकिंग और बेकरी का कोर्स आपके लिए एक अच्छा ऑपशन बन सकता है, यदि आप एक बेहतर शेफ बनाना चाहते हैं। खाने की सम्पूर्ण जिम्मेदारी से लेकर किचन का रख-रखाव शेफ की निगरानी में होता है। हालांकि कई बार शेफ को फ्रंट में भी आना पड़ता है। ये एक मैनेजरियल एक्टिविटी का ही हिस्सा होता है, ताकि उसे पता चल से कि लोगों को क्या पसंद आ रहा है। और उसके अनुरुप वो लोगों के लिए वही डिश तैयार करे ताकि लोग बार-बार स्वाद लेने वहां आए।

कोर्स

बीएससी इन हॉस्पिटैलिटी एंड होटल एडमिनिस्ट्रेशन, डिप्लोमा इन कुकरी, क्राफ्टसमैनशिप कोर्स इन फूड एंड बेवरेज सर्विस मैनेजमेंट, सर्टिफिकेट कोर्स इन कुकरी, सर्टिफिकेट कोर्स इन कुकरी फॉर होम मेकिंग, डिप्लोमा इन बेकरी एंड कंफेक्षनरी जैसे ढेरों कोर्स कर कुकिंग और बेकरी में करियर बना सकते हैं।

अवसर

एलबीआईआईएचएम के डायरेक्टर कमल कुमार के मुताबिक कुकिंग और बेकरी होटल मैनेजमेंट का एक अहम पार्ट है। इसमें करियर के कई अवसर हैं। सबसे अहम है फूड एंव बेवरेज डिवीजन सर्विस के अलावा बतौर शेफ बनकर करियर को रौशन कर सकते हैं। मुख्य तौर पर होटल, रेस्तरां, क्रूज, टुरिज्म एसोसिएशन, एयरलाइन कैटरिंग और केबिन सर्विस, क्लब मैनेजमेंट, लॉज, गेस्ट-हाउस भी होटल मैनेजमेंट पासआउट प्रोफेशनल्स ही चलाते है। बेकर्स के लिए भी जॉब के ऑपशन्स की कमी नहीं है। बेकरी, हॉट ब्रेड शॉप, डिपार्टमेंटल स्टोर्स, होटल और कैफे में भी बेकर्स की काफी डिमांड है। पूरी दुनिया में टुरिज्म और एविएशन ने होटल बिजनेस के लिए अवसरों को बहुत बड़ा बना दिया है आने वाले समय में होटल इंडस्ट्री में जॉब की कमी नहीं होगी। इसके अलावा आप धीरे-धीरे खुद का होटल, बेकरी शॉप, रेंस्तरां य फिर कैटरिंग बिजनेस भी शुरु कर सकते हैं।

योग्यता

कुकिंग और बेकरी में सर्टिफिकेट कोर्स, डिप्लोमा व डिग्री कर सकते हैं। इन पाठ्यक्रमों में एडमिशन के लिए किसी भी मान्यताप्राप्त बोर्ड या विष्वविद्यालय से 12वीं या स्नातक होना जरूरी है। 12वीं में अंग्रेजी एक अनिवार्य विषय के रूप में पढ़ी होनी चाहिए। इस इंडस्ट्री में कामयाब होने के लिए कुछ व्यक्तिगत गुणों का होना भी जरूरी है जैसे मृदुभाषी होना। द्विभाषी (अंग्रेजी, हिन्दी) का ज्ञान हो तो और भी बेहतर। बेहतर पर्सनालिटी, सुनने-समझने की अच्छी आदत, समस्याओं को सुलझाने की योग्यता, लीडरशिप और मैनेजरियल स्किल भी बेहद जरूरी है।

क्लीनिकल रिसर्च में हैं बेहतर संभावनाएं

तेज गति से बढ़ोतरी के बावजूद भारत में अच्छे क्लीनिकल प्रैक्टिस वाले प्रशिक्षित इन्वेस्टिगेटर्स, बायो-एनालिटिकल साइंटिस्ट और फार्माकोकाइनेटिक्स की काफी कमी है। इसके अलावा आप रिसर्च एग्जीक्यूटिव, क्लीनिकल रिसर्च एडवाइजर, प्रोजेक्ट मैनेजर, ग्रुप प्रोजेक्ट मैनेजर और आपरेशन डायरेक्टर के रूप में भी बेहतर रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। अपनी क्वालिफिकेशन के आधार पर आप इस क्षेत्र में कैरियर बना सकते हैं।

क्लीनिकल रिसर्च एक ऐसा प्रोसेस है, जिसके माध्यम से तमाम नई दवाओं को बाजार में लांच करने से पहले उन्हें जानवरों और इनसानों पर टेस्ट किया जाता है। मोटे तौर पर किसी दवा को लैब से केमिस्ट की शॉप तक पहुंचने में 12 साल का वक्त लग जाता है। जानवरों पर प्री-क्लीनिकल टेस्ट करने के बाद इन दवाओं को इनसानों पर टेस्ट किया जाता है, जिसके तीन फेज होते हैं। टेस्टिंग के लिए इन तीनों फेजों में पहले के मुकाबले ज्यादा संख्या में लोगों को शामिल किया जाता है। इन तीनों फेजों का टेस्ट हो जाने के बाद कंपनी सभी नतीजों को एफडीए या टीपीडी को सौंप देती है, जिसके आधार पर एनडीए (न्यू ड्रग अप्रूवल) मिलता होता है। एक बार एनडीए हासिल हो जाने के बाद कंपनी उस ड्रग को मार्केट में उतार सकती है। जब कोई नई दवा लांच करने की तैयारी होती है, तो दवा लोगों के लिए कितनी सुरक्षित और असरदार है, इसके लिए क्लीनिकल ट्रायल होता है। भारत की जनसंख्या और यहां उपलब्ध सस्ते प्रोफेशनल की वजह से क्लीनिकल का कारोबार तेजी से फलने-फूलने लगा है। यदि आप भी इस बढ़ते हुए बाजार का हिस्सा बनना चाहते हैं, तो क्लीनिकल ट्रायल या क्लीनिकल रिसर्च से जुड़े कोर्स कर सकते हैं। भारत में क्लीनिकल ट्रायल इंडस्ट्री करीब 30 करोड़ डॉलर की है और वर्ष 2031 तक बढ़ कर यह इंडस्ट्री दो अरब डॉलर तक पहुंच जाने की उम्मीद है। गौरतलब है कि दुनिया की प्रमुख दवा कंपनियां अब क्लीनिकल रिसर्च संबंधी जरूरतों के लिए भारतीय बाजार की ओर रुख कर रही हैं।

योग्यता

क्लीनिकल रिसर्च के कोर्स में एंट्री के लिए विज्ञान में स्नातक होना जरूरी है। इसके अलावा, डी.फ़ार्मा, बी.फ़ार्मा, एम.फ़ार्मा आदि के स्टूडेंट्स भी इस कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं। कई प्रतिष्ठित संस्थानों से क्लीनिकल रिसर्च में डिप्लोमा, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा आदि किया जा सकता है।

रोजगार की संभावनाएं

टेलेंटेड लोगों का एक बड़ा पूल और तमाम तरह के मरीजों की बढ़ती संख्या के चलते भारत में क्लीनिकल रिसर्च के क्षेत्र में अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं। एक अनुमान के मुताबिक, दुनिया भर में क्लीनिकल रिसर्च के क्षेत्र में करीब अढ़ाई लाख से ज्यादा पद खाली हैं। वहीं योजना आयोग की एक रिपोर्ट के अनुसार, देश में क्लीनिकल रिसर्च के क्षेत्र में करीब 30 से 50 हजार प्रोफेशनल्स की कमी है। क्लीनिकल प्रोफेशनल्स की मांग और सप्लाई में भारी अंतर के कारण ही भारत में कई ट्रेनिंग इंस्टीच्यूट शुरू किए गए हैं। इसकी प्रमुख वजह यह है कि यहां प्रशिक्षित कर्मियों और प्रशिक्षण संस्थानों की बेहद कमी है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस उद्योग में बहुत अच्छा वेतन मिलता है, जो सालाना 40 हजार डॉलर से लेकर एक लाख डॉलर तक होता है। भारत में शुरुआती सालाना सैलरी 1.8 लाख से लेकर पांच लाख रुपए तक होती है।

भारतीय डाक्टर अपनी प्रैक्टिस छोड़कर क्लीनिकल ट्रायल के क्षेत्र में उतरना नहीं चाहते, क्योंकि यहां डाक्टरी का पेशा ज्यादा सम्मानजनक माना जाता है। बहुत से डाक्टरों को क्लीनिकल ट्रायल और इसमें उपलब्ध अवसरों के बारे में पता ही नहीं है। मंदी के चलते फार्मास्यूटिकल कंपनियां नए प्रोजेक्ट्स हाथ में भले ही न लें, लेकिन जो प्रोजेक्ट चल रहे हैं, उनको पूरा करने के लिए अभी भी बड़ी संख्या में कुशल प्रोफेशनल्स की जरूरत है। तेज गति से बढ़ोतरी के बावजूद भारत में अच्छे क्लीनिकल प्रैक्टिस वाले प्रशिक्षित इन्वेस्टिगेटर्स, बायो-एनालिटिकल साइंटिस्ट और फार्माकोकाइनेटिक्स की काफी कमी है। इसके अलावा आप रिसर्च एग्जीक्यूटिव, क्लीनिकल रिसर्च एडवाइजर, प्रोजेक्ट मैनेजर, ग्रुप प्रोजेक्ट मैनेजर और आपरेशन डायरेक्टर के रूप में भी बेहतर रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। अपनी क्वालिफिकेशन के आधार पर आप इस क्षेत्र में कैरियर बना सकते हैं। अगर आप क्लीनिकल आपरेशंस और प्रोजेक्ट के क्षेत्र में जाना चाहते हैं, तो आपके पास लाइफ साइंस (खासतौर से फार्माकोलाजी, बायोकेमिस्ट्री, बायोलाजी, इम्यूनोलाजी, फिजियोलाजी) में डिग्री होनी चाहिए। इस क्षेत्र से जुड़े लोग ही सीधे तौर पर क्लीनिकल रिसर्च के लिए जिम्मेदार होते हैं। जिन लोगों का केमिस्ट्री या इंजीनियरिंग बैकग्राउंड है, वे क्वालिटी एश्योरेंस या नए कंपाउंड को डिवेलप करने का काम कर सकते हैं। क्लीनिकल डाटा मैनेजर के रूप में काम करने के लिए आपके पास आईटी डिग्री होनी चाहिए।

वेतनमान

आजकल क्लीनिकल रिसर्च के क्षेत्र में रोजगार की बेहतर संभावनाएं हैं और इस क्षेत्र में योग्य प्रोफेशनल्स की मांग में भी वृद्धि हुई है। क्लीनिकल रिसर्च के क्षेत्र में एक फ्रेशर का वेतनमान 25000 या इससे अधिक प्रतिमाह हो सकता है। यदि आपके पास मास्टर डिग्री है, तो वेतनमान दोगुना हो जाता है। निजी कंपनियों में अनुभव मायने रखता है और इस आधार पर आप आकर्षक वेतनमान प्राप्त कर सकते हैं।

संस्थान

- इंदिरा गांधी मेडिकल कालेज, शिमला
- चित्कारा यूनिवर्सिटी, बरोटीवाला
- मानव भारती यूनिवर्सिटी, सोलन
- कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी, कुरुक्षेत्र
- नेशनल इंस्टीच्यूट आफ आयुर्वेदिक फार्मास्यूटिकल रिसर्च, पटियाला
- ढिल्लों आयुर्वेदिक चैरिटेबल हास्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, जालंधर
- पंजाब टेक्निकल यूनिवर्सिटी, जालंधर
- पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीच्यूट आफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, चंडीगढ़
- गुरु गोबिंद सिंह इन्फार्मेशन टेक्नोलाजी एंड रिसर्च, बठिंडा
- इंस्टीट्यूट आफ क्लीनिकल रिसर्च, दिल्ली

कोर्सेज

- एडवांस प्रोग्राम इन क्लीनिकल रिसर्च
- डिप्लोमा इन क्लीनिकल रिसर्च
- बीएससी इन क्लीनिकल लैबोरेटरी टेक्नोलाजी
- बीएससी इन क्लीनिकल माइक्रोबायोलाजी
- सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन क्लीनिकल रिसर्च
- इंटिग्रेटेड पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन क्लीनिकल रिसर्च
- एमएससी इन क्लीनिक माइक्रोबायोलोजी
- पीएचडी इन क्लीनिकल रिसर्च
- कारेसपोंडेंट कोर्स इन क्लीनिकल रिसर्च
- डिस्टेंस लर्निंग प्रोग्राम इन क्लीनिकल रिसर्च

पेपर नैपकिन यूनिट से कमाइये लाखों में

पैपर नेपकिन, जिसे टिश्यू पेपर भी कहा जाता है, जिसका इस्तेमाल हाथ व चेहरे को साफ करने में किया जाता है। पेपर नैपकिन का इस्तेमाल दिनों दिन बढ़ता जा रहा है और यह बिजनेस एक बड़ा आकार लेता जा रहा है। ऐसे में आज हम आपको बता रहे हैं कि पेपर नैपकिन बनाने की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट आप कैसे लगा सकते हैं और इस पर कितना खर्च आता है। साथ ही, साल में एक नैपकिन मैन्युफैक्चरिंग यूनिट से आप कितना कमाई कर सकते हैं।

अगर आप पेपर नेपकिन बनाने की यूनिट लगाना चाहते हैं तो सबसे पहले लगभग 3.50 लाख रुपए का इंतजाम करना होगा। इतना पैसे का इंतजाम होते ही आप किसी भी बैंक के पास मुद्रा स्कीम के तहत लोन के लिए अप्लाई कर सकते हैं। 3.50 लाख रुपए आपके पास होने के कारण बैंक आपको लगभग टर्म लोन के तौर पर लगभग 3 लाख 10 हजार रुपए और वर्किंग कैपिटल लोन 5 लाख 30 हजार रुपए तक मिल जाएगा।

लोन पास होते ही आपको यूनिट के लिए किराये की जगह तलाशनी होगी। जिसके बाद दो कलर फ्लैक्सोग्राफिक मशीन, एक टैस्टिंग इक्विपमेंट, एज सीलिंग एंड कटिंग मशीन, हैंड टूल्स खरीदने होंगे। इन पर लगभग 4 लाख रुपए का खर्च आएगा। वहीं, आपको सेल्स टैक्स रजिस्ट्रेशन के साथ-साथ अन्य सर्टिफिकेट्स लेने होंगे। साथ ही, आपको एक माह का रॉ मैटीरियल लेना होगा, जिसमें टिश्यू पेपर 21जीएसएम लगभग 12.5 टन, इंक और अन्य कंज्यूमएबल, पैकेजिंग मैटीरियल शामिल है, इन पर लगभग 7 लाख रुपए खर्च होंगे। आपको चार वर्कर्स को भी हायर करना होगा।

कैसे करें मैन्युफैक्चरिंग

पेपर नेपकिन की मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस काफी आसान है। आपको टिश्यू पेपर रोल को फ्लैक्सोग्राफिक मशीन पर चढ़ाना होगा। इसके बाद मशीन आटोमैटिक तरीक से पेपर की प्रिंटिंग करेगी और मशीन में फिट डिवाइस टिश्यू पेपर को साइज में काट देगी।

कितनी होगी कमाई

आप साल में लगभग 1 लाख 50 हजार किलोग्राम पेपर नेपकिन का प्रोडक्शन कर सकते हैं। यह नेपकिन लगभग 65 रुपए प्रति किलोग्राम की दर से बेच सकते हैं। यानी कि आप साल भर में लगभग 97 लाख 50 हजार रुपए का टर्न ओवर कर सकते हैं। ऐसे में यदि आप सारे खर्च को जोड़ दें तो लगभग 92 लाख 50 हजार रुपए खर्च होंगे। यानी कि आप पहले साल में 5 लाख रुपए बचा सकते हैं। यानी कि आप लगभग 42 हजार रुपए महीना का प्रॉफिट होगा।

कैसे बढ़ेगा प्रॉफिट

अगले साल से आपका प्रॉफिट लगभग दोगुना हो जाएगा, क्योंकि अगले साल मशीन सहित अन्य खर्चे कम हो जाएंगे। यानी कि अगर आपको अगले साल मशीन पर खर्च किया गया चार लाख रुपया, ऑफिस फर्नीचर, बिजली का कनेक्शन, इन्सटॉलेशन जैसे खर्चे नहीं करने पड़ेंगे तो आपका सालाना प्रॉफिट 10 लाख रुपए तक पहुंच सकता है। आप इस पैसे का इस्तेमाल प्रोडक्शन बढ़ाने पर भी कर सकते हैं, जिससे प्रॉफिट और बढ़ेगा।

क्या होगा खर्चा

मशीनरी एवं फेट एवं इंश्योरेंस - 4 लाख 40 हजार रुपए
रॉ मैटीरियल (मासिक) - 7 लाख 13 हजार रुपए
स्टाफ एवं लेबर (मासिक) - 30 हजार रुपए।

संक्षिप्त समाचार

32 रुपये से 220 रुपये के पार नवरत्न कंपनी के शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। नवरत्न कंपनी इरेडा के शेयरों में नए साल के पहले ही दिन तूफानी तेजी आई है। इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डिवेलपमेंट एजेंसी लिमिटेड (इरेडा) के शेयर बुधवार को बीएसई में 5 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 227.70 रुपये पर पहुंच गए हैं। इरेडा के शेयरों में यह तेज उछाल दिसंबर 2024 तिमाही के बिजनेस अपडेट के बाद आया है। इरेडा के शेयर पिछले 13 महीने में ही 32 रुपये से बढ़कर 220 रुपये के पार जा पहुंचे हैं। इरेडा के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 310 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 100.40 रुपये है।

इरेडा के दिसंबर 2024 तिमाही के बिजनेस अपडेट के मुताबिक, स्वीकृत किए गए लोन सालाना आधार पर 129 पर्सेंट बढ़कर 31,087 करोड़ रुपये रहे हैं। पिछले साल की समान अवधि में कंपनी ने 13,558 करोड़ रुपये के लोन स्वीकृत किए थे। चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में कंपनी का लोन डिस्बर्समेंट सालाना आधार पर 41 पर्सेंट बढ़कर 17,236 करोड़ रुपये रहा है, जो कि एक साल पहले की समान अवधि में 12,220 करोड़ रुपये था। दिसंबर 2024 तक आउटस्टैंडिंग लोन बुक 69000 करोड़ रुपये थी।

इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डिवेलपमेंट एजेंसी लिमिटेड के शेयर 13 महीने में ही 32 रुपये से बढ़कर 220 रुपये के पार पहुंच गए हैं। इरेडा का आईपीओ 21 नवंबर 2023 को खुला था और यह 23 नवंबर तक ओपन रहा। इरेडा के आईपीओ में कंपनी के शेयर का दाम 32 रुपये था। कंपनी के शेयर 1 जनवरी 2025 को 227.70 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले एक साल में इरेडा के शेयरों में 115 पर्सेंट से ज्यादा का उछाल आया है। कंपनी के शेयर 1 जनवरी 2024 को 104.65 रुपये पर थे। इरेडा के शेयर 1 जनवरी 2025 को 227.70 रुपये पर जा पहुंचे हैं।

4 महीने की ऊंचाई पर कोर सेक्टर

नईदिल्ली, एजेंसी। नए साल के मौके पर देश को इकोनॉमी के मोर्चे पर राहत की खबर मिली है। वास्तव में कोर सेक्टर नवंबर 2024 में 4 महीने की ऊंचाई पर पहुंच गया है। नवंबर के महीने कोर सेक्टर का आंकड़ा 4.3 फीसदी देखने को मिला है जबकि अक्टूबर के महीने में कोर सेक्टर 4 फीसदी से नीचे देखने को मिले थे। वहीं पिछले साल की समान अवधि में ये आंकड़ा 8 फीसदी के आसपास था। आइए आपको भी बताते हैं कि सरकार की ओर से कोर सेक्टर के आंकड़े किस तरह के पेश किए हैं। आठ प्रमुख बुनियादी ढांचा क्षेत्रों का उत्पादन नवंबर 2024 में 4.3 फीसदी देखने को मिला। खास बात तो ये है कि अक्टूबर के महीने में यह आंकड़ा 3.7 फीसदी देखने को मिला था। मासिक आधार पर नवंबर में इन क्षेत्रों की उत्पादन वृद्धि चार महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई। वहीं दूसरी ओर एक साल पहले इसी माह में यह 7.9 प्रतिशत था। इसका मतलब है कि सालाना आधार पर कोर सेक्टर में बड़ी गिरावट देखने को मिली थी। नवंबर 2024 में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के उत्पादन में कमी आई। कोयला, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात और बिजली उत्पादन वृद्धि क्रमशः 7.5 प्रतिशत, 2.9 प्रतिशत, दो प्रतिशत, 4.8 प्रतिशत और 3.8 प्रतिशत रही। पिछले साल नवंबर में कोयला की उत्पादन वृद्धि 10.9 प्रतिशत, रिफाइनरी उत्पाद की 12.4 प्रतिशत, उर्वरक की 3.3 प्रतिशत, इस्पात की 9.7 प्रतिशत और बिजली की 5.8 प्रतिशत थी। समीक्षाधीन महीने में सीमेंट का उत्पादन बढ़ने की रफ्तार बढ़कर 13 प्रतिशत हो गई। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-नवंबर के दौरान प्रमुख बुनियादी ढांचा क्षेत्रों की वृद्धि दर 4.2 प्रतिशत रही। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 8.7 प्रतिशत थी। आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों में कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली शामिल हैं। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में इसकी 40.27 प्रतिशत हिस्सेदारी है। आंकड़ों पर टिप्पणी करते हुए इक्रा लिमिटेक के चीफ इकोनॉमिस्ट अदिति नायर ने कहा कि कोर सेक्टर के प्रदर्शन में क्रमिक वृद्धि विशेष रूप से सीमेंट उत्पादन में तेज वृद्धि के चलते थी। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि नवंबर 2024 में आईआईपी 5-7 फीसदी बढ़ेगा, जिसे मुख्य रूप से बुनियादी क्षेत्र की वृद्धि में तेजी से लाभ मिलेगा।

भारतीय परिवारों का खर्च बढ़ा: रोजमर्रा के व्यय के लिए ऋण ले रहे छोटे कर्जदार, आरबीआई की रिपोर्ट ने चौंकाया

नई दिल्ली, एजेंसी। आरबीआई ने खुलासा किया है कि छोटे कर्जदार जहां रोजमर्रा के खर्च चलाने के लिए कर्ज ले रहे हैं, वहीं बड़े उधारकर्ता ऋण लेकर संपत्तियां बना रहे हैं। खासकर मकान के लिए बड़े कर्जदाता उधारी ले रहे हैं। ऐसे लोगों का क्रेडिट स्कोर 720 से ऊपर होता है, जबकि छोटे कर्जदारों का स्कोर 720 से नीचे होता है।

आरबीआई ने वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट में कहा, पिछले तीन वर्षों में भारतीय परिवारों के कर्ज में वृद्धि दर्ज की गई है।इसकी प्रमुख वजह कर्ज लेने वालों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी है।जून, 2024 में मौजूदा बाजार मूल्यों पर जीडीपी का 42.9 फीसदी कर्ज भारतीय परिवारों पर था। यह अन्य उभरते देशों की तुलना में काफी कम है।

रिपोर्ट के मुताबिक, मुख्य रूप से जो व्यक्तिगत कर्ज भारत में लिए जा रहे हैं, वे पर्सनल लोन, क्रेडिट कार्ड, कंज्यूमर ड्यूरेबल, वाहन, दोपहिया, शिक्षा, कृषि और मॉर्गेज लोन हैं। उच्च श्रेणी के उधारकर्ताओं के बीच प्रति व्यक्ति कर्ज में वृद्धि और परिसंपत्ति निर्माण के लिए ऋण का उपयोग वित्तीय स्थिरता बढ़ाने वाला है।

एक कर्ज नहीं चुकाया तो सारे लोन हो जाएंगे एनपीए

अगर आपने पर्सनल लोन या क्रेडिट कार्ड का बिल नहीं चुकाया, तो आपके होम लोन या कार लोन पर भी मुसीबत आ सकती है। आरबीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, अगर आप छोटे कर्ज पर डिफॉल्ट करते हैं, तो बैंक आपके सभी कर्ज को एनपीए मान सकते हैं। सबसे ज्यादा डिफॉल्ट पर्सनल लोन और क्रेडिट कार्ड जैसे बिना गारंटी वाले कर्ज में होते हैं। ऐसे लोग, जिन्होंने इन छोटे कर्जों के साथ घर या गाड़ी के लिए बड़े कर्ज भी लिए हैं, उनके लिए खतरा ज्यादा बढ़ जाता है।

चीन में सार्वजनिक कर्ज सबसे ज्यादा 140 फीसदी

वैश्विक स्तर पर सार्वजनिक ऋण 2024 के अंत तक जीडीपी का 93 फीसदी पहुंच जाएगा। इसका मतलब यह 100 लाख करोड़ डॉलर को पार कर जाएगा। 30 जून तक चीन का कर्ज उसकी जीडीपी के अनुपात में 140 फीसदी था, जबकि जापान का 120 फीसदी था। उभरते बाजारों और यूरो जोन का कर्ज जीडीपी का 100-100 फीसदी, विकसित देशों का 90 फीसदी, अमेरिका का 85 फीसदी, ब्रिटेन का 70 फीसदी और भारत का 43 फीसदी रहा है।

एक से अधिक कर्ज ले रहे हैं उधारकर्ता

क्रेडिट कार्ड व पर्सनल लोन लेने वाले करीब आधे उधारकर्ताओं के पास एक और रिटेल लोन पहले से ही है। इस तरह के कर्ज अक्सर ज्यादा रकम वाले होते हैं, जो हाउसिंग या वाहन या दोनों होते हैं। इन बड़े और सुरक्षित ऋणों की तुलना में छोटे पर्सनल लोन में एनपीए का ज्यादा खतरा होता है। सबसे ज्यादा डिफॉल्ट अधिकतर असुरक्षित लोन में होता है।

चूक का जोखिम उन उधारकर्ताओं में ज्यादा है, जिन्होंने पर्सनल लोन या क्रेडिट कार्ड बकाया के अलावा अन्य खुदरा ऋण लिया है। आरबीआई ने किसी भी तरह के जोखिम से निपटने के लिए हाल में असुरक्षित ऋण जैसे कुछ खुदरा कर्जों पर बैंकों और एनबीएफसी के लिएउच्च जोखिम भार लगाया है।कर्ज का लगभग दो तिहाई हिस्सा बेहतर क्रेडिट क्वालिटी वाला है। 50,000 रुपये से कम पर्सनल लोन लेने वाले 11 फीसदी उधारकर्ताओं में से 60 फीसदी से अधिक ने 2024-25 में तीन से अधिक बार कर्ज लिया है।

टैक्स फाइलिंग की अंतिम तारीख बढ़ी !

नई दिल्ली, एजेंसी। इनकम टैक्सपेयर्स के लिए खुशखबरी है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने वित्तीय वर्ष 2023-24 (आकलन वर्ष 2024-25) के लिए बिलेटेड और रिवाइज्ड इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने की आखिरी तारीख बढ़ा दी है। पहले यह तारीख 31 दिसंबर 2024 थी। इसे अब बढ़ाकर 15 जनवरी 2025 कर दिया गया है। यह राहत सिर्फ रेजिडेंट इंडिजिवजुअल इनकम टैक्सपयर्स के लिए है। इसका मतलब है कि जो लोग 31 जुलाई 2024 की समयसीमा चूक गए हैं या अपने रिटर्न में कुछ सुधार करना चाहते हैं, उनके पास अब अतिरिक्त दो हफ्ते हैं।

सीबीडीटी ने 31 दिसंबर 2024 को एक सर्कुलर (नंबर 21/2024) जारी कर इस फैसले की घोषणा की। इससे उन लोगों को बड़ी राहत मिलेगी जो किसी कारणवश समय पर रिटर्न दाखिल नहीं कर पाए थे। यह बढ़ी हुई समयसीमा धारा 139(4) के तहत बेलैटेड रिटर्न और धारा 139(5) के तहत रिवाइज्ड रिटर्न दोनों के लिए लागू होती है। यह एक सुनहरा मौका है उन लोगों के लिए जो जुर्माने से बचना चाहते हैं।

बिलेटेड रिटर्न वे रिटर्न होते हैं जो मूल समयसीमा यानी 31 जुलाई के बाद दाखिल किए जाते हैं। ऐसे रिटर्न दाखिल करने पर जुर्माना लगता है। इसमें धारा 234ए के तहत प्रति माह 1 प्रतिशत की दर से ब्याज शामिल है। साथ ही, 5 लाख रुपये से अधिक की आय वालों के लिए 5,000 रुपये और 5 लाख रुपये से कम आय वालों के लिए 1,000 रुपये का विलम्ब शुल्क भी देना होगा। इसलिए, समयसीमा बढ़ने से लोगों को जुर्माने से बचने का मौका मिल रहा है।

रिवाइज्ड रिटर्न आपको अपनी पहले दाखिल की गई रिटर्न में सुधार करने की अनुमति देता है। मान लीजिए आपने गलती से कोई आय छिपा दी या कोई कटौती जोड़ना भूल गए तो आप रिवाइज्ड रिटर्न दाखिल कर सकते हैं। इसमें कोई जुर्माना नहीं लगता है। रिवाइज्ड रिटर्न आपके मूल रिटर्न को पूरी तरह से बदल देता है। आप अनुमत समयसीमा के भीतर कई बार रिवाइज्ड रिटर्न दाखिल कर सकते हैं। हालांकि, बार-बार सुधार करने से टैक्स अधिकारी आपकी रिटर्न की जांच कर सकते हैं, इसलिए सावधानी बरतें।

कैसे मिलेगी राहत

यह विस्तार विशेष रूप से उन रेजिडेंट व्यक्तियों पर लागू होता है जिन्होंने धारा 139(1) के तहत अपने मूल रिटर्न दाखिल किए थे। वे अब या तो बेलैटेड रिटर्न दाखिल कर सकते हैं या पहले दाखिल की गए रिटर्न में सुधार कर सकते हैं। ध्यान देने वाली बात यह है कि वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए बिलेटेड रिटर्न केवल नई टैक्स व्यवस्था के तहत ही दाखिल किए जा सकते हैं। जो लोग पुरानी टैक्स व्यवस्था का लाभ उठाना चाहते थे, उनके लिए यह विकल्प उपलब्ध नहीं है। सीबीडीटी का यह कदम करदाताओं के लिए एक बड़ी राहत है। अतिरिक्त दो हफ्ते मिलने से लोग बिना किसी तनाव के अपनी रिटर्न दाखिल कर सकेंगे। वे जुर्माने से बचते हुए अपने टैक्स दायित्वों को पूरा कर पाएंगे। समयसीमा का यह विस्तार करदाता-हितैषी कदम है। इससे लोगों को अपनी वित्तीय योजनाओं को व्यवस्थित करने और अपने टैक्स मामलों को सही ढंग से निपटाने का पर्याप्त समय मिलेगा।

अब सभी यूजर कर पाएंगे व्हाट्सएप पे का इस्तेमाल

एनपीसीआई ने यूपीआई यूजर्स की लिमिट तत्काल हटा दी है

नई दिल्ली, एजेंसी। व्हाट्सएप यूज करने वाले करोड़ों यूजर्स के लिए गुड न्यूज है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने व्हाट्सएप पे पर लगी यूपीआई यूजर्स की लिमिट तत्काल प्रभाव से हटा दी है। एनपीसीआई ने एक बयान में कहा कि इस सीमा को हटाए जाने के साथ ही व्हाट्सएप पे अब भारत में अपने सभी यूजर्स तक यूपीआई सर्विसेज का विस्तार कर सकता है। इससे पहले, एनपीसीआई ने व्हाट्सएप पे चरणबद्ध तरीके से अपने यूपीआई यूजर बेस का विस्तार करने की अनुमति दी थी। पहले यह सीमा 10 करोड़ यूजर्स तक थी जिसे एनपीसीआई ने अब हटा दिया है।

इस अधिसूचना के साथ एनपीसीआई ने व्हाट्सएप पे

व्हाट्सएप पे पर यूजर्स को जोड़ने की सीमा पर लगी पाबंदी हटा दी है। हालांकि व्हाट्सएप पे इस समय थर्ड पार्टी ऐप प्रोवाइडर्स पर लागू सभी यूपीआई दिशानिर्देशों और परिपत्रों का पालन करना जारी रखेगा। एनपीसीआई भारत में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस स्ट्रक्चर को कंट्रोल करता है। यह देश में खुदरा भुगतान और निपटान प्रणाली (आईबीए) के संचालन की मूल इकाई है। व्हाट्सएप के भारत में 50 करोड़ से अधिक यूजर्स हैं।

कैसे यूज करें व्हाट्सएप पे

इसके लिए आपके स्मार्टफोन पर व्हाट्सएप का लेटेस्ट वर्जन होना चाहिए। व्हाट्सएप खोलिए और पेमेंट्स सेक्शन में जाइए। ऐड पेमेंट मेथड सेलेक्ट कीजिए। अपना बैंक चूज कीजिए और इससे जुड़ा फोन नंबर एंटर कीजिए। व्हाट्सएप को एसएमएस भेजने और रिसीव करने की अनुमति दीजिए।

स्टील सेक्टर में 17,581 करोड़ रुपये का निवेश, 79 लाख टन उत्पादन का लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने सोमवार को कहा कि कंपनियों ने अक्टूबर, 2024 तक विशेष इस्पात के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत 17,581 करोड़ रुपये का निवेश किया है। सरकार ने देश में 'विशेष इस्पात' के उत्पादन को प्रोत्साहित करने और पूंजी निवेश आकर्षित करके आयात कम करने के मकसद से इस क्षेत्र के लिए पीएलआई योजना शुरू की है।

इस्पात मंत्रालय ने बयान में कहा, ''कंपनियां अक्टूबर, 2024 तक 17,581 करोड़ रुपये का निवेश कर चुकी हैं। इससे 8,660 से अधिक रोजगार सृजित हुए हैं।'' योजना में भाग लेने वाली कंपनियों ने 27,106 करोड़ रुपये के निवेश, 14,760 के प्रत्यक्ष रोजगार और योजना में पहचाने गए 79 लाख टन 'विशेष इस्पात' के अनुमानित उत्पादन के लिए प्रतिबद्धता जताई है। मंत्रालय ने पहले कहा था कि इस्पात क्षेत्र में निवेश की अवधि लंबी होती है। यह विभिन्न उपकरणों की खरीद जैसे तत्वों पर निर्भर करता है। इनमें से कई उपकरण विदेशों से लिए जाते हैं।परियोजनाओं में अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण होने वाली देरी में वैश्विक मुद्दे, अप्रत्याशित घटनाओं, प्राकृतिक आपदाओं और बदले हुए बाजार आदि के कारण आपूर्ति श्रृंखला में देरी शामिल है। मंत्रालय, अन्य संबंधित सरकारी विभागों के साथ, कंपनियों के सामने आने वाली समस्याओं को हल करने और उन्हें अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में सुविधा प्रदान करने के लिए पीएलआई लाभार्थियों के साथ मिलकर काम कर रहा है।

नहीं सुनी पिता की बात, टीचिंग छोड़ किया कुछ अलग, अब करोड़ों का कारोबार

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा के जगपाल सिंह फोगाट ने अपने परिवार के विरोध के बावजूद मधुमक्खी पालन शुरू किया। पहले वह स्कूल टीचर थे। अपनी मेहनत, लगन और सूझबूझ से जगपाल सिंह फोगाट ने 2 करोड़ रुपये का कारोबार खड़ा किया। उन्होंने 500 से ज्यादा किसानों को भी यह फायदे वाला व्यवसाय सिखाया। यह सब 2001 में तब शुरू हुआ जब मधुमक्खी पालन उनके गांव में एक अनजान अवधारणा थी। शुरुआती असफलताओं के बावजूद जगपाल ने एक महीने के भीतर ही 25 टिन शहद से भर दिए। इससे उनके परिवार को इस व्यवसाय की क्षमता का एहसास हुआ। 2007 में उन्होंने पूरी तरह से मधुमक्खी पालन को अपना लिया। अब वह अलग-अलग उत्पाद बेचकर अच्छा मुनाफा कमा रहे हैं। आइए, यहां जगपाल सिंह फोगाट की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

विरोध के बावजूद की शुरुआत : शुरुआत में जगपाल सिंह फोगाट एक स्कूल टीचर थे। हरियाणा में झज्जर जिले के एक गांव में उन्होंने 2001 में मधुमक्खी पालन शुरू किया। उस समय राज्य में यह काम ज्यादा नहीं होता था। उनके परिवार, खासकर जगपाल सिंह के पिता ने मधुमक्खी पालन के उनके फैसले का विरोध किया था। पिता ने मजाक-मजाक में कहा था, अरे मास्टर, गाय पाल ले, भैंस पाल ले, बकरी पाल ले, मुर्गी पाल ले, मक्खी के पालि उड़ जावेगी।

रिजल्ट देख बदल गई राय : दरअसल, साल 2001 में जगपाल सिंह फोगाट के गांव में मधुमक्खी पालन एक नया विचार था। कई लोगों ने जगपाल को पागल समझा। लेकिन, जब उन्होंने अद्भुत परिणाम देखे तो उनकी राय बदल गई। एक रिश्तेदार को देखकर जगपाल को यह आइडिया आया था। पहले ही महीने में 25 टिन शहद बेचकर उन्हें अच्छी कमाई हुई। हर टिन 2,000 रुपये में बिका। यह उनके परिवार की गेहूं की खेती से होने वाली कमाई से काफी ज्यादा थी। इस सफलता ने उन्हें मधुमक्खी पालन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

2007 में छोड़ दी टीचिंग : 2007 में जगपाल ने पूरी तरह से मधुमक्खी पालन में लगने के लिए शिक्षण छोड़ दिया। एक कृषि पृष्ठभूमि से आने वाले जगपाल ने महसूस किया कि मधुमक्खी पालन पारंपरिक खेती के तरीकों की तुलना में कहीं अधिक लाभ प्रदान करता है। जगपाल ने मधुमक्खी पालन के बारे में अधिक जानने के लिए लुधियाना (पंजाब) में मधुमक्खी पालकों से मिलना शुरू किया। उन्होंने दिल्ली के एक किसान से 2,000 रुपये प्रति बॉक्स के हिसाब से 60,000 रुपये का निवेश करके 30 मधुमक्खी के बक्से खरीदे। बिना किसी औपचारिक प्रशिक्षण के उन्होंने अन्य किसानों से सीखने और अपने खुद के व्यावहारिक अनुभव पर भरोसा किया। शुरुआत में उन्हें असफलता मिली। लेकिन, वह इनसे सबक लेते गए।

बड़े ब्रांड किए तैयार: जगपाल ने धीरे-धीरे अपना व्यवसाय बढ़ाया। 2016 में उन्होंने एक प्रोसेसिंग यूनिट भी लगाई। इस यूनिट में मोमबत्तियां, साबुन, पराग और रॉयल जेली जैसे कई उत्पाद बनाए जाते हैं। वह अपने उत्पाद नेचर फ्रेश और बी बज ब्रांड के तहत बेचते हैं। इन्हें प्रमोट करने के लिए जगपाल ने कई प्रदर्शनियों में हिस्सा लिया। इससे उनके उत्पादों की देशभर में बिक्री होने लगी। पिछले साल उनकी कंपनी का रेवेन्यू 2 करोड़ रुपये था। जगपाल सिर्फ अपना व्यवसाय ही नहीं बढ़ा रहे हैं, बल्कि दूसरों की भी मदद कर रहे हैं। उन्होंने अब तक 500 से ज्यादा किसानों को मधुमक्खी पालन की ट्रेनिंग दी है। वह इसे एक ऐसा निवेश मानते हैं जो लगातार फायदा देता रहता है। जगपाल की कहानी एक सफल उद्यमी की ही नहीं, बल्कि टिकाऊ खेती को बढ़ावा देने वाले एक किसान की भी है।

खरीदारी और खाने-पीने का अड्डा है खान मार्केट, असली मालिक अभी भी सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले एक दशक के दौरान भारत का विकास तेजी से हुआ है। देश भर में बड़े-बड़े मॉल बन रहे हैं। इनमें लुलु मॉल और डीएलएफ मॉल भी शामिल है। लेकिन ये सब मॉल दिल्ली के खान मार्केट के सामने पानी भरते हैं। जी हां, नई दिल्ली के लुटयंस जोन में स्थित खान मार्केट देश का सबसे महंगा रिटेल हॉटस्पॉट है।

देश का सबसे महंगा मार्केट कौन

रियल एस्टेट कंसलटेंसी की एक मल्टीनेशनल फर्म है कुशमैन एंड वेकफील्ड। इसी फर्म ने एक महीने पहले एक रिपोर्ट जारी की थी। उसमें बताया गया है कि दिल्ली का खान मार्केट देश का सबसे महंगा रिटेल हॉटस्पॉट है। इस साल खान मार्केट के किराये में करीब 7 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। इसके बाद दिल्ली के कनॉट प्लेस और गुड़गांव के गैलेरिया मार्केट का नंबर आता है।

क्यों है खान मार्केट महत्वपूर्ण

दिल्ली का खान मार्केट दिल्ली के दिल यानी लुटियंस जोन में स्थित है। यह राष्ट्रपति भवन, संसद भवन और अन्य महत्वपूर्ण इमारतों के पास स्थित है। यह क्षेत्र देश के उच्च पदस्थ अधिकारियों और धनी व्यक्तियों का घर है। इसके पास ही ताज मानसिंह लग्जरी होटल है। पास ही में दिल्ली मेट्रो का मेट्रो स्टेशन भी है। लोग इसे लुटियंस दिल्ली का बाजार भी कहते हैं। पांच साल पहले जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खान मार्केट गैंग शब्द का उल्लेख किया था, तब इस बाजार ने व्यापक ध्यान आकर्षित किया था, जिससे लोगों में उत्सुकता पैदा हुई थी। खान मार्केट अपने नाम से कहीं ज्यादा खास है खरीदारी और स्वादिष्ट भोजन का आनंद लेने के लिए। यहां दूर-दूर से लोग इसके लिए आते हैं। दरसअल, खान मार्केट को सरकार ने साल 1951 में विभाजन के दौरान पाकिस्तान से भारत आए लोगों को मकान और दुकान उपलब्ध कराने के लिए की गई थी। डिज़ाइन में भूतल पर दुकानें और ऊपर आवासीय स्थान शामिल थे। बाजार का नाम अब्दुल जब्बार खान के नाम पर रखा गया था, जो एक स्वतंत्रता सेनानी और अब्दुल गफ्फार खान के भाई थे। अब्दुल जब्बार खान ने विभाजन के दौरान हिंदुओं को पाकिस्तान से भारत सुरक्षित रूप से पलायन करने में मदद करके एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

दुकानों का मालिक कौन

अब सवाल उठता है कि खान मार्केट का मालिक कौन तो जान लीजिए कि सरकार ने इसे पाकिस्तानी रिफ्यूजी को दिया था। उन्हें यह दीर्घकालीन लीज पर दिया गया था। मतलब कि इसका असली मालिक अभी भी सरकार ही है। कुछ दुकानों को सरकार ने 1956 में सरकार ने बेचा भी था। जिन्हें दुकानें लीज पर मिली थीं या खरीदी गई थी, उन्हीं के वंशज आज इन दुकानों को दूसरे कारोबारियों को पट्टे पर दे रहे हैं। बाजार में सैकड़ों दुकानें अभी भी सरकारी नियंत्रण में हैं। कुछ दुकानों का प्रबंधन नगर निगम भी करता है। इस समय, खान मार्केट की अधिकांश दुकानें पट्टे पर हैं।

कितना है दुकान का किराया

शुरुआती दिनों में खान मार्केट की दुकानों का किराया 50 रुपये प्रति माह से भी कम था। बाद में, 1956 में पुनर्वास मंत्रालय की योजना के तहत, दुकानों को 6,516 रुपये प्रति दुकान पर आवंटित कर दिया गया था। वर्तमान में, खान मार्केट में एक व्यावसायिक स्थान का औसत किराया 1,800 रुपये से 2,200 रुपये प्रति वर्ग फुट के बीच है। मतलब कि एक दुकान का जो किराया पहले 50 रुपये महीने से भी कम था, अभी यह बढ़ कर 6 लाख रुपये से अधिक हो गया है।

नाम बदलने का हुआ था प्रस्ताव

एक समय, केंद्र सरकार में तत्कालीन गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने इस बाजार का नाम बदलने का प्रस्ताव रखा था। लेकिन स्थानीय दुकान मालिकों ने इस विचार का विरोध किया था। इसके बाद इसका नाम अपरिवर्तित रहा। खान मार्केट आज दिल्ली के इतिहास, संस्कृति और विलासिता का प्रतीक बन गया है, जो इसे शहर के सबसे पसंदीदा स्थलों में से एक बनाता है।

अभिषेक ने बनाए 170 रन तो प्रभसिमरन के बल्ले से निकले 125 रन

काम नहीं आई अर्पित की सेंचुरी, पंजाब 84 रन से जीता

नईदिल्ली, एजेंसी। विजय हजारे ट्रॉफी टूर्नामेंट 2024-25 के राउंड 5 मुकाबले में पंजाब का सामना सौराष्ट्र के साथ हुआ। इस मुकाबले में पंजाब की टीम को कप्तान व ओपनर बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और प्रभसिमरन सिंह की शतकीय पारी के दम पर 84 रन से जीत मिली। अभिषेक शर्मा को उनकी 170 रन की पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब दिया गया। पंजाब के खिलाफ सौराष्ट्र ने टॉस जीता था और फिर गेंदबाजी करने का फैसला किया। इसके बाद पंजाब की टीम ने पहले खेलते हुए 50 ओवर में 5 विकेट पर 424 रन का विशाल स्कोर बना दिया। इसके जवाब मे सौराष्ट्र की टीम ने 50 ओवर में 367 रन बनाए, लेकिन उसे 84 रन से हार मिली। इस मैच में दोनों टीमों ने मिलकर 791 रन बनाए साथ ही इस मैच में कुल 3 शतक भी लगे।

इस मैच में सौराष्ट्र के खिलाफ पंजाब के कप्तान अभिषेक शर्मा और प्रभसिमरन सिंह ने कमाल की पारी खेली। दोनों पंजाब के लिए ओपन करने आए थे और पहले विकेट के लिए दोनों के बीच 298 रन की शानदार साझेदारी हुई। अभिषेक शर्मा ने 8 छक्के और 22 चौकों के साथ 96 गेंदों पर 170 रन की पारी खेली जबकि प्रभसिमरन सिंह ने 8 छक्के और 11 चौकों की मदद से 95 गेंदों पर 125 रन की पारी खेली। सौराष्ट्र की तरफ से प्रणव कारिया ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए।

अर्पित की शतकीय पारी हुई बेकार

इस मैच में सौराष्ट्र को जीत के लिए 425 रन का बड़ा टारगेट मिला था, लेकिन ये टीम इस विशाल लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाई। दूसरी पारी में सौराष्ट्र के लिए अर्पित वासवदा ने 3 छक्के और 9 चौकों की मदद से 88 गेंदों पर 104 रन की पारी खेली, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला पाए। इस टीम के लिए कप्तान जयदेव उनादकट ने 37 गेंदों पर 48 रन जबकि विकेटकीपर व ओपनर बल्लेबाज हार्विक देसाई ने 2 छक्के और 10 चौकों की मदद से 33 गेंदों पर 59 रन की पारी खेली। पंजाब के सबसे सफल गेंदबाज सनवीर सिंह रहे जिन्होंने 3 विकेट लिए तो अर्शदीप सिंह और अभिषेक शर्मा को एक-एक सफलता मिली।

दीप्ति शर्मा को मिला अच्छी क्रिकेट का फायदा, आईसीसी महिला गेंदबाजी रैंकिंग में 5वें स्थान पर

दुबई, एजेंसी। भारतीय ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा वेस्टइंडीज के खिलाफ स्वदेश में हाल में संपन्न श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन की बदौलत अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की महिला एकदिवसीय गेंदबाजी रैंकिंग में एक स्थान के फायदे से 5वें पायदान पर पहुंच गई। शीर्ष पांच में जगह बनाने वाली दीप्ति के अब 665 रेटिंग अंक हैं और वह चौथे स्थान पर चल रही दक्षिण अफ्रीका की मारिजेन कैप से 12 अंक पीछे हैं। सत्ताइस साल की दीप्ति ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैच में 8 विकेट चटकाए थे जिसमें अंतिम मैच में 31 रन देकर छह विकेट भी शामिल है। भारत ने वडोदरा में यह एकदिवसीय श्रृंखला 3-0 से जीतकर क्लीनस्वीप किया था। बल्लेबाजों की सूची में जेमिमा रोड्रिग्स 537 अंक के साथ शीर्ष 20 में जगह बनाने के करीब हैं। श्रृंखला में 29 और 52 रन की पारियां खेलकर वह चार स्थान के फायदे से 22वें स्थान पर हैं। आक्रामक बल्लेबाज रिचा घोष भी सात स्थान के फायदे से 41वें पायदान पर हैं। उनके 448 रेटिंग अंक हैं। वेस्टइंडीज की चिनेल हेनरी तीसरे एकदिवसीय में अर्धशतक की बदौलत 21 स्थान की लंबी छलांग के साथ 65वें स्थान पर हैं। श्रृंखला में दो अर्धशतक बनाने वाली भारत की स्टार सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना (720 अंक) हालांकि एक स्थान के नुकसान से तीसरे स्थान पर खिसक गई। दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वोलवार्ट (773) और श्रीलंका की चामरी अटापट्टू (733) उनसे आगे हैं। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर तीन स्थान के नुकसान से 13वें स्थान पर हैं। वडोदरा में अपने करियर की सातवां एकदिवसीय शतक जड़ने वाली हेली मैथ्यूज छह स्थान के फायदे से बल्लेबाजी रैंकिंग में सातवें स्थान पर पहुंच गई हैं।

मुंबई के 17 साल के इस क्रिकेटर ने मचाया तहलका

नईदिल्ली, एजेंसी। मुंबई के आयुष म्हात्रे ने लिस्ट-ए क्रिकेट में 150 से अधिक रन बनाने वाले सबसे कम उम्र का खिलाड़ी होने का नया विश्व रिकॉर्ड बना दिया है. उन्होंने हमवतन यशस्वी जयसवाल के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया. म्हात्रे ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मंगलवार को नगालैंड के खिलाफ विजय हजारे ट्रॉफी मैच (वनडे-50 ओवरों का मैच) के दौरान यह रिकॉर्ड तोड़ पारी खेली. म्हात्रे ने 17 साल और 168 दिन की उम्र में भारतीय सलामी बल्लेबाज जायसवाल द्वारा बनाए गए पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया जायसवाल 17 साल और 291 दिन के थे, जब उन्होंने 2019 में झारखंड के खिलाफ मुंबई के लिए खेलते हुए यह उपलब्धि हासिल की थी.

इस सीजन की शुरुआत में घरेलू दिग्गज मुंबई के लिए डेब्यू करने वाले म्हात्रे ने 11 छक्कों और 15 चौकों की मदद से केवल 117 गेंदों पर 181 रन बनाए. उनकी इस पारी से मुंबई ने 50 ओवरों में सात विकेट पर 403 रन बनाए. मुंबई के विरार उपनगर के रहने वाले आयुष म्हात्रे ने इस सत्र की शुरुआत में टीम में शामिल होने के बाद से सभी प्रारूपों में शानदार प्रदर्शन किया है. म्हात्रे ने अब तक 6 फर्स्ट क्लास मैचों के अलावा 5 लिस्ट-ए मुकाबलों में हिस्सा लिया है. वह ईरानी कप विजेता मुंबई टीम का हिस्सा थे, जिसने अक्टूबर में 27 साल के अंतराल के बाद शेष भारत को हराकर ट्रॉफी जीती थी. रणजी ट्रॉफी में अपने पदार्पण पर म्हात्रे ने 71 गेंदों में 52 रनों की शानदार पारी खेली, लेकिन मुंबई ने यह सत्र का पहला मैच बड़ौदा के खिलाफ गंवा दिया.

म्हात्रे ने इसके बाद महाराष्ट्र के खिलाफ 232 गेंदों में 22 चौकों और चार छक्कों की मदद से 176 रनों की शानदार पारी खेली, जिससे मुंबई यह मैच नौ विकेट से जीता था. वह इसके बाद त्रिपुरा और ओडिशा के खिलाफ प्रभाव नहीं छोड़ सके थे, लेकिन सेना के खिलाफ 149 गेंद में 116 रन की पारी के साथ प्रथम श्रेणी में अपना दूसरा शतक ठोका.

कजाकिस्तान ने जर्मनी को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

पर्थ, एजेंसी। कजाकिस्तान ने यूनाइटेड कप के क्वार्टरफाइनल में बुधवार को जर्मनी को 2-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। 24 साल के अलेक्जेंडर शेवचेंको ने डेनियल मासुर को 6-7(5), 6-2, 6-2 से हराया। इस जीत ने कजाकिस्तान को 2-0 की अपराजेय बढ़त दिलाई। इससे पहले एलेना राइबकिना ने लौरा सीजमंड को 6-3, 6-1 से हराया था। जर्मनी की टीम के लिए वर्ल्ड नंबर 2 अलेक्जेंडर ज्वेरेव चोट के कारण बाहर हो गए थे, और उनकी जगह मासुर को शामिल किया गया। लेकिन मासुर कोई उलटफेर नहीं कर सके। शेवचेंको ने कहा, मैंने अपनी टीम के लिए जी-जान लगाई और मुझे इस पर गर्व है। मैं थोड़ा नर्वस था। यह जीत मेरे लिए खास थी। अब कजाकिस्तान सेमीफाइनल के लिए सिडनी जाएगा। 2023 में यूनाइटेड कप में अपनी पहली उपस्थिति में कजाकिस्तान बिना जीत के बाहर हो गया था, लेकिन इस बार उसके पास फाइनल में पहुंचने का मौका है। वहीं, ह्यूबर्ट हरकाज़ और इगा स्वियाटेक ने पोलैंड को ग्रुप बी में शीर्ष स्थान पर पहुंचाया। उन्होंने चेक गणराज्य के टॉमस माचाक और कैरोलिना मुचोवा को 7-6(3), 6-3 से हराकर 2-1 की जीत दर्ज की।

विश्व ब्लिट्ज़ शतरंज

वैशाली के पास विश्व खिताब जीतने का सुनहरा मौका, पुरुष वर्ग में चुनौती समाप्त

न्यू यॉर्क, एजेंसी। फीडे विश्व शतरंज ब्लिट्ज़ चैंपियनशिप के पहले दिन शतरंज के इस फटाफट फॉर्मेट के लीग चरण के मुक़ाबले खेले गए जिसमें भारत की आर वैशाली नें धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए पहले स्थान पर रहते हुए प्ले ऑफ में प्रवेश कर लिया है। रैपिड में अपने निराशाजंक प्रदर्शन को पीछे छोड़ते हुए वैशाली नें ब्लिट्ज़ में हुए 11 राउंड में 8 जीत और 3 ड्रॉ के साथ बेमिशाल प्रदर्शन करते हुए 9.5 अंक बनाकर प्ले ऑफ में प्रवेश किया। अब क्वाटर फाइनल में उनका सामना चीन की जू जिनर से होगा। बड़ी बात यह रही है की वैशाली नें एक भी मुक़ाबला नहीं हारा और अपराजित रही, इस दौरान उन्होने सातवे राउंड में जॉर्जिया की नाना दगनिडजे, आठवे राउंड में पूर्व विश्व चैम्पियन रूस की गुनिना वालेंटीना और पूर्व विश्व जूनियर चैम्पियन रूस की पोलिना शुवालोवा को पराजित किया जबकि पांचवें राउंड में रूस की लागनों काटेरयना और और नौवे राउंड में चीन की लेई टिंगजे से ड्रॉ खेला।

डिविलियर्स ने ड्रेसिंग रूम में खेला द. अफ्रीका टीम के साथ फुटबॉल

सेंचुरियन, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर ने प्रोटियाज ड्रेसिंग रूम में वापसी की और सेंचुरियन में पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट में बारिश के कारण व्यवधान के दौरान टीम के साथ फुटबॉल के एक छोटे से खेल का आनंद लिया। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) के आधिकारिक एक्स हैंडल ने एबी का एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें वह अपने पूर्व टीम साथी एडेन मार्करम, ट्रिस्टन स्टब्स और मार्को जानसन सहित अन्य खिलाड़ियों के साथ फुटबॉल खेलते नजर आ रहे हैं। सीएसए ने पोस्ट किया कि प्रोटियाज लीजेंड के साथ अच्छी किक-अबाउट जैसा कुछ नहीं। दक्षिण अफ्रीका ने दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला के पहले मैच में पाकिस्तान को हराकर विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। प्रोटियाज ने 148 रन के मामूली लक्ष्य को रोमांचक अंदाज में हासिल कर लिया और चौथे दिन दो विकेट से जीत हासिल की। इस जीत के साथ, दक्षिण अफ्रीका ने डब्ल्यूटीसी स्टैंडिंग के शीर्ष पर अपनी जगह मजबूत कर ली, खेले गए 11 मैचों में सात जीत के बाद 66.67 प्रतिशत अंकों के साथ शीर्ष पर रहा।

2025 में लग जाएगी संन्यास की लाइन

ये 5 भारतीय क्रिकेटर्स हो सकते हैं रिटायर

नईदिल्ली, एजेंसी। 2024 में कई मशहूर क्रिकेटर्स ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया था. डेविड वॉर्नर, शिखर धवन, जेम्स एंडरसन और रविचंद्रन अश्विन सहित कई खिलाड़ियों ने अपने क्रिकेट करियर का अंत किया. वहीं रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा ने टी-20 इंटरनेशनल को अलविदा कहा. साल 2025 भी क्रिकेटर्स के संन्यास वाला रह सकता है. खासकर भारत के कई मशहूर क्रिकेटर्स 2025 में क्रिकेट को अलविदा कह सकते हैं. हम आपको ऐसे ही पांच सबसे चर्चित नामों के बारे में बता रहे हैं इनमें से किसी की फॉर्म चिंता का विषय बनी हुई है तो कोई लंबे अरसे से टीम इंडिया से बाहर है. फॉर्म के साथ ही अपनी बढ़ती उम्र के चलते भी ये क्रिकेटर्स अब अपना सफर खत्म कर सकते हैं. इन सभी भारतीय दिग्गजों की उम्र 36 साल से ज्यादा है.

रोहित शर्मा

भारतीय टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान रोहित शर्मा का 2024 में टेस्ट क्रिकेट में प्रदर्शन बेहद खराब रहा है. ना ही उनकी बल्लेबाजी में वो दम नजर आया और ना ही अपनी कप्तानी में वे रंग में दिखें. रिपोर्ट्स के मुताबिक 2024 की शुरुआत में सिडनी में होने वाले बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के आखिरी टेस्ट के बाद 37 वर्षीय रोहित बड़ा फैसला ले सकते हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक रोहित शर्मा टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर सकते हैं.

चेतश्वर पुजारा

चेतश्वर पुजारा ने कभी कोई टी-20 इंटरनेशनल नहीं खेला. वहीं आखिरी वनडे उन्होंने 2014 में खेला था लेकिन वे 2011 से लेकर 2023 तक लगातार भारत के लिए टेस्ट मैच खेलते रहे. 36 वर्षीय पुजारा ने अपना आखिरी टेस्ट ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2023 में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल खेला था. इसके बाद से वे टीम इंडिया से बाहर हैं. भारत के लिए 103 टेस्ट में 7195 रन बनाने वाले पुजारा भी नए साल में क्रिकेट से रिटायर हो सकते हैं.

अजिंक्य रहाणे

36 साल के अजिंक्य रहाणे हाल ही में घरेलू टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बेहद शानदार फॉर्म में दिखे थे. लेकिन टीम इंडिया से वे लंबे समय से बाहर हैं. उन्होंने आखिरी टेस्ट वेस्टइंडीज के खिलाफ जुलाई 2023 में खेला था. इसके बाद से वे टेस्ट टीम से बाहर हैं. अजिंक्य रहाणे भी 2025 में अपने इंटरनेशनल क्रिकेट पर बड़ा फैसला ले सकते हैं. रहाणे ने 85 टेस्ट में 5 हजार से ज्यादा रन बनाए हैं.

रवींद्र जडेजा

भारत के स्टार ऑल राउंडर रवींद्र जडेजा का नाम भी इस लिस्ट में है. 36 वर्षीय जडेजा ने इस साल टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद टी20 इंटरनेशनल से संन्यास ले लिया था. वहीं अब माना जा रहा है कि वे 2025 में क्रिकेट के सबसे बड़े फॉर्मेट टेस्ट से विदाई ले सकते हैं. 2024 में उनका प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है. उन्होंने अब तक 79 टेस्ट में 3331 रन बनाए और 323 विकेट झटके हैं.

इशांत शर्मा

भारत के लिए 430 से ज्यादा इंटरनेशनल विकेट झटक चुके इशांत शर्मा ने आखिरी इंटरनेशनल मैच 2023 में न्यूजीलैंड के खिलाफ कानपुर में खेला था. इसके बाद से 36 साल के इशांत भारतीय टीम से दूर है. साल 2024 खत्म हो चुका है अब देखना होगा कि इशांत अपने करियर पर नए साल में क्या फैसला लेते हैं.

एशिया कप, चैम्पियंस ट्रॉफी पर नजरें... 2025 में ऐसा रहेगा भारतीय टीम का शेड्यूल

नईदिल्ली, एजेंसी। नए साल का आगाज हो गया है. दुनियाभर में 2025 का स्वागत जश्न के साथ किया जा रहा है. पिछला साल भारतीय क्रिकेट के लिए मिला-जुला ही रहा है. टी20 इंटरनेशनल में भारतीय टीम ने धमाल मचाते हुए टी20 वर्ल्ड कप खिताब अपने नाम किया.

मगर वनडे और टेस्ट में उसे कई करारी शिकस्त झेलनी पड़ी हैं. इन दोनों ही फॉर्मेट में भारतीय टीम की हालत पतली नजर आई है. 2024 का आखिरी टेस्ट ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मेलबर्न में खेला, जिसमें 184 रनों से हार झेलनी पड़ी है. अब भारतीय टीम 2024 की इन कड़वी यादों को भुलाकर 2025 का जोरदार स्वागत करना चाहेगी.

सिडनी टेस्ट से होगा नए साल का आगाज

साथ ही भारतीय टीम नए साल में जीत से आगाज करने और बड़े खिताब भी जीतने का इरादा रखती है. टीम इंडिया को नए साल का अपना पहला मुकाबला भी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट खेलना है. यह दोनों टीमों के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत 5 मैचों की सीरीज का आखिरी टेस्ट भी होगा. फिलहाल, ऑस्ट्रेलिया इस सीरीज में 2-1 से आगे है.

2025 में भारतीय टीम की पहली फ्रेश सीरीज इंग्लैंड के खिलाफ होगी. जोस बटलर की कप्तानी में इंग्लिश टीम भारत दौरे पर आएगी, जहां दोनों टीमों के बीच 5 टी20 और 3 वनडे मैचों की सीरीज खेली जाएगी. इसके बाद इसी साल भारतीय टीम को चैम्पियंस ट्रॉफी और एशिया कप भी खेलना है.इसी साल 11-15 जून के बीच वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप का फाइनल भी खेला जाएगा. यदि भारतीय टीम क्वालिफाई करती है, तो उसके लिए अपना पहला खिताब जीतने का मौका रहेगा. आइए जानते हैं 2025 में कैसा रहेगा भारतीय टीम का शेड्यूल....

2025 में भारतीय टीम का फुल शेड्यूल

3-7 जनवरी - भारत-ऑस्ट्रेलिया सिडनी टेस्ट (सीरीज का आखिरी)
इंग्लैंड का भारत दौरा
पहला टी20- 22 जनवरी- कोलकाता
दूसरा टी20- 25 जनवरी- चेन्नई
तीसरा टी20- 28 जनवरी- राजकोट
चौथा टी20- 31 जनवरी- पुणे
पांचवा टी20- 2 फरवरी- मुंबई
पहला वनडे- 6 फरवरी- नागपुर
दूसरा वनडे- 9 फरवरी- कटक
तीसरा वनडे- 12 फरवरी- अहमदाबाद
चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 (फरवरी-मार्च)
20 फरवरी - भारत -बांग्लादेश, दुबई
23 फरवरी - भारत - पाकिस्तान, दुबई
2 मार्च - भारत- न्यूजीलैंड, दुबई
4 मार्च - सेमीफाइनल - (क्वालिफाई करने पर), दुबई
9 मार्च - फाइनल - (क्वालिफाई करने पर), दुबई
इंग्लैंड दौरे पर 5 मैचों टेस्ट सीरीज (जून से अगस्त तक)

पुष्पा 2: दंगल का रिकॉर्ड तोड़ने के करीब पहुंची पुष्पा 2

साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा 2: द रूल कमाई के मामले में भारत ही नहीं, बल्कि दुनियाभर में धूम मचा रही है। यह अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन चुकी है। वहीं, अब बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान के प्रोडक्शन हाउस ने अल्लू अर्जुन अभिनीत पुष्पा 2: द रूल की टीम को इसकी सफलता के लिए बधाई दी। मंगलवार को एक्स पर आमिर खान प्रोडक्शन ने एक छोटा और प्यारा नोट लिखा।

आमिर खान प्रोडक्शन ने की फिल्म की तारीफ

एक्स अकाउंट पर पोस्ट साझा करते हुए आमिर खान प्रोडक्शंस ने लिखा, पुष्पा 2: द रूल की पूरी टीम को फिल्म की ब्लॉकबस्टर सफलता के लिए आमिर खान प्रोडक्शंस की ओर से बहुत-बहुत बधाई। आपकी निरंतर सफलता की कामना करता हूं। प्यार। टीम आमिर खान प्रोडक्शन ने मैत्री मूवी मेकर्स, अल्लू अर्जुन, सुकुमार, रश्मिका मंदाना और फहद फासिल को भी टैग किया।

ब्रैड पिट और एंजेलिना जोली का हुआ तलाक

हॉलीवुड स्टार ब्रैड पिट और एंजेलिना जोली आठ साल की कानूनी लड़ाई के बाद तलाक ले रहे हैं। दोनों ने तलाक के समझौते को अंतिम रूप दे दिया। रिपोर्ट के अनुसार हॉलीवुड की इस जोड़ी ने अपनी शर्तों को अंतिम रूप देते हुए 30 दिसंबर को अलग होने के शर्तों पर हस्ताक्षर कर दिए।

अभिनेत्री के वकील जेम्स साइमन ने कहा, आठ साल से अधिक समय पहले, एंजेलिना ने मिस्टर पिट से तलाक के लिए अर्जी दी थी। जोली ने 19 सितंबर 2016 को पिट से तलाक के लिए अर्जी दी थी। उन्होंने और बच्चों ने मिस्टर पिट के साथ साझा की गई सभी संपत्तियों को छोड़ दिया है। उनका फोकस अब परिवार और पीस पर है। उन्होंने आगे बताया, यह आठ साल पहले शुरू हुई एक लंबी प्रक्रिया का सिर्फ एक हिस्सा है। सच कहूं तो, एंजेलिना थक चुकी हैं, लेकिन उन्हें अब राहत है कि यह खत्म हुआ। 'मिस्टर एंड मिसेज स्मिथ' के कलाकारों ने 10 से 15 दिन की जूरी सुनवाई का अनुरोध किया है जिसमें वो समझौते को लेकर किसी भी तरह की दुविधा को दूर करेंगे। वैरायटी के अनुसार दोनों के बीच का विवाद 2016 में सुर्खियों में आया था, जब एक निजी विमान में कथित तौर पर शारीरिक झड़प हुई, जहां पिट ने अपने एक बच्चे का कथित तौर पर गला दबा दिया और दूसरे के मुंह पर मारा था।

आठ साल तक चला कानूनी विवाद

यह भी दावा किया गया था कि उन्होंने जोली को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की थी। इस घटना के बाद से पिट के खिलाफ एक शिकायत फाइल की गई थी। इसके बाद दोनों के बीच का विवाद गहराता गया। हॉलीवुड अभिनेत्री एंजेलिना जोली ने हाल ही में कहा कि उनके लिए मातृत्व के अलावा कुछ भी मायने नहीं रखता क्योंकि वह अपने छह बच्चों मैडॉक्स, पैक्स, जहरा, शिलोह और 16 वर्षीय जुड़वां बच्चों नॉक्स और विवियन के प्रति समर्पित हैं। अभिनेत्री ने कहा था, मातृत्व, मेरी खुशी है। आप मुझसे बाकी सब कुछ छीन सकते हैं... मेरे लिए बाकी कुछ भी मायने नहीं रखता।

शाहिद कपूर की पत्नी मीरा 2025 में उड़ान भरने को तैयार

नए साल के जश्न के बीच अभिनेता शाहिद कपूर की पत्नी मीरा राजपूत ने सोशल मीडिया पर एक प्यारा वीडियो साझा किया, जिसमें वह बीते साल को याद कर रही हैं तो वहीं 2025 को लेकर खासा उत्साहित नजर आ रही हैं। सोशल मीडिया पर सक्रिय मीरा ने अपनी पोस्ट में 2024 को नई शुरुआत, परिवार और सपनों की तलाश का साल बताया, जबकि 2025 की ओर पूरे जोश के साथ आगे बढ़ने का जज्बा दिखाया। उन्होंने पोस्ट संग लिखा कि वह 2025 के लिए उड़ान भरने को तैयार हैं।

मीरा राजपूत ने कैप्शन में लिखा, 2024 नई शुरुआत, परिवार और सपनों का साल था। 2025 मैं उड़ान भरने के लिए तैयार हूं। वीडियो में शाहिद और उनके दो बच्चों मीशा और जैन संग दिख रही हैं। नए साल के जश्न की तैयारी में डूबी मीरा ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट कर बताया था कि वह नए साल की पूर्व संध्या के लिए कैसे तैयार होती हैं। उन्होंने पोस्ट को कैप्शन दिया था, नए साल का जश्न कैमरे के लिए तैयार लुक और त्वचा सुबह तक सॉफ्ट रहे। तो मैं यहां बताती हूं कि मैं मेकअप के साथ अपनी स्किनकेयर को कैसे लेयर करती हूं। मीरा ने बताया था, मेकअप लगाने और उतारने के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए रोज मल्टी-एक्टिव सीरम लें।

चमक के लिए रेडियंस सीरम लगाएं और मेकअप के दौरान त्वचा को सॉफ्ट और हाइड्रेटेड रखने के लिए मॉइस्चराइजर लगाएं। मीरा म्यूजिक कॉन्सर्ट या अन्य इवेंट में भी शिरकत करती नजर आती हैं। हाल ही में मीरा, ब्रायन एडम्स के कॉन्सर्ट में रवीना टंडन संग नजर आईं थीं। ये शो मुंबई में आयोजित किया गया था। रवीना और मीरा दोनों ने खुशी जाहिर करते हुए इंस्टाग्राम पर कॉन्सर्ट की तस्वीरों और वीडियोज को शेयर किया था।

पहाड़ों की ब्यूटी क्वीन का बड़े परदे पर डेब्यू

मिस उत्तराखंड प्रिंसेज और मिस नॉर्थ इंडियन जैसे ब्यूटी पेजेंट जीत चुकीं मॉडल से अभिनेत्री बनीं अपराजिता वर्मा जल्द ही गढ़वाली फिल्म 'घपरोल' में नजर आने वाली हैं। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है और सब कुछ ठीक रहा तो ये फिल्म नए साल के पहले महीने में ही उत्तराखंड व अन्य राज्यों में रिलीज हो जाएगी। पहाड़ों की सभ्यता और संस्कृति का प्रचार करने वाली इस फिल्म के रशेज देखने वालों का कहना है कि ये फिल्म उत्तराखंड का अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोहों में अच्छे प्रतिनिधित्व कर सकती है और उत्तराखंड सरकार से भी फिल्म के निर्माता इस बारे में बात कर रहे हैं। फिल्म 'घपरोल' दरअसल एक पारिवारिक कॉमेडी फिल्म है जिसकी अंतर्धारा उत्तराखंड की महिला शक्ति है।

जैसा कि सब जानते हैं कि पहाड़ों पर महिलाओं का पारिवारिक जिम्मेदारियां उठाने में बड़ा योगदान होता है और हर गांव में कोई न कोई ऐसा कुटीर उद्योग मिल ही जाता है जिसे चलाने की जिम्मेदारी स्थानीय महिलाओं ने उठाई हुई होती है। इस फिल्म में उत्तराखंड के इसी परिदृश्य को कहानी का आधार बनाया गया है।

विवादों से घिर चुकीं रूपाली ने की सोशल मीडिया पोस्ट, लिखा-

'मैं ड्रामा अवॉयड करती हूं'

हाल ही में 'अनुपमा' सीरियल की लीड एक्ट्रेस रूपाली गांगुली ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट को शेयर किया। जिसमें कुछ ऐसा लिखा है जो रूपाली गांगुली की तरह से खुद पर लगाए जा रहे आरोपों का मुंहतोड़ जवाब कहा जा सकता है।

बातों को मुंह पर कहती हैं

रूपाली ने इंस्टाग्राम पर जो पोस्ट शेयर की है, उस पर कुछ ऐसा लिखा- 'मैं ड्रामा अवॉयड करने की कोशिश करती हूं क्योंकि मेरे मुंह पर कोई फिल्टर नहीं लगा।' इस पोस्ट के जरिए शायद एक्ट्रेस यही कहना चाहती हैं कि जो कुछ भी वह कहती हैं, मुंह पर कह देती हैं, चाहे वह अच्छा हो या बुरा। वह बातों को लाग-लपेटे के साथ नहीं कहती हैं।

को-एक्टर्स छोड़ चुके हैं सीरियल

अब तक रूपाली गांगुली वाले सीरियल 'अनुपमा' को कई एक्टर्स छोड़ चुके हैं। बाहर आकर कुछ एक्टर्स ने रूपाली के बारे में काफी कुछ कहा है। जिससे ऐसा लगने लगा कि रूपाली के कारण ही बाकी एक्टर्स सीरियल छोड़ रहे हैं। हो सकता है कि अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए रूपाली इन सभी एक्टर्स को ही जवाब दे रही हो।

सौतेली बेटी ने भी लगाए आरोप

कुछ महीनों पहले रूपाली गांगुली की सौतेली बेटी ईशा वर्मा ने भी उन पर कई तरह के आरोप लगाए। इस पर रूपाली ने सौतेली बेटी पर मानहानि का केस करने की बात कही। बीच-बीच में ईशा वर्मा सोशल मीडिया पर रूपाली को लेकर पोस्ट करती रहती हैं, जिसमें उनके बारे में तरह-तरह की बातें कहती हैं। ऐसे में हो सकता है कि रूपाली ने हालिया पोस्ट ईशा वर्मा को लेकर भी की हो। इन सभी कंट्रोवर्सी के बीच रूपाली गांगुली का सीरियल 'अनुपमा' अब भी टॉप 10 सीरियल में बना हुआ है। हाल ही में 51वें हफ्ते की टीआरपी लिस्ट में रूपाली का सीरियल चौथे स्थान पर था।

माधुरी दीक्षित के लिए यादगार रहा 2024

बोलीं- हर सबक की आभारी

साल 2024 खत्म होने को है और सितारे साल 2025 का स्वागत बाहें फैलाकर करने को तैयार हैं। बॉलीवुड अभिनेत्री माधुरी दीक्षित के लिए 2024 कभी न भूल पाने वाला साल है। सोशल मीडिया पर सक्रिय माधुरी दीक्षित ने इंस्टाग्राम पर साल की हाइलाइट्स को कैमरे में कैद करते हुए एक वीडियो मोंटाज साझा किया, जिसमें सीखे गए सबक, खुशियों और छोटे लेकिन महत्वपूर्ण पलों के साथ नजर आईं। उन्होंने उन पलों का आभार जताया, जिन्होंने उनके साल को खुशियों से भर दिया।ड्ड वीडियो मोंटाज में माधुरी दीक्षित परिवार और दोस्तों के साथ ही शो और फिल्मों के शूटिंग सेट पर मस्ती करती नजर आईं। क्लिप को शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, हर सीख, खुशी और छोटे पल के लिए आभारी हूं, जिसने 2024 को यादगार बनाया। नया साल मुबारक।

वीडियो के साथ अभिनेत्री ने अमेरिकी अभिनेता, गायक-गीतकार जो कीरी के गाने 'एंड ऑफ बिगिनिंग' को भी जोड़ा। माधुरी सोशल ने हाल ही में पति डॉ. श्रीराम नेने के एक वीडियो को रीपोस्ट किया था, जिसमें लिखा था, अपने आप को परिवार और दोस्तों के साथ रखें और खुशियां आएंगी। मजबूत रिश्ते एक खुशहाल जीवन का रहस्य हैं। इसलिए इस विकेंड अपने परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताएं और तनाव मुक्त रहें। दीक्षित हाल ही में अनीस बज्मी की 'भूल भुलैया 3' में नजर आई थीं। फिल्म में माधुरी के साथ कार्तिक आर्यन, तृप्ति डिमरी, विद्या बालन, राजपाल यादव, संजय मिश्रा समेत अन्य सितारे भी थे। हॉरर कॉमेडी अब ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है।

अर्जुन कपूर से ब्रेकअप के बाद बोलीं मलाइका अरोड़ा

'2024 मेरे लिए मुश्किल भरा रहा'

बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा फिल्मों से दूर हैं लेकिन, अक्सर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में रहती हैं। वो अर्जुन कपूर के डेट करने की वजह से काफी सुर्खियों में रही हैं। इस साल 2024 में दोनों का ब्रेकअप हो गया। अब दोनों के रास्ते अलग हो चुके हैं। वो अपनी लाइफ में मूव ऑन करने की कोशिश कर रही हैं और सिंगल लाइफ को चिल कर रही हैं। इन सबके बीच अभिनेत्री ने साल 2024 के अंत में बताया कि ये साल उनके लिए काफी चैलेंजिंग और मुश्किलों भरा रहा।

मलाइका ने कहा कि उन्हें सीखने के लिए मिला कि पलक झपकते ही जिंदगी में बहुत कुछ बदल सकता है। दरअसल, मलाइका अरोड़ा ने साल के आखिरी में अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में एक पोस्ट शेयर की है। इस पोस्ट में एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने इस साल काफी कुछ सीखा। ये उनके लिए चैलेंजेस, चेंजेस और लर्निंग से भरा रहा। मलाइका अपनी पोस्ट में लिखती हैं, 'मैं 2024 से नफरत तो नहीं करती। लेकिन, ये मेरे लिए काफी मुश्किलों भरा रहा।

ये चैलेंजिंग और सीख से भरा रहा। तुमने मुझे सिखाया कि लाइफ पलक झपकते ही बदल सकती है। तुमने मुझे खुद पर भरोसा करना सिखाया। मुझे बताया कि मेरे लिए मेरी हेल्थ, फिजिकल, इमोशनल और मेंटल बहुत मायने रखती है। ऐसी ही कई चीजें हैं, जो मैं अभी तक समझ नहीं सकती लेकिन, मैं इसमें विश्वास करती हूं। जो कुछ भी हुआ मैं इसके पीछे की वजह के बारे में समझूंगी।'

अनुराग कश्यप ने किया मुंबई छोड़ने का ऐलान

मैं इस इंडस्ट्री से नफरत करता हूं

अनुराग कश्यप ने फिल्म इंडस्ट्री से निराशा के चलते मुंबई छोड़ने का ऐलान किया है। उन्होंने बढ़ती फिल्ममेकिंग लागत और टैलेंट मैनेजमेंट एजेंसियों पर आरोप लगाए। वह साउथ में फिल्म बनाने का विचार कर रहे हैं, जहां उन्हें प्रेरणा मिले। उन्होंने बताया कि हिंदी सिनेमा रीमेक पर ज्यादा ध्यान देता है, कुछ नया नहीं करता। बॉलीवुड फिल्ममेकर अनुराग कश्यप ने मुंबई छोड़ने का ऐलान कर दिया है। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा कि वह शहर से बाहर जा रहे हैं।

गैंग्स ऑफ वासेपुर डायरेक्टर ने अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि फिल्में बनाने का मजा अब खत्म हो गया है। उन्होंने टैलेंट मैनेजमेंट एजेंसी पर आरोप लगाया कि वो महत्वाकांक्षी अभिनेताओं को स्टार बनने के लिए मजबूर करती हैं और फिर जब वो सफल नहीं होते हैं तो उन्हें छोड़ देती हैं।

अनुराग कश्यप ने बात करते हुए फिल्ममेकिंग की बढ़ती लागत पर दुख जताया है और इसके लिए फीस में बढ़ोत्तरी और दूसरे फैक्टर्स को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा, अब मेरे लिए बाहर जाकर कुछ नया करना मुश्किल है। क्योंकि पैसे ज्यादा लगते हैं और मेरे प्रोड्यूसर फिर फायदे और मार्जिन के बारे में सोचते हैं। फिल्म शुरू होने से पहले ही, ये तय होने लगता है कि इसे कैसे बेचा जाए। इसलिए फिल्म बनाने का आनंद खत्म हो गया है।इसलिए मैं अगले साल मुंबई से बाहर जाना चाहता हूं। मैं साउथ जा रहा हूं। मैं वहां जाना चाहता हूं जहां प्रेरणा हो। नहीं तो मैं एक बूढ़े इंसान के रूप में मर जाऊंगा। मैं अपनी इंडस्ट्री से बहुत दुखी और निराश हूं। मैं इसकी मानसिकता से नफरत करता हूं।